गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

मौसम

तापमान	27 – 37
आर्द्रता	80%
सूर्योदय: 05:10	सूर्यास्त: 17:59

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, वैशाख शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 12, मूल्य 3.00 रुपये

कच्चा तेल महंगा होने के बावजूद भारत में सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि संभव: एसोचैम पृष्ठ 12

स्थानीय खबरें पृष्ठ चार, छः और सात पर

सुविचार : असंभव को संभव बनाने के लिए हमेशा कोशिश करना पड़ता है।

प्रभावी-पारदर्शी बीमा कवर अनिवार्य हो

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं।

यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं। आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा। निस्संदेह, बीमा कवरेज ही काफी नहीं है, देश को अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करना होगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा अस्पताल के बिल मजबूर लोगों की आय व बचत को पलीता लगाते रहेंगे।

बंगाल की बिसात पर योगी की 'हिंदुत्व' वाली गर्जना

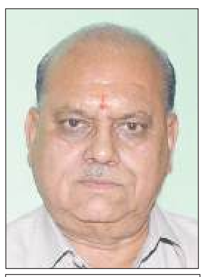

अजय कुमार

पश्चिम बंगाल की राजनीति के केंद्र में इस समय केवल चुनावी आंकड़े नहीं, बल्कि विचारधाराओं का वह प्रचंड टकराव है जिसने भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों को बिल्कुल आमने-सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो भगवा चोले में हिंदुत्व की धार और 'बुलडोजर मॉडल' की धमक लेकर बंगाल की गलियों में टीएमसी के किले को ढहाने निकले हैं, तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव हैं, जिन्होंने इस चुनावी शोर से एक सोची-समझी दूरी बना रखी है। यह दूरी महज संयोग नहीं, बल्कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव और दिल्ली की गद्दी के लिए बुनी जा रही उस बिसात का हिस्सा है, जहां हर कदम फूंक-फूंक कर रखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का बंगाल में उतरना महज एक स्टार प्रचारक की मौजूदगी नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश है जो सीधे लखनऊ के गलियारों तक पहुंच रहा है।

योगी आदित्यनाथ जब पुरुलिया या कोलकाता की सड़कों पर गरजते हैं, तो उनके निशाने पर सिर्फ ममता बनर्जी नहीं होतीं, बल्कि वह तुष्टिकरण की उस राजनीति पर प्रहार करते हैं जिसे भाजपा बंगाल में अपनी जीत की कुंजी मानती है। योगी का 'स्ट्राइक रेट' अब सिर्फ चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विपक्षी खेमे के लिए सिरदर्द बन चुका है। बिहार चुनाव में 90 फीसदी और दिल्ली में करीब 78 फीसदी की सफलता दर ने उन्हें भाजपा का सबसे बड़ा 'इम्पैक्ट मेकर' बना दिया है। वह बंगाल की धरती पर खड़े होकर जब यह कहते हैं कि 'बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है', तो वह दरअसल बंगाली अस्मिता को हिंदुत्व के साथ जोड़कर एक नया नैरेटिव सेट कर रहे होते हैं। उनका सीधा हमला कोलकाता के मेयर के उस बयान पर है जिसमें उर्दू की वकालत की गई थी। योगी यहां स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि बंगाल में केवल बंगाली और भारतीय संस्कृति चलेगी, किसी भी प्रकार का विदेशी प्रभाव या तुष्टिकरण स्वीकार्य नहीं होगा।

दूसरी ओर, अखिलेश यादव की खामोशी उत्तर प्रदेश की राजनीति के भविष्य की ओर इशारा करती है। बंगाल में ममता बनर्जी और अखिलेश के संबंध जगजाहिर हैं। ममता ने यूपी चुनाव में अखिलेश के लिए रैलियां कीं, लेकिन आज जब बंगाल में ममता को उनकी जरूरत थी, तब अखिलेश ने खुद को पीछे खींच लिया। इसके पीछे 'गठबंधन धर्म' का पेचीदा गणित है। बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट एक साथ हैं और टीएमसी के खिलाफ लड़ रहे हैं। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस का अटूट साथ है। अगर अखिलेश बंगाल में ममता के मंच पर जाते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों में दरार आ सकती थी। भाजपा को यह कहने का मौका मिल जाता कि अखिलेश 'दो नावों की सवारी' कर रहे हैं। साथ ही, बंगाल में जिस तरह से ध्रुवीकरण की राजनीति चरम पर है, अखिलेश नहीं चाहते कि वह ममता के साथ खड़े होकर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के उन आरोपों को खुद पर ओढ़ लें, जिससे वह यूपी में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के जरिए बचने की कोशिश कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ का 'यूपी मॉडल' बंगाल में एक ब्रांड बन चुका है। वह अपनी रैलियों में बार-बार 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश और आज के उत्तर प्रदेश की तुलना करते हैं। वह बताते हैं कि कैसे कभी यूपी में माफियाओं का राज था, कैसे सड़कों पर नमाज के नाम पर अराजकता होती थी और कैसे त्योहारों पर पाबंदियां थीं। उनका 'नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा' का नारा बंगाल के उन मतदाताओं को आकर्षित कर रहा है जो कानून-व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। योगी का बुलडोजर अब सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि सुशासन का प्रतीक बन चुका है, जिसे वह बंगाल में टीएमसी के 'गुंडाराज' के खिलाफ एक हथियार के तौर पर पेश कर रहे हैं। वह टीएमसी कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हैं कि भाजपा की सरकार बनते ही अपराधी जेल में होंगे, ठीक वैसे ही जैसे यूपी के माफिया आज बिलों में छिपे हैं या जेल की सलाखों के पीछे हैं।

अखिलेश यादव के लिए चुनौती सिर्फ गठबंधन बचाने की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि को बरकरार रखने की भी है। लोकसभा चुनाव में तीसरी बड़ी पार्टी बनने के बाद अखिलेश को भविष्य के पीएम चेहरे के तौर पर देखा जाने लगा है। लेकिन बिहार और अब बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों से उनकी अनुपस्थिति उनके 'नेशनल एंबिशन' पर सवाल खड़े करती है। क्या वह केवल यूपी के नेता बनकर रह जाना चाहते हैं? या फिर वह हिंदुत्व बनाम तुष्टिकरण की इस जंग में खुद को इतना सुरक्षित रखना चाहते हैं कि यूपी के बहुसंख्यक वोटों में कोई बिखराव न हो? राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अखिलेश यादव इस समय भाजपा के 'सांप्रदायिक ध्रुवीकरण' के जाल में नहीं फंसना चाहते। वह जानते हैं कि बंगाल में ममता के पक्ष में खड़ा होना सीधे तौर पर भाजपा के हिंदुत्व के पिच पर खेलने जैसा होगा, जो उत्तर प्रदेश में उनके 'पीडीए' समीकरण को बिगाड़ सकता है।

योगी आदित्यनाथ की रैलियों में उमड़ता जनसैलाब और उनका आक्रामक तेवर यह साफ करता है कि भाजपा ने बंगाल को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। योगी का 'गौ-माता' और 'राम' का मुद्दा सीधे तौर पर बंगाल की सांस्कृतिक जड़ों को छूने का प्रयास है। वह ममता बनर्जी के उस 'गुस्से' को ढाल बना रहे हैं जो वह 'जय श्री राम' के नारों पर दिखाती रही हैं। योगी का यह कहना कि 'ममता दीदी राम नाम से चिढ़ती हैं', बंगाल के हिंदू मतदाताओं के मन में एक गहरा प्रभाव छोड़ रहा है। वह इस लड़ाई को 'बंगाली अस्मिता बनाम बाहरी' से मोड़कर 'हिंदुत्व बनाम तुष्टिकरण' पर ले आए हैं। कोलकाता के मेयर के बयान को आधार बनाकर उन्होंने बंगाली अस्मिता को बचाने का जो कार्ड खेला है, उसने टीएमसी की रणनीति को बैकफुट पर धकेल दिया है।

बहरहाल, यह चुनाव केवल बंगाल की सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति की दिशा भी तय करेगा। योगी आदित्यनाथ जहां अपनी 'हिंदुत्ववादी छवि' और 'कठोर प्रशासक' के ठप्पे को और मजबूत कर रहे हैं, वहीं अखिलेश यादव एक 'वेट एंड वॉच' की नीति पर चल रहे हैं। योगी के लिए बंगाल एक प्रयोगशाला है जहां वह अपने यूपी मॉडल की सफलता को परख रहे हैं, ताकि 2027 में वह और अधिक आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतर सकें। वहीं अखिलेश के लिए बंगाल एक ऐसी आग है जिससे वह अपने दामन को बचाकर निकलना चाहते हैं ताकि यूपी की जंग में वह बेदाग रहें। बंगाल के इस चुनावी रण में योगी की 'गर्जना' और अखिलेश का 'मौन' दोनों ही भारतीय राजनीति के भविष्य के गर्भ में छिपे बड़े बदलावों की पटकथा लिख रहे हैं। अब देखना यह है कि बंगाल की जनता योगी के 'रामराज्य' के आह्वान को चुनती है या ममता की 'अकेली लड़ाई' पर मुहर लगाती है।

-वरिष्ठ पत्रकार

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

ललित गर्ग

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस, 23 अप्रैल 2026 पर विशेष:

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं- वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं।

पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आज का पंचांग

कोलकाता : 23 अप्रैल, गुरुवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख शुक्लपक्ष सप्तमी, 20:54 तक, नक्षत्र : पुनर्वसु, 20:59 तक, योग : सुकर्माण, 06:05 तक, सूर्योदय: 05:10, सूर्यास्त: 17:59, चन्द्रोदय : 10:21, चन्द्रास्त: 24:19, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 13:10 से 14:45

राशिफल

मेष : आज आपका व्यक्तित्व नेतृत्व से चमकेगा। लोग खुद आपकी बात मानेंगे। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में बड़ा अवसर बन सकते हैं।

वृष : आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद खास है। आपको कोई जिम्मेदारी भरा पद मिल सकता है, जिससे आपकी पहचान और बढ़ेगी। आसपास के लोगों को पहचानना जरूरी है।

मिथुन : आज का दिन थोड़ा संतुलन मांगता है। नए संपर्क लाभ देंगे, लेकिन सेहत में उतार-चढ़ाव आपको परेशान कर सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपको उलझाने की कोशिश कर सकते हैं।

कर्क : आज बेवजह का तनाव छोड़कर सुकून की राह अपनाएं। आपका झुकाव आध्यात्म की ओर रहेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

सिंह : आज मेहनत आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगी। बिजनेस में किए गए बदलाव आपके लिए लाभकारी साबित होंगे। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है।

कन्या : आज करियर में सफलता आपका इंतजार कर रही है। काम का बोझ भले ज्यादा हो, लेकिन आप हर काम को बेहतरीन तरीके से पूरा करेंगे। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलेगी।

तुला : आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने वाली है। नए निवेश के अवसर मिलेंगे और बिजनेस में पार्टनरशिप भी फायदेमंद रहेगी। नया घर या प्रॉपर्टी खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है।

वृश्चिक : आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और दिल गर्व से भर जाएगा। करियर में नए अवसर सामने आएंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भागदौड़ रहेगी, लेकिन धीरे-धीरे रास्ता साफ होगा।

धनु : आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। इस ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर आप बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। विरोधियों को भी आप अपनी समझदारी से पीछे छोड़ देंगे।

मकर : आज प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सफलता के योग हैं। भागदौड़ जरूर रहेगी, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। पार्टनर पर भरोसा करने से पहले अच्छे से सोच लें।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। आप अपनी योजनाओं को पूरा करने में जुटे रहेंगे और सफलता भी मिलेगी। आपकी मेहनत रंग लाएगी।

मीन : आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन सीख देने वाला होगा। कुछ कामों में रुकावट आ सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है।

वर्ग पहेली नं. 3418

1		2	3	■	4	5		6	■
	■	7		8			■	9	10
11			■	12		■	13	■	
	■	14			■	15			
■	16		■	17	18	■		■	
19			20	■	21	22		23	■
24		■	25	26			■	27	28
	■	29			■	30		■	
31			■	32			■	33	

बायें से दायें:- 1) एक भारतीय शहर, 4) अपंग, 7) नवयुवा, 9) हाथी, 11) साहस, 12) हत्या, 14) गंभीर, 15) शाबाशी, 16) अभिन्न, 17) दुनिया, 19) दावाग्नि, 21) विषाक्त, 24) दाम, 25) समान, 27) केशजूड़ा, 29) टीस, 30) बीमार, 31) लिहाफ़, 32) विवेक, 33) बेस्वाद.

ऊपर से नीचे:- 1) अनुचित, 2) वापसी, 3) आवाज़, 4) अयोध्या, 5) पवित्र, 6) संसार, 8) राजपुत्र, 10) जलविहीन, 13) मासिक, 16) जिज्ञासा; प्रश्न, 18) ईश्वरीय संकट; अत्याचार, 19) कृष्ण, 20) अफ़वाहबाज़, 22) प्रतिदिन, 23) अत्यधिक, 26) आराम, 28) खड़ाऊँ, 29) विविध; अनेक.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

वि	■	ग़	म	■	ब	द	ली	■	ए
श्वा	■	ल	ल	चा	या	■	क	ड़	क
स	चे	त	■	क	न	क	■	■	मा
घा	■	फ़	रा	र	■	ले	श	मा	त्र
त	र	ह	■	■	प्र	जा	■	हि	■
■	स	मी	क	र	ण	■	म	र	ज़ी
ना	ना	■	द	■	य	क़ी	न	■	■
य	■	खु	न्न	स	■	म	न	सू	बा
ब	ग	ला	■	च	ल	ती	■	खा	री

सुडोकू-पहेली-3376

	8			9				
			4		1	8		
				6		4		3
	4				2	7		
6			5				1	2
	7			1				
		2			8	9		
	6				4		2	
		4						

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3375 का उत्तर

2	5	3	1	4	7	9	6	8
6	1	9	5	8	3	7	2	4
7	8	4	2	9	6	5	3	1
1	9	2	7	5	4	6	8	3
5	6	7	8	3	2	1	4	9
3	4	8	6	1	9	2	5	7
9	3	1	4	2	5	8	7	6
8	2	6	3	7	1	4	9	5
4	7	5	9	6	8	3	1	2

गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, वैशाख शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 12, मूल्य 3.00 रुपये

मौसम

तापमान 27 – 37

आर्द्रता 80%

सूर्योदय: 05:10 सूर्यास्त: 17:59

टूंप ने अमेरिका–ईरान युद्धविराम बढ़ाया

पृष्ठ 11

स्थानीय खबरें पृष्ठ चार, छः और सात पर

सुविचार : असंभव को संभव बनाने के लिए हमेशा कोशिश करना पड़ता है।

जो लड़ रही सबकी पुकार पर, वही जिताएगी बांग्ला माँ को

बंगाल के लिए दीदी की १० प्रतिज्ञा

लक्ष्मी की जय, स्वनिर्भरता अक्षय
लक्ष्मीर भंडार में ₹५०० प्रति माह की वृद्धि — सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए ₹१,५०० (₹१८,००० प्रति वर्ष) और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए ₹१,७०० (₹२०,४०० प्रति वर्ष)

बंगाल में सभी को बेहतर स्वास्थ्य का अधिकार
प्रति वर्ष प्रत्येक ब्लॉक और शहर में आयोजित 'द्वारे चिकित्सा' कैंप के माध्यम से, प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ अब सीधे आपके द्वार तक

युवाओं के साथ, रोज़गार का भरोसा
आजीविका-हीन युवाओं को 'बांग्लार युबा-साथी' योजना के तहत ₹१,५०० प्रति माह (₹१८,००० प्रति वर्ष) की आर्थिक सहायता

शिक्षा ही संपत्ति, सुरक्षित भविष्य का संकल्प
'बांग्लार शिक्षायातन' के अंतर्गत सभी सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढाँचे का पूर्ण विकास

कृषि बजट, किसानों की खुशहाली
कृषि क्षेत्र के समग्र विकास, कृषि परिवारों को निरंतर समर्थन एवं भूमिहीन किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए ₹३०,००० करोड़ का कृषि बजट और किसानों के फायदे के लिए 50 नए कोल्ड स्टोरेज

बंगाल बनेगा भारत के पूर्वी व्यापार का सारथी
विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक्स, पोर्ट और व्यापारिक बुनियादी ढाँचे के साथ बंगाल बनेगा पूर्वी भारत के व्यापार का प्रवेशद्वार

निश्चित आवास, चिंताओं का नाश
बंगाल के हर परिवार के लिए पक्के घर की गारंटी

बुज़ुर्गों के साथ, देखभाल का भरोसा
वर्तमान सभी लाभार्थियों के लिए निरंतर वृद्धावस्था पेंशन सहायता सुनिश्चित की जाएगी और धीरे-धीरे इस सुरक्षा के दायरे का विस्तार कर सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को इसके अंतर्गत लाया जाएगा

हर घर नल, शुद्ध पीने का जल
बंगाल के हर घर तक पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुँचाने का लक्ष्य

प्रशासनिक सुगमता से बंगाल नए क्षितिज पर
७ नए ज़िलों का निर्माण; भौगोलिक पुनर्गठन द्वारा नगरपालिकाओं की संख्या में वृद्धि

जोड़ा फूल पर वोट करें

बंगाल में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा और 'दीदी' की स्थिति बदतर होना तय : अमित शाह

गृह मंत्री की चेतावनी, तृणमूल के गुंडे 29 अप्रैल तक बाहर मत निकलें, नहीं तो बहुत तकलीफ होगी

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि राहुल गांधी की पार्टी विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पायेगी और ममता बनर्जी का इस पार्टी से जुड़ाव उनके राजनीतिक पतन को और तेज करेगा। शाह ने दमदम इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राज्य में भाजपा के कई प्रमुख चुनावी मुद्दों को एक साथ जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने घुसपैठ, महिलाओं की सुरक्षा, 'सिंडिकेट राज', वंशवादी राजनीति और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों को उठाया और इस मुकाबले को तृणमूल कांग्रेस की 'आतंक की राजनीति' को समाप्त करने के लिए एक निर्णायक लड़ाई के रूप में पेश किया। इस दिन, उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायेगी। पश्चिम बंगाल में तो आप अपना खाता भी नहीं खोल पाएंगे और असम में कांग्रेस को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। ममता पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि ममता दीदी, आप इसी कांग्रेस के साथ बैठी हैं। आपकी स्थिति भी बदतर होने वाली है। शाह ने तृणमूल कांग्रेस के इस आरोप का भी खंडन किया कि बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा किसी 'बाहरी' व्यक्ति को मुख्यमंत्री बना देगी। उन्होंने कहा कि ममता दीदी यह कहकर लोगों को गुमराह कर रही हैं कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री के रूप में किसी बाहरी व्यक्ति को चुना जायेगा। मुख्यमंत्री बंगाल का ही कोई व्यक्ति होगा। हालांकि, वह ममता जी का भतीजा नहीं, बल्कि भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो बंगाल में पैदा हुआ हो, बांग्ला भाषा बोलता हो, बांग्ला माध्यम के स्कूल में शिक्षित हो और भाजपा का नेता हो। उन्होंने आरोप लगाया कि अब ममता दीदी को हटाने का समय आ गया है, जो 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ सत्ता में आईं लेकिन बंगाल को 'गुंडों' के भरोसे छोड़ दिया। अब उनका (ममता बनर्जी) एकमात्र लक्ष्य अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। उन्होंने विकास के वादे के साथ-साथ औद्योगिक गिरावट और कथित 'सिंडिकेट राज' को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता दीदी की वजह से औद्योगिक इकाइयां बंगाल से बाहर जा रही हैं, लेकिन भाजपा की वजह से गुंडे बंगाल से भाग जाएंगे। शाह ने भाजपा के प्रमुख मुद्दों में से एक महिलाओं की सुरक्षा पर भी फिर से जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'ममता दीदी बेशर्मी से कहती हैं, महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर क्यों निकलना चाहिए? मैं वादा करता हूं कि पांच मई के बाद हम बंगाल की माताओं, बहनों और बेटियों को भय से मुक्त कराने के लिए काम करेंगे। कई निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा द्वारा हिंदू मतों को एकजुट करने के बढ़ते प्रयासों के मद्देनजर, शाह ने राम मंदिर का मुद्दा भी उठाया और इसे तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा की गई टिप्पणियों से जोड़ा। शाह ने कहा कि अयोध्या में, जहां कभी बाबरी मस्जिद हुआ करती थी, मोदी जी ने राम मंदिर का निर्माण कराया और 'जय श्री राम' का नारा लगाया। और ममता दीदी चाहती हैं कि हुमायूं कबीर बंगाल में बाबरी मस्जिद का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि मैं यह स्पष्ट रूप से कह रहा हूं, ममता दीदी, आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, भाजपा बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देगी।

ममता ने 'फर्जी मतदान' की चेतावनी दी, मतदान दिवस पर सतर्क रहने का किया आग्रह

ममता ने हावड़ा में किया रोड शो

हुगली, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा विधानसभा चुनावों में फर्जी मतदान कराने के लिए केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करेगी और उन्होंने लोगों से ऐसी राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा न बनने का आग्रह किया। हुगली जिले के हरिपाल में बुधवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने लोगों से मतदान दिवस पर सतर्क और सावधान रहने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उनके मतदान अधिकार का प्रयोग बिना किसी हस्तक्षेप या धमकी के हो। मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय बल भारी संख्या में मतदान करेंगे। भाजपा इनका इस्तेमाल फर्जी मतदान के लिए करेगी। मैं उनसे कहूंगी, राजनीति मत करो। हम आपको सलाम करते हैं। आप देश की रक्षा करते हैं। लेकिन केंद्रीय बल अब 'भाजपा जिंदाबाद' के नारे लगा रहे हैं! उनकी इतनी हिम्मत कैसे हुई? उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय बल मतदान केंद्र पर आपकी जांच करेंगे। अगर वे महिलाओं को छूते हैं, तो आप कानूनी रास्ता अपनाएंगे। कोई भी हथियार नहीं उठाएगा या हिंसा का सहारा नहीं लेगा। आप जानते हैं कि ऐसी स्थिति में क्या करना है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि भाजपा केंद्र में अल्पमत सरकार चला रही है और निकट भविष्य में किसी भी समय गिर सकती है। उन्होंने कहा कि हमने कुछ दिन पहले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया। भाजपा सरकार इसी साल गिर जाएगी। यह अल्पमत सरकार है। यह कुछ लोगों की दया पर टिकी हुई है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि उन्होंने 27 अप्रैल से हज के लिए हवाई सेवा शुरू कर दी है। यह बहुत चालाकी से किया गया है। यहां 29 अप्रैल को चुनाव हैं और उससे पहले ही उन्होंने यह कर दिया है। मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि बिना वोट डाले हज पर न जाएं। पहले अपना वोट डालें और फिर हज पर जाएं। अगर आप वोट नहीं डालेंगे तो वे आपको एनआरसी के जरिए देश से बाहर निकाल देंगे। अपना वोट बर्बाद न करें। मैं हज के लिए सभी व्यवस्थाएं करूंगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस भाजपा के पक्ष में काम कर रही है। उन्होंने आईएएस, आईपीएस और अन्य अधिकारियों से निष्पक्ष तरीके से काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि हमारी पुलिस उनकी सहयोगी बन गई है, वे अब मुझे नहीं पहचानते, वे भाजपा को जानते हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया कि मतदान से पहले 1,000 तृणमूल नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के लिए एक सूची तैयार की गई है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एक भी तृणमूल कार्यकर्ता गिरफ्तार हुआ, तो मेरी हजारों माताएं और बहनें सड़कों पर उतर आएंगी। ममता ने भाजपा पर प्रवासी श्रमिकों को मतदान को प्रभावित करने के लिए लामबंद करने का आरोप लगाया और कहा कि निर्वाचन आयोग मतदान से पहले मोटरसाइकिल की आवाजाही पर रोक जैसे प्रतिबंध लगाकर लोगों को डरा रहा है।

शहीद मीनार मैदान में राहुल की सभा को अनुमति

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी 25 अप्रैल को कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनावी जनसभा होगी। इसके लिए सेना की ओर से पार्टी को अनुमति मिल गई है। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की तीन सीटों पर चुनाव प्रचार कर चुके हैं। लेकिन दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के लिए कई जगहों पर सभा की अनुमति नहीं मिल रही थी।

4 मई के बाद टीएमसी के गुंडों की उल्टी गिनती शुरू होगी : योगी आदित्यनाथ

कहा... 'ऑन्धकार हटबे, सूरोज उठेबे, कोमोल खिलबे, दीदी... ए बार खेला शेष, उन्नयन शुरू'

हावड़ा, समाज्ञा : जिले के उदयनारायणपुर में भाजपा उम्मीदवार प्रभाकर पंडित के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने लोगों को आश्वस्त किया कि 4 मई के बाद तृणमूल कांग्रेस के गुंडों की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। सीएम योगी मंच पर भाजपा कार्यकर्ता स्व. सुबोध जीत की मां से मिले और उनका दर्द बांटा, फिर कहा कि टीएमसी के गुंडों ने सुबोध को मारकर उनके जैसे हजारों कार्यकर्ताओं को पैदा किया है। मुझे यह भी पता लगा कि टीएमसी के गुंडे यहां भाजपा प्रत्याशी की सभा नहीं होने दे रहे हैं, टेंट नहीं लगने दे रहे हैं। तब मैंने कहा कि धूप में खड़े होकर भी उनके लिए सभा करूंगा, मैं कई कार्यक्रम स्थगित कर उदयनारायणपुर आया हूं। सीएम ने उदयनारायणपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं को बहादुर बताते हुए उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि 4 मई के बाद टीएमसी के गुंडों की उल्टी गिनती शुरू होगी, उन्हें जवाब दिया जाएगा। सीएम योगी ने तृणमूल नेताओं के बयानों पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनका एक मेयर कहता है कि बंगाल में आधी आबादी को उर्दू पढ़ाएंगे, हम कहते हैं कि उर्दू पढ़ने वाले वहीं जाएं, जहां उर्दू में शिक्षा मिलती हो। बंगाल में बांग्ला ही बोली जाएगी। टीएमसी की एक सांसद कहती हैं कि दिल में काबा, नयनों में मदीना, लेकिन वे जान लें कि बंगाल के दिल में काली और नयनों में बेलूर मठ है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा व विरासत बंगाल की रग-रग में बसी है। सीएम योगी ने कहा कि ममता दीदी कहती है कि खेला होबे, मैं कहता हूं कि ममता दीदी ए बार खेला शेष, उन्नयन शुरू (इस बार खेल खत्म और विकास शुरू)। पीएम मोदी द्वारा विकास के लिए भेजे गए पैसे में बंगाल सरकार की डकैती बंद होगी। रामनवमी व दुर्गापूजा के कार्यक्रम हर्षोल्लास से होंगे। कोई इसमें बाधा बनेगा तो उसका खेला शुरू हो जाएगा। मतदाताओं की ताकत बंगाल को गुंडागर्दी से निजात दिलाएगी। आमार सोनार बांग्ला, टीएमसी मुक्त बांग्ला बनेगा। अब ऑन्धकार हटबे, सूरोज उठेबे, कोमोल खिलबे (अंधकार हटेगा, सूरज उगेगा, कमल खिलेगा)।

अमित शाह ने राज्य की मुख्यमंत्री और महिलाओं का अपमान किया : अभिषेक बनर्जी

❑ तृणमूल नेता का दावा, इस बार भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी नहीं कर पायेंगे पार

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर चुनाव प्रचार के दौरान राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपमान करने का बुधवार को आरोप लगाया और कहा कि यह महिलाओं के प्रति भाजपा के नजरिये को दर्शाता है। अभिषेक बनर्जी ने दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर शाह द्वारा की गई कथित टिप्पणियों का जवाब चार मई को चुनाव परिणाम आने के बाद दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा 'नारी शक्ति' की बात करती है, लेकिन हम सभी ने देखा कि मंगलवार को एक सभा में अमित शाह ने ममता बनर्जी को किस तरह से संबोधित किया। वह उन्हें 'ऐ दीदी' कहकर बुला रहे थे, ठीक वैसे ही जैसे मोदी ने 2021 में 'दीदी ओ दीदी' कहकर बुलाया था और ये दोनों ही अपमानजनक और अनादरपूर्ण तरीके से संबोधन था। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि और याद रखिए, वह (शाह) अपने से उम्र में बड़ी महिला को संबोधित कर रहे थे। महिलाओं के प्रति, एक महिला मुख्यमंत्री के प्रति और एक वरिष्ठ नेता के प्रति उनका यही सम्मान है? उन्होंने कहा कि जिस तरह 2021 के चुनावों के बाद भाजपा 77 सीट तक सीमित रह गई थी, इस बार वे 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर पायेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के अन्य नेताओं से राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान 'संयम रखने' का आग्रह किया और आरोप लगाया कि भाजपा एकमात्र महिला विपक्षी मुख्यमंत्री को निशाना बना रही है, जिन्होंने उसके 'तानाशाही रवैये' के खिलाफ आवाज उठाई थी। अभिषेक ने कहा कि चार मई के बाद, हम दिल्ली से भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए अगली लड़ाई की तैयारी करेंगे। अभिषेक ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा वैध दस्तावेजों के बावजूद बंगालियों की नागरिकता पर सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि और वैध दस्तावेजों वाले बंगाली नागरिकों की नागरिकता की जांच और सत्यापन करने के बजाय, वह दिन दूर नहीं जब हम आपके (शाह जैसे नेताओं के) निवास प्रमाण की जांच और सत्यापन करेंगे। अभिषेक ने आरोप लगाया कि माकपा के जिन लोगों ने वामपंथी शासन के दौरान विपक्षी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर 'अत्याचार' किए थे, वे बाद में पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गए थे और ये लोग ही पश्चिम बंगाल में भगवा ताकतों के आगे बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं। उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में एक और रैली में उन्होंने कहा कि आईएसएफ और एजेयूपी जैसी नयी पार्टियां हैं जो तृणमूल कांग्रेस के मतों को बांटने में भाजपा की मदद करने के लिए काम कर रही हैं और भाजपा के साथ उनकी मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले आपको अचानक कई नयी पार्टियां उभरती हुई दिखाई देंगी। कुछ अपुष्ट खबरों के अनुसार, कुछ लोगों को हमारे वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये मिले हैं। निश्चिंत रहें, इस तरह की जितनी अधिक साजिशें सामने आएंगी, मतदाताओं के सामने उनकी विश्वसनीयता उतनी ही कम होती जाएगी।

पुलिस पर्यवेक्षकों के मौखिक आदेशों के आधार पर 500 से अधिक गिरफ्तारी की गईं : तृणमूल कांग्रेस

तृणमूल प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ से की मुलाकात, गिरफ्तारियों के संबंध में शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षकों के 'मौखिक आदेशों' के आधार पर 500 से अधिक गिरफ्तारी की गई हैं। पार्टी ने ऐसे आदेशों को कानूनी प्रावधानों का 'स्पष्ट उल्लंघन' बताया। तृणमूल के राज्यसभा सदस्य और पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार और मंत्री शशि पांजा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल से उनके कार्यालय में मुलाकात की और इन गिरफ्तारियों के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। सीईओ से मुलाकात के बाद, राजीव कुमार ने आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षकों पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम करने का आरोप लगाया। पूर्व पुलिस महानिदेशक ने कहा कि इन पर्यवेक्षकों द्वारा 500 से अधिक गिरफ्तारी की गई हैं, जबकि उनके पास लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश देने का 'कोई अधिकार नहीं' है। कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि हम देख रहे हैं कि पर्यवेक्षक भाजपा उम्मीदवारों से निजी तौर पर मिल रहे हैं और पुलिस को गिरफ्तारी के मौखिक आदेश दे रहे हैं। यह कानूनी प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि तृणमूल को इस संबंध में पुख्ता जानकारी मिली है। कानूनी मामलों के अपने अनुभव का हवाला देते हुए सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ने दावा किया कि ऐसा कृत्य दंड प्रक्रिया संहिता और लागू चुनावी कानूनों के प्रावधानों का उल्लंघन है। संबंधित अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि 'गैरकानूनी गिरफ्तारी आदेश' जारी करने या उन्हें लागू करने में शामिल अधिकारियों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद आप भले अपने राज्य में लौट जाएं, अगर आप संविधान विरोधी तरीके से काम करते हैं तो हम आपको अदालत में घसीटेंगे।

❑ तृणमूल ने किया नंदीग्राम में लोगों पर केंद्रीय बलों के हमले का दावा, निर्वाचन आयोग का इनकार

राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में केंद्रीय बलों के जवानों ने स्थानीय लोगों पर अत्यधिक बल का प्रयोग किया। हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि शिकायत की जांच की गई, लेकिन ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। तृणमूल ने आरोप लगाया कि निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैनात सीआरपीएफ कर्मियों ने 21 अप्रैल को बिना किसी उकसावे के स्थानीय लोगों पर हमला करके 'अपने पद का घोर दुरुपयोग' किया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पार्टी ने शिकायत के साथ घायल व्यक्तियों की कथित तस्वीरें भी जमा कीं। तृणमूल ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम में केंद्रीय बलों की कार्रवाई निर्वाचन आयोग के चुनाव के दौरान बल तैनाती संबंधी नियमावली के प्रावधानों का 'प्रत्यक्ष और घोर उल्लंघन' है। शिकायत में कहा गया है कि शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए तैनात बल ही आक्रामक हो गए हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो रहा है।

❑ तृणमूल ने शुभेंदु अधिकारी पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का लगाया आरोप, लिखा पत्र

तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया और इस सिलसिले में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई। चुनाव प्राधिकारियों को लिखे पत्र में तृणमूल ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम और भवानीपुर विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे और भाजपा के 'स्टार प्रचारक' शुभेंदु अधिकारी ने 20 अप्रैल को दक्षिण 24 परगना के सोनाखाली हाई स्कूल मैदान में पार्टी उम्मीदवार तपन दत्ता के समर्थन में समय सीमा का उल्लंघन करते हुए एक जनसभा आयोजित की। शिकायत के अनुसार, बैठक के लिए दोपहर 1.30 बजे तक की अनुमति दी गई थी, लेकिन शुभेंदु का हेलीकॉप्टर कथित तौर पर करीब 3.10 बजे कार्यक्रम स्थल पर उतरा और सभा लगभग शाम 5 बजे तक जारी रही। पत्र में कहा गया कि बैठक के लिए निर्धारित समय का गंभीर उल्लंघन करते हुए शुभेंदु अधिकारी, तपन दत्ता और अन्य भाजपा नेताओं ने आचार संहिता और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन किया। तृणमूल ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यक्रम के दौरान पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों ने आसपास की सड़कों को बंद कर दिया जिससे राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के पूर्व-स्वीकृत कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हुई। शिकायत में कहा गया कि ऐसी कार्रवाई 'सार्वजनिक स्थलों पर एकाधिकार' के समान है, जो आचार संहिता के तहत प्रतिबंधित है। तृणमूल ने निर्वाचन आयोग से संबंधित भाजपा नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

'ट्रबल मेकर' सूची पर हाई कोर्ट की रोक, चुनाव से पहले आयोग को बड़ा झटका

❑ सूची में करीब 800 लोगों के नाम थे शामिल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से ठीक 24 घंटे पहले चुनाव आयोग को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पुलिस पर्यवेक्षक की सिफारिश पर तैयार की गई कथित 'ट्रबल मेकर' सूची पर अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी है। इस सूची में करीब 800 लोगों के नाम शामिल थे, जिन्हें चुनाव के दौरान संभावित रूप से अशांति फैलाने वाला माना गया था। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट कहा कि इस तरह की सामान्य और व्यापक सूची बनाकर किसी नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। अदालत ने आदेश दिया कि इस सूची की वैधता जून महीने तक स्थगित रहेगी। यह मामला उस समय सामने आया जब 21 अप्रैल को पुलिस पर्यवेक्षक के कार्यालय से एक सूची जारी की गई थी, जिसमें लगभग 800 लोगों को 'ट्रबल मेकर' के रूप में चिन्हित किया गया था। इस सूची के खिलाफ जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें तर्क दिया गया कि 'ट्रबल मेकर' जैसा कोई शब्द संविधान या कानून में मान्य नहीं है और यह केवल एक मनगढ़ंत श्रेणी है। अदालत ने याचिकाकर्ता के तर्क को स्वीकार करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 के तहत किसी भी नागरिक की स्वतंत्रता केवल कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही सीमित की जा सकती है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि पुलिस पर्यवेक्षक इस तरह 'ब्लैंकेट ऑर्डर' जारी कर लोगों को इस प्रकार चिह्नित नहीं कर सकते। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस आदेश का अर्थ यह नहीं है कि अपराधियों को छूट दी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पुलिस और प्रशासन कानून के अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस और विशिष्ट आधार होना आवश्यक है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने भी आयोग की इस कार्रवाई का विरोध किया और कहा कि राज्य या पुलिस ने स्वतः इस सूची के आधार पर कोई कदम नहीं उठाया। वहीं, आयोग की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया था। अंततः अदालत ने चुनाव आयोग की अधिकारिता पर सवाल उठाते हुए चार सप्ताह के भीतर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। चुनाव से ठीक पहले आए इस फैसले को राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर उन 800 लोगों के लिए जिनके नाम इस सूची में शामिल थे।

निर्वाचन आयोग ने मतदान के दौरान उम्मीदवारों के निर्वाचन क्षेत्रों से बाहर जाने पर लगाई रोक

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे 23 अप्रैल को सुबह 6 बजे से मतदान समाप्त होने तक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से बाहर नहीं जाएं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक दिशानिर्देश के अनुसार, उम्मीदवारों को मतदान के समय अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ही रहना चाहिए और किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल होने से बचना चाहिए जिससे चुनावी प्रक्रिया बाधित हो सकती है। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवारों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो और मतदाता बिना किसी भय या बाधा के अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर सकें।

हिंगलगंज में पैसे बांटने का आरोप, असम के पूर्व विधायक समेत दो भाजपा नेता हिरासत में

कोलकाता : विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सरगर्मी के बीच हिंगलगंज क्षेत्र से एक बड़ा विवाद सामने आया है। मंगलवार रात हिंगलगंज विधानसभा इलाके में मतदाताओं के बीच कथित रूप से पैसे बांटने के आरोप में दो भाजपा नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। इनमें एक स्थानीय भाजपा नेता तरुण मंडल और असम के पूर्व विधायक किशोर नाथ शामिल हैं। इस घटना से इलाके में भारी हलचल मच गई है।

आरोप है कि दोनों नेता हिंगलगंज के ककनगर स्थित एक क्लब में स्थानीय लोगों के बीच नकद राशि बांट रहे थे। इस दौरान इलाके के निवासियों को शक हुआ और उन्होंने इसका विरोध किया। स्थानीय लोगों ने दोनों नेताओं को वहीं रोक लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को नकदी के साथ हिरासत में लेकर थाने ले गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों से पूछताछ की जा रही है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि पैसे कहां से लाए गए थे और उनका उद्देश्य क्या था। साथ ही, जिस वाहन से वे आए थे, उसे भी जब्त कर लिया गया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी।

इस घटना के बाद चुनावी माहौल और अधिक गरमा गया है। हालांकि, भाजपा की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासन का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नकदी के साथ पकड़ा गया भाजपा प्रत्याशी का भाई, चांचोल में गिरफ्तारी

मालदा: चुनाव के मद्देनज़र मालदा जिले के चांचोल क्षेत्र में भी एक संदिग्ध घटना सामने आई है। यहां भाजपा प्रत्याशी रतन दास के भाई को भारी नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय अर्धसैनिक बल (सीएपीएफ) द्वारा चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई। बताया गया है कि बड़ोई ग्राम पंचायत के खुशिदा इलाके में जांच के दौरान आरोपी युवक के पास से 2 लाख 79 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। जब उससे इस राशि के स्रोत और उद्देश्य के बारे में पूछा गया, तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि इस नकदी का इस्तेमाल मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता था। हालांकि, इस मामले में अभी तक भाजपा या संबंधित प्रत्याशी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुटी हुई हैं।

गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

मौसम

तापमान	27 – 37
आर्द्रता	80%
सूर्योदय: 05:10	सूर्यास्त: 17:59

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
Epaper.samagya.in
समाज्ञा

उत्तराखंड : केदारनाथ धाम के कपाट खुले, मुख्यमंत्री धामी भी हुए शामिल पृष्ठ 9

स्थानीय खबरें पृष्ठ चार, छः और सात पर

कोलकाता, वैशाख शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 12, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : असंभव को संभव बनाने के लिए हमेशा कोशिश करना पड़ता है।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

बंगाल विधानसभा चुनाव : आज 152 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए मंच तैयार

कड़ी सुरक्षा के लिए करीब 2,407 सीएपीएफ की कंपनियां तैनात

आज कुल 1,478 उम्मीदवार चुनावी मैंदान में, 3.6 करोड़ से अधिक मतदाता करेंगे भाग्य निर्धारण

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गुरुवार को होने वाले इस चरण में करीब 3.6 करोड़ मतदाता 16 जिलों की 152 सीटों पर लगभग 44,000 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 3,60,77,171 पंजीकृत मतदाताओं में से 1,84,99,496 पुरुष मतदाता, 1,75,77,210 महिला मतदाता और 475 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। इन 152 विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत पंजीकृत सभी 3,60,77,171 मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं। 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 4,025 है, जबकि 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 2,04,618 है। कुल 43 अनिवासी भारतीय मतदाता हैं, और 69,468 सेवारत मतदाता हैं। पहले चरण में कम से कम 80 सीटों पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी भाजपा के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। वहीं, कुछ सीटों पर बहुकोणीय मुकाबला भी देखने को मिल सकता है, क्योंकि लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस अलग-अलग मैदान में हैं और कुछ धार्मिक संगठनों की भी एंट्री हुई है। आज जिन जिलों में मतदान होगा, उनमें दार्जिलिंग, कालीम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर, मालदह, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पश्चिम बर्दवान, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम और पूर्व मेदिनीपुर शामिल हैं। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पुरुष उम्मीदवारों की संख्या 1,311 है, जबकि महिला उम्मीदवारों की संख्या 167 है। थर्ड जेंडर का एक भी उम्मीदवार नहीं है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। करीब 2,407 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कंपनियां, जिनमें 2.4 लाख से अधिक जवान शामिल हैं, तैनात किए गए हैं। 7,384 मतदान केंद्रों को 'अति संवेदनशील' या 'क्रिटिकल' घोषित किया गया है और क्विक रिएक्शन टीम भी तैनात की गई हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल-सक्षम ईवीएम, रैंप और प्राथमिकता कतार जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर और ईमेल आईडी भी जारी किए गए हैं।

हावड़ा में आज पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो, सुरक्षा के कड़े इंतजाम; कई स्कूल बंद

हावड़ा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज हावड़ा में रोड शो करेंगे, जिसे लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री सबसे पहले बेलुर मठ पहुंचकर दर्शन करेंगे, जिसके बाद वहां से उनका रोड शो शुरू होगा और सलकिया चौराहे तक जाएगा। इस कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। पूरे रूट पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा ट्रैफिक व्यवस्था में भी बड़े बदलाव किए गए हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। रोड शो के कारण कई प्रमुख सड़कों को अस्थायी रूप से बंद रखा गया है। इसके चलते मार्ग पर स्थित कई प्रमुख स्कूलों ने एहतियातन आज छुट्टी की घोषणा की है, जिससे छात्रों और अभिभावकों को असुविधा न हो। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित रूट से बचें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करते हुए व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

ऑनलाइन गेमिंग के नियम अधिसूचित, एक मई से होंगे प्रभावी

नयी दिल्ली : इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन गेमिंग नियमों को अधिसूचित कर दिया। ये नियम ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को संचालित करने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा मुहैया कराते हैं और इनके आधार पर ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का गठन भी हो सकेगा। आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ज्यादातर ऑनलाइन गेम – अगर वे 'रियल मनी गेम' नहीं हैं (पैसे का लेनदेन शामिल नहीं है), को अनिवार्य रूप से पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। निगरानी केवल कुछ विशेष परिस्थितियों में ही शुरू की जाएगी। हालांकि, 'ईस्पोर्ट्स' के लिए अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ''हम चाहते थे कि जहां तक संभव हो, इस पूरी प्रक्रिया को कम से कम नियामक हस्तक्षेप वाला रखा जाए। अधिकांश खेल, जो पैसों वाले खेल नहीं हैं, वे बिना किसी अनिवार्य पंजीकरण के संचालित हो सकेंगे। इसलिए पूरी प्रक्रिया वैकल्पिक है।''

निर्वाचन आयोग ने बंगाल और तमिलनाडु में शराब, मादक पदार्थ सहित 1,000 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती की

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में नकदी, मादक पदार्थ और शराब सहित 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई। पश्चिम बंगाल में लगभग 473 करोड़ रुपये मूल्य की, जबकि तमिलनाडु में 599 करोड़ रुपये मूल्य से अधिक की जब्ती की गई। आयोग ने कहा कि 26 फरवरी से, प्रवर्तन अधिकारियों ने दोनों राज्यों में 1,072.13 करोड़ रुपये मूल्य की मुफ्त वस्तुएं जब्त की हैं। इन वस्तुओं को कथित तौर पर मतदाताओं को लुभाने के लिए उनके बीच बांटा जाना था। तमिलनाडु में बृहस्पतिवार को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि पश्चिम बंगाल में भी पहले चरण का मतदान इसी दिन होगा। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है। जब्त की गई वस्तुओं में 127.67 करोड़ रुपये नकद, लगभग 41,000 लीटर शराब (106.3 करोड़ रुपये), लगभग 184 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ और 215 करोड़ रुपये मूल्य की सोने-चांदी जैसी कीमती धातुएं शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने बताया कि अधिकारियों ने 418 करोड़ रुपये मूल्य की ऐसी वस्तुएं भी जब्त की हैं, जिन्हें मतदाताओं को लुभाने के लिए वितरित किया जाना था।

तृणमूल कांग्रेस टैगोर के पैतृक निवास को उपयुक्त सम्मान नहीं दे रही : योगी आदित्यनाथ

कहा... 'बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से हैं'

सीएम का दावा, बंगाल 'उद्योगों का कब्रिस्तान' बन गया हैं

सीएम योगी ने श्यामपुकुर, जोड़ासांको, मानिकलता, चौरंगी एवं इंटाली विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के समर्थन में किया चुनाव प्रचार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासन के दौरान करीब 7,000 बड़े उद्योग बंद हो गए और कई क्षेत्रों में कभी अग्रणी रहा यह राज्य अब सबसे निचले पायदान पर आ गया है। उत्तर कोलकाता के बड़ाबाजार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के यहां जोड़ासांको स्थित पैतृक निवास का जिक्र किया और तृणमूल पर इसकी विरासत को उपयुक्त महत्व नहीं देने का आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल, जो कभी ज्ञान का केंद्र हुआ करता था, अब 7,000 बड़े उद्योगों, हजारों लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयों के बंद होने और 30 लाख युवाओं की नौकरियां जाने का गवाह है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 'तृणमूल के गुंडों' ने टैगोर के पैतृक घर में मुख्यमंत्री ममता की तस्वीरें लगाई हैं, जहां कवि ने अपने जीवन का अधिकांश समय बिताया था और कई साहित्यिक कृतियों की रचना की। उन्होंने कहा कि आदर्श रूप से, टैगोर के अलावा, वहां केवल भारत माता की प्रतिमा स्थापित होनी चाहिए थी। लेकिन तृणमूल भारत माता को उपयुक्त सम्मान नहीं देती क्योंकि उसे भारतीय संस्कृति से कोई प्रेम नहीं है। यह शर्म की बात है कि तृणमूल ने नवजागरण के अग्रदूत बंगाल को इस स्थिति में ला दिया है। आदित्यनाथ ने 'वंदे मातरम्' की रचना की 150वीं वर्षगांठ पर राज्य की खोई हुई गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए तृणमूल को सत्ता से हटाकर भाजपा को सत्तारूढ़ करने की अपील की। कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और तृणमूल कांग्रेस पर दशकों तक कुशासन में लिप्त रहने का आरोप लगाते हुए, आदित्यनाथ ने दावा किया कि राज्य 'उद्योगों का कब्रिस्तान' बन गया है। उन्होंने कहा कि केवल 'डबल इंजन की सरकार' ही इसके पुराने वैभव को बहाल कर सकती है। राज्य सरकार में मंत्री एवं तृणमूल नेता फिरहाद हकीम पर उर्दू का प्रसार करने के पक्ष में बोलने का आरोप लगाते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि बांग्ला अस्मिता से समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि बांग्ला कोलकाता और बंगाल की भाषा बनी रहेगी। अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करने वाले तृणमूल नेताओं द्वारा बांग्ला अस्मिता को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती। आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल मां काली की पूजा के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन तृणमूल काली और (देवी) दुर्गा की शोभायात्राओं पर रोक लगा रही है तथा कई इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को भगवान राम के नाम से परेशानी है और उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर (के निर्माण) का विरोध किया था। क्या आप ऐसी सरकार चाहते हैं जो भगवान राम के प्रति हमारे सदियों पुराने भावनात्मक जुड़ाव के अनुरूप न हो?

अमित शाह ने लोगों से ममता को सत्ता से बेदखल करने का किया आह्वान

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सोनारपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में एक रोड शो का नेतृत्व किया और लोगों से ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करने का आह्वान किया। शाह भाजपा उम्मीदवार रूपा गांगुली और अन्य नेताओं के साथ भगवा रंग से सजे एक वाहन के ऊपर से लोगों का अभिवादन करते हुए नजर आए। दक्षिण 24 परगना जिले के इस कस्बे में सड़क के दोनों ओर कतार में लोग खड़े थे। शाह ने कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ सत्ता में आईं ममता दीदी को हटाया जाए, जिन्होंने बंगाल को गुंडों के भरोसे छोड़ दिया है। अब उनका एकमात्र लक्ष्य अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्रों जैसे सोनारपुर के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने राज्य में कथित औद्योगिक पिछड़ापन और 'सिंडिकेट राज' के मुद्दे पर भी तृणमूल की आलोचना की। शाह ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आते ही गुंडे पश्चिम बंगाल छोड़कर भाग जाएंगे। मेरा वादा याद रखिए...पांच मई के बाद सिंडिकेट के सदस्य बंगाल से फरार हो जाएंगे।

'भाजपा की सरकार बनी तो तीन हजार रुपए मिलेंगे, फॉर्म भर दिया ना', हुगली में अमित शाह ने की महिलाओं से बात

हुगली, समाज्ञा : जिले में बुधवार को चुनाव प्रचार करने पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह का अलग अंदाज देखने को मिला। वह रैली स्थल पर लोगों से बातचीत करते दिखाई दिए और भाजपा को वोट देने की अपील की। हुगली के सप्तग्राम में चुनाव प्रचार के बाद गृह मंत्री वहां मौजूद भीड़ के पास पहुंचे। उन्होंने महिलाओं से हालचाल जाना। शाह ने पूछा कि आप सभी लोग ठीक हैं ना? उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा महिलाओं को तीन हजार रुपए महीना देने वाली है। आप लोगों ने फॉर्म भर दिया या नहीं? महिलाओं ने जवाब में कहा कि हां, हमने फॉर्म भर दिया है। इसके बाद, अमित शाह ने पूछा कि आप लोगों को ममता सरकार से मुक्त होना है ना? सभी ने हां में जवाब दिया। इसके बाद अमित शाह ने जय श्रीराम का नारा लगाया और निकल गए।

'ममता के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला', आई-पैक मामले में मुख्यमंत्री को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली/कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चल रही जांच में कथित हस्तक्षेप से लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कार्यों को राज्य और केंद्र सरकार के बीच मात्र विवाद कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ आई-पैक के कार्यालय में तलाशी अभियान के दौरान कथित बाधा डालने के आरोप में ममता और राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ ईडी की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने कथित आचरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी मुख्यमंत्री का जांच के बीच में हस्तक्षेप करना लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सकता है। न्यायमूर्ति मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की, कि किसी भी राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री किसी जांच या छानबीन के बीच में हस्तक्षेप करे। देखिए, इससे लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा और फिर यह तर्क दिया जाएगा कि यह मूल रूप से राज्य और केंद्र के बीच का विवाद है? पीठ इस तर्क से सहमत नहीं थी कि इस मुद्दे को संघीय विवाद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। पीठ ने आगे कहा कि यह अपने आप में राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं है। यह अपने आप में एक ऐसा कृत्य है जो एक राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है, जिससे पूरी व्यवस्था और लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। राज्य पुलिस अधिकारियों का प्रतिनिधित्व कर रही वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने अनुच्छेद 32 के तहत ईडी की याचिका की वैधता पर सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि रिट याचिका केवल व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है, सरकारी विभागों के लिए नहीं, और इस मामले को अंतर-सरकारी विवाद के रूप में अनुच्छेद 131 के तहत आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने इस मामले को 'कानून का एक अनूठा प्रस्ताव' बताया। हालांकि, पीठ इससे सहमत नहीं हुई और कहा कि केवल कानून का प्रश्न उठाने मात्र से हर मामले को बड़ी पीठ के पास भेजना उचित नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हर याचिका में कानून से जुड़ा कोई न कोई सवाल जरूर होता है। इसका यह मतलब नहीं है कि अनुच्छेद 32 से संबंधित हर याचिका को पांच न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजा जाए। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि ईडी मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर अनुच्छेद 32 के तहत राहत नहीं मांग सकती।

'क्या डराने की है कोशिश', बंगाल में चुनाव के लिए केंद्रीय बलों की भारी तैनाती पर ममता ने पूछा

कहा... 'चुनाव लोकतंत्र का त्योहार हैं, किसी की हत्या करने का नहीं'

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआरपीएफ के बख्तरबंद वाहनों की तैनाती पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र ने सरकार के सभी विभागों को अपने पक्ष में काम करने के लिए लगा दिया है। इस दिन, उत्तर 24 परगना जिले के आमडांगा में ममता तृणमूल कांग्रेस की एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ और बीएसएफ जैसे केंद्रीय बलों के साथ-साथ रेलवे सहित अन्य केंद्रीय इकाइयों को भी चुनाव में तैनात किया गया है। तृणमूल प्रमुख ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है, किसी की हत्या करने का नहीं। उन्होंने समर्थकों से कहा कि अगर उन्हें किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करना पड़े तो वे प्राथमिकी दर्ज कराएं। उन्होंने पूछा कि चुनाव के लिए केंद्रीय बलों के लगभग दो लाख कर्मियों को बंगाल लाया गया है। यह अभूतपूर्व है। क्या वे इतनी बड़ी संख्या में बलों को तैनात कर मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं? भाजपा को चुनौती देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं देखना चाहती हूं कि किसके पास ज्यादा ताकत है – बख्तरबंद गाड़ियों के पास या जनता के पास।

मिर्जापुर में भीषण हादसा : 11 लोगों की मौत

मिर्जापुर : उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के ड्रमंडगंज इलाके में बुधवार रात एक भीषण हादसे में दो ट्रकों की चपेट में आने से दो कारों पर सवार 11 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रजत कौशिक ने घटना के बारे में संवाददाताओं को बताया कि रात लगभग साढ़े आठ बजे पुलिस को एक सूचना मिली कि ड्रमंडगंज घाटी से नीचे उतरते वक्त एक ट्रक सम्भवत: ब्रेक फेल होने के कारण एक अन्य ट्रक से टकरा गया और उनके बीच एक कार फंस गयी। उन्होंने बताया कि ट्रक ने एक अन्य कार को भी टक्कर मारी जिससे उसमें आग लग गयी। कौशिक ने बताया कि इसकी सूचना पर तत्काल पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में अभी तक 11 लोगों की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिनकी शिनाख्त की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मौके पर पुलिस की टीम में मौजूद है और रास्ते पर यातायात बहाल करने के लिए कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि अभी तक मिली सूचना के मुताबिक एक ट्रक बिहार का जबकि दूसरा मध्यप्रदेश का था। एक कार सोनभद्र जिले की है जबकि जिस कार में आग लगी वह मिर्जापुर में पंजीकृत है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतकों के परिजन से संपर्क किया जा रहा है।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए मैं 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632
e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

‘सरकारी आवास छोड़ होटल में क्यों ठहरे पुलिस ऑब्जर्वर’, तृणमूल का चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने सवाल उठाया है कि पुलिस ऑब्जर्वर सरकारी आवास छोड़कर सागरिका होटल के कमरे में क्यों ठहरे हुए हैं? बुधवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य और बेलघाटा से पार्टी के उम्मीदवार कुणाल घोष ने चुनाव आयोग की भूमिका पर तीखा हमला बोला। कुणाल घोष ने एक व्हाट्सऐप चैट और वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर के पुलिस ऑब्जर्वर के लिए अलीपुर स्थित सरकारी मेस में रहने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन

वह सागरिका होटल के कमरा नंबर 208 में ठहरे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि उसी होटल में मगराहाट (पश्चिम) सीट से भाजपा उम्मीदवार गौरा घोष और डायमंड हार्बर से भाजपा उम्मीदवार दीपक हलदर अपने एजेंटों के साथ बैठक कर चुके हैं। तृणमूल का आरोप है कि इस बैठक में चुनाव से पहले पार्टी के कई सक्रिय नेताओं के नाम ऑब्जर्वर को सौंपे गए, ताकि उन्हें विभिन्न तरीकों से परेशान किया जा सके। यह बैठक सोमवार रात को गुप्त रूप से हुई थी। कुणाल घोष ने यह भी आरोप लगाया कि विभिन्न राज्यों से आए कुछ ऑब्जर्वर भी राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के खिलाफ अनुचित निर्देश देने की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश से आए आईएएस अधिकारी सी. पलरासु को इस मुद्दे पर सवाल उठाने के कारण ऑब्जर्वरों के ग्रुप से हटा दिया गया। इस मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ’ब्रायन ने मुख्य चुनाव आयुक्त से शिकायत भी की है।

वहीं, चंद्रिमा भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग पर हमला करते हुए कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, आयोग दांत और नाखून दिखा रहा है और उसके ऑब्जर्वर पूरी तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ऑब्जर्वर भाजपा के पक्ष में दलदास की तरह काम कर रहे हैं और जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, उन्हें अपमानित कर हटाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सड़कों पर सेना और बख्तरबंद गाड़ियां उतार दी गई हैं, और ऐसा लग रहा है मानो टैंक और लड़ाकू विमान उतारना ही बाकी रह गया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो व्यक्ति एक महिला मुख्यमंत्री का सम्मान नहीं कर सकता, वह महिलाओं के सम्मान की बात करता है और आर्थिक मदद देने का वादा करता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे ऐसे वादों के झांसे में न आएं।

ईवीएम के बटन पर गड़बड़ी मिली तो वोट हो सकता है रद्द, चुनाव आयोग की सख्त चेतावनी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से ठीक पहले चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि ईवीएम के बटन पर किसी प्रकार का संदिग्ध पदार्थ पाया जाता है, तो उसे वोट से छेड़छाड़ माना जा सकता है और संबंधित मतदान को रद्द भी किया जा सकता है।

आयोग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उम्मीदवारों के नाम के सामने बने बटन पर परफ्यूम, स्याही, गोंद या किसी भी प्रकार का रासायनिक पदार्थ नहीं होना चाहिए। यदि इनमें से कोई भी चीज पाई जाती है, तो उसे ‘वोट टैंपरिंग’ की श्रेणी में माना जाएगा। ऐसे मामलों में उस बूथ पर पुनर्मतदान कराने का निर्णय भी लिया जा सकता है।

निर्वाचन आयोग ने सभी प्रिसाइडिंग अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मतदान शुरू होने से पहले और मतदान के दौरान ईवीएम की बैलेट यूनिट की अच्छी तरह जांच करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि उम्मीदवारों के नाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं और बटन पर कोई बाहरी पदार्थ नहीं लगा है।

आयोग ने यह भी कहा है कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी पाई जाती है, तो उसे तुरंत रिटर्निंग अधिकारी या सेक्टर अधिकारी को सूचित किया जाए, ताकि तत्काल उचित कार्रवाई की जा सके। चुनाव आयोग का कहना है कि निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं और किसी भी तरह की लापरवाही या छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मतदाताओं को डराने-धमकाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे पुलिस : राज्य के सीईओ

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने बुधवार को पुलिस को मतदाताओं को डराने-धमकाने और चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने में कथित रूप से संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल निवारक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजे गए एक पत्र में, सीईओ कार्यालय में तैनात पुलिस पर्यवेक्षक ने कई विधानसभा क्षेत्रों और पुलिस थाना क्षेत्रों के कथित उपद्रवियों की एक सूची आवश्यक कार्रवाई के लिए साझा की। पत्र में कहा गया है कि ये व्यक्ति मतदाताओं को डराने-धमकाने और चुनावी प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। साथ ही, जमीनी स्तर के अधिकारियों को उचित सावधानी बरतने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पत्र में, प्राथमिकी दर्ज करने, संबंधित प्रावधानों के तहत नोटिस जारी करने, जहां आवश्यक हो वहां निवारक हिरासत की कार्रवाई करने, संवेदनशील बूथों में गश्त बढ़ाने और चुनाव अवधि के दौरान नामित व्यक्तियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने जैसे कदम सुझाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि इनमें से किसी भी व्यक्ति द्वारा मतदाताओं को डराने-धमकाने या अशांति फैलाने के किसी भी मामले को गंभीरता से लिया जाएगा। पत्र में चेतावनी दी गई है कि लापरवाही के लिए जवाबदेही तय की जाएगी।

कोलकाता में भाजपा नेता रवीनीत सिंह बिट्टू को काले झंडे, डनलप में तनावपूर्ण माहौल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के केंद्रीय नेता रवीनीत सिंह बिट्टू को शिख समुदाय के विरोध का सामना करना पड़ा। बुधवार को जब वह डनलप स्थित गुरुद्वारा पहुंचे, तब वहां मौजूद लोगों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विरोध के दौरान ‘मुर्दाबाद’ के नारे भी लगाए गए, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को मौके पर हस्तक्षेप करना पड़ा। चुनाव के ठीक पहले हुई इस घटना से भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई है। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है, खासकर तब जब राज्य में विभिन्न समुदायों के बीच समर्थन हासिल करने की कोशिशें तेज हैं। फिलहाल घटना को लेकर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखने की बात कही है और शांति बनाए रखने की अपील की है।

न्यायाधिकरण के आदेश के बाद 139 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गये : चुनाव आयोग

27 लाख में सिर्फ 500 अपील मंजूर, 139 ही दे सकेंगे वोट

कोलकाता, समाज्ञा : भारत निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद राज्य में 139 लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गये हैं और वे 23 अप्रैल को विधानसभा चुनावों के पहले चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि न्यायाधिकरणों ने राज्य में एसआईआर से जुड़े विवादों से संबंधित 657 मामलों का निपटारा किया। उन्होंने कहा कि न्यायाधिकरण के आदेशों के

बाद जिन 139 मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं, वे सभी कल मतदान कर सकेंगे। सीईओ ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने न्यायाधिकरण के आदेशों का पालन करते हुए बूथवार पात्र मतदाताओं की सूची जारी की है। निर्वाचन आयोग ने अपने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी सूचियां उपलब्ध करा दी हैं, जहां मतदाता अपने विधानसभा क्षेत्र और बूथ नंबर का चयन करके या अपने ईपीआईसी विवरण दर्ज करके अपनी स्थिति की जांच कर सकते हैं। बता दें कि आयोग ने बुधवार के तड़के अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर दो अलग-अलग सूचियां अपलोड की थीं। जिनमें से एक में उन मतदाताओं के नाम हैं जिनका नाम न्यायाधिकरणों द्वारा मतदाता सूची में शामिल करने को मंजूरी दे दी गई है और दूसरी में उन लोगों के नाम हैं जिनका नाम अभी भी मतदाता सूची से बाहर है।

चांपदानी में दुपक्षीय मुकाबला, फिर बढ़त में दिख रहे हैं अरिंदम गुइन

चुनावी रेस में टीएमसी उम्मीदवार मजबूत स्थिति में

जय चौधरी

हुगली : जिले की चांपदानी विधानसभा सीट पर इस बार चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सिमटता नजर आ रहा है। कांग्रेस में आंतरिक मतभेद और कमजोर संगठन के कारण वह इस बार प्रभावी चुनौती देती नहीं दिख रही है।

तृणमूल कांग्रेस के निवर्तमान विधायक और उम्मीदवार अरिंदम गुइन एक बार फिर मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। क्षेत्र में उनका जनसंपर्क मजबूत बताया जा रहा है और वे लगातार मतदाताओं के बीच सक्रिय हैं। स्थानीय मुद्दों पर सीधा संवाद और संगठनात्मक पकड़ उनकी बड़ी ताकत मानी जा रही है।

वहीं, भाजपा की ओर से दिलीप सिंह चुनावी मैदान में हैं। पिछली बार करीब 30 हजार वोटों से हार का सामना करने के बाद भाजपा इस बार मुकाबले को कड़ा बनाने की कोशिश में है। हालांकि, पार्टी के भीतर हाल के दिनों में सामने आई गुटबाजी उसकी चुनौती बनी हुई है।

■ हिंदी भाषी मतदाता बन सकते हैं निर्णायक

चांपदानी विधानसभा क्षेत्र में 25 प्रतिशत से अधिक हिंदी भाषी मतदाता हैं, जो चुनावी परिणाम को प्रभावित करने की स्थिति में हैं। मौजूदा समीकरण हालांकि तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में झुकते दिखाई दे रहे हैं।

2021 विधानसभा चुनाव परिणाम		
■ तृणमूल कांग्रेस –	अरिंदम गुइन –	50.20%
■ भाजपा –	दिलीप सिंह –	35.25%
■ कांग्रेस –	अब्दुल मन्नान –	11.57%
■ नोटा –		1.66%

पिछले चुनाव में अरिंदम गुइन ने स्पष्ट बढ़त हासिल की थी और भाजपा दूसरे स्थान पर रही थी।

■ बदला हुआ राजनीतिक समीकरण

एक समय यह सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी, लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद यहां का राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। अब मुकाबला सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सिमटता दिख रहा है।

इस बार कांग्रेस ने प्रीतम घोष को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन उनकी दावेदारी अपेक्षाकृत कमजोर मानी जा रही है। चुनावी मैदान में देर से सक्रिय होने का असर भी उनके अभियान पर दिखाई दे रहा है।

■ मुख्य चुनावी मुद्दे

तृणमूल कांग्रेस के अरिंदम गुइन, ममता बनर्जी के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने के साथ विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल निकासी और रोजगार के क्षेत्र में अधूरे कार्यों को पूरा करने का वादा कर रहे हैं।

वहीं, भाजपा उम्मीदवार भ्रष्टाचार, सिंडिकेट, महिला सुरक्षा, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों को लेकर मैदान में हैं और तृणमूल को घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस उम्मीदवार प्रीतम घोष ने रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर राज्य और केंद्र सरकार दोनों पर सवाल उठाए हैं।

■ स्थानीय समीकरण और संगठन

चांपदानी नगरपालिका क्षेत्र में हिंदी भाषी मतदाताओं की संख्या अधिक है। यहां तृणमूल कांग्रेस के चेयरमैन सुरेश मिश्रा की मजबूत पकड़ मानी जाती है। क्षेत्र में विकास कार्यों और स्थानीय पार्षदों की सक्रियता भी तृणमूल के पक्ष में माहौल बनाती दिख रही है। अल्पसंख्यक मतदाताओं पर भी उनकी अच्छी पकड़ बताई जाती है, जो चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

■ निष्कर्ष

मौजूदा राजनीतिक हालात और संगठनात्मक मजबूती को देखते हुए चांपदानी सीट पर इस बार भी तृणमूल कांग्रेस के अरिंदम गुइन बढ़त में नजर आ रहे हैं। हालांकि, भाजपा मुकाबले को रोचक बनाने की कोशिश में है और हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका इस चुनाव में अहम हो सकती है।

बाइक पर प्रतिबंध के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका, आज सुनवाई की संभावना

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग की ओर से बाइक को लेकर जारी प्रतिबंधात्मक निर्देशों को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया है। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने याचिका दायर करने की अनुमति दे दी है। मामले में गुरुवार को सुनवाई होने की संभावना है। याचिकाकर्ता पक्ष के अधिवक्ता ने अदालत में कहा कि बाइक के उपयोग पर लगाए गए प्रतिबंध से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने मतदान से दो दिन पहले से बाइक चलाने पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। मंगलवार को जारी अधिसूचना में कहा गया कि मतदान से दो दिन पहले से किसी भी प्रकार की बाइक रैली की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक बाइक चलाने पर रोक रहेगी। मतदान के दिन भी बाइक संचालन के लिए कई नियमों का पालन करना होगा। हालांकि कुछ निर्धारित श्रेणियों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। निर्वाचन आयोग की इसी निर्देशिका को अब न्यायालय में चुनौती दी गई है।

मतदान से पहले फेक न्यूज पर चुनाव आयोग सख्त, कवि श्रीजातो से जुड़ी खबर को बताया ’फर्जी’

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर फैलाई जा रही गलत जानकारी और फर्जी खबरों पर कड़ा रुख अपनाया है। कार्यालय ने इस तरह की भ्रामक सूचनाएं फैलाने की कड़ी निंदा की है। पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले पहले सोशल मीडिया और कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह खबर तेजी से फैली कि राज्य के चर्चित कवि श्रीजातो को पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। इस खबर ने आम लोगों के साथ-साथ राजनीतिक जानकारों को भी चौंका दिया और कई तरह की अटकलें शुरू हो गईं। लोगों के मन में सवाल उठने लगे कि आखिर एक कवि को लेकर ऐसी कार्रवाई की बात क्यों सामने आ रही है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि कुछ व्यक्तियों और मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा जानबूझकर गलत और अप्रमाणित खबरें प्रसारित की जा रही हैं, जो न केवल लोगों को गुमराह करती हैं बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता के विश्वास को भी कमजोर करती हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है और जो भी व्यक्ति या संस्था गलत और भ्रामक जानकारी फैलाने में शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतदान से पहले विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने सिलीगुड़ी में चुनाव तैयारियों का लिया जायजा

❑ सात देशों के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने चुनावी प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की

सिलीगुड़ी/कोलकाता : विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर सात देशों के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सिलीगुड़ी का दौरा किया और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नामीबिया, जॉर्जिया, नेपाल, फिलीपीन, गाम्बिया, स्विट्जरलैंड और केन्या के प्रतिनिधियों वाले इस प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के अधिकारियों के साथ सिलीगुड़ी कॉलेज मैदान स्थित वितरण-सह-स्वागत केंद्र (डीसीआरसी) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने भारत की चुनावी प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की, जिसमें तैयारियां और जमीनी प्रबंधन शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि ’इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्ट्रोल असिस्टेंस’ (इंटरनेशनल आइडिया) के प्रतिनिधि भी इस दौरे का हिस्सा थे। अधिकारी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न बूथों पर मतदान कर्मियों की तैनाती और चुनाव सामग्री के वितरण का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि यह दौरा वैश्विक मंच पर भारत की चुनावी प्रणाली की पारदर्शिता को प्रदर्शित करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

असम और बंगाल में लगेगी डबल सेंचुरी : सीएम हिमंता बिस्वा सरमा

पूर्व बर्दवान : सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को दावा किया कि बंगाल भाजपा जीत रही है और अगली सरकार पीएम मोदी के नेतृत्व में बननी तय है। पूर्व बर्दवान जिले के कालना में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जो माहौल मैंने बंगाल और असम में लोगों के बीच देखा है, मुझे लगता है कि हम असम में 100 सीटें और बंगाल में 200 सीटें जीतेंगे। सीएम सरमा ने बंगाल के वोटरों से अपील करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि इस बार कोई भी गुंडा कुछ भी करने की हिम्मत नहीं करेगा। इस बार कोई भी कुछ नहीं कर पाएगा। लोग आसानी से वोट डाल सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी वोटर को डरने की कोई जरूरत नहीं है। आजादी से और खुले दिल

से वोट दें। जिसे चाहें, उसे वोट दें। डरें नहीं, कुछ नहीं होगा। मैं आप सबके साथ हूं। कालना में हुई चुनावी सभा में लोगों के जनसमर्थन पर सीएम सरमा ने कहा कि कालना में इतने अच्छे स्वागत के लिए जनता का धन्यवाद। टीएमसी के बुरे शासन और बंगाल की बदहाली के दिन जल्द ही खत्म होने वाले हैं, यह मेरा वादा है।

हाई कोर्ट ने अपील करने वाले मतदाताओं के लिए राहत संबंधी याचिका खारिज की

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एसआईआर अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील दायर करने वाले मतदाताओं के लिए राहत की मांग वाली याचिका बुधवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता को उच्चतम न्यायालय जाने को कहा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित सभी आवेदन शीर्ष अदालत के समक्ष ही किए जाने चाहिए। बता दें कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कानूनी प्रकोष्ठ अध्यक्ष एसके अनवर अली ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर एसआईआर अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील दायर करने वाले मतदाताओं के लिए राहत का अनुरोध किया था।

पांडुआ में भाजपा-टीएमसी में तकरार

हुगली : पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा या नहीं इसका फैसला 4 मई को होगा, लेकिन चुनावी गर्मी के बीच पांडुआ के जलाशयों में कमल के फूल खिलते नजर आ रहे हैं। इसको लेकर तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच सियासी तकरार तेज हो गई है। बीजेपी का दावा है कि 4 मई को कमल खिलेगा, जबकि तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि बंगाल में बीजेपी कभी कमल नहीं खिला पाएगी।

आम तौर पर कमल का फूल बारिश के मौसम में खिलता है और शरद ऋतु में इसकी संख्या सबसे ज्यादा होती है। दुर्गा पूजा के समय कमल की मांग काफी बढ़ जाती है। लेकिन इस बार चुनावी माहौल में भी कमल के फूल चर्चा में हैं और इसे देखकर बंगाल बीजेपी हल्की मुस्कान के साथ राजनीतिक संकेत दे रही है।

हुगली जिले में दूसरे चरण का मतदान होना है। तेज धूप और गर्मी के बावजूद सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवार जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान कहीं उम्मीदवारों को रजनीगंधा की माला पहनाई जा रही है, तो कहीं लोग कमल के फूल हाथ में लेकर या गले में डालकर प्रचार करते दिख रहे हैं।

हुगली के पांडुआ ब्लॉक के बैंची इलाके में एकड़ के हिसाब से जलाशयों में कमल की खेती होती है। दुर्गा पूजा के अनुष्ठानों में कमल का विशेष महत्व है। पुराणों के अनुसार, महाष्टमी और नवमी की संधि बेला में देवी दुर्गा चामुंडा रूप में प्रकट होकर चंड-मुंड का वध करती हैं। इस संधि पूजा में 108 कमल फूल अर्पित किए जाते हैं। कमल को भक्ति का प्रतीक माना जाता है, इसलिए दुर्गा पूजा में इसकी मांग बहुत अधिक होती है।

लेकिन किसानों का कहना है कि इस समय कमल के फूल की कीमत नहीं है। फूल किसान अचिंत्य राय के मुताबिक, दिसंबर-जनवरी के बाद इस समय कमल के पौधे शीत-निद्रा में रहते हैं और फरवरी से नए पौधे निकलते हैं। जहां पानी ज्यादा होता है, वहीं कमल अच्छी तरह उगता है। अभी कार्यक्रम कम होने के कारण मांग कम है, इसलिए कीमत भी गिर गई है। दुर्गा पूजा के समय जहां एक कमल 20 रुपये में बिकता है, वहीं अब 20 फूल 20 रुपये में बिक रहे हैं। अभी खिले हुए फूल नहीं, बल्कि कलियां ज्यादा बिकती हैं।

पांडुआ में कमल खिलने को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। बीजेपी उम्मीदवार तुषार मजूमदार का कहना है कि दुर्गा पूजा के समय कमल का फूल खिलता है और वही संधि पूजा में इस्तेमाल होता है। बंगाल में चुनाव है, इसलिए इस बार कमल खिलना तय है, बोधन शुरू हो चुका है और धूप में तृणमूल का चुनाव चिन्ह सूख जाएगा।

वहीं तृणमूल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बीजेपी का स्वप्न है। यह सपना ही रह जाएगा, बंगाल में वे कभी कमल नहीं खिला पाएंगे। यहां फिर से ‘जोड़ाफूल’ ही खिलेगा।

जंगलमहल के प्रभावशाली नेता एवं प्रख्यात चिकित्सक डॉ. खगेन्द्रनाथ महतो भाजपा में शामिल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता स्थित राज्य भाजपा के मुख्यालय में बुधवार को जंगलमहल के प्रभावशाली नेता एवं प्रख्यात चिकित्सक डॉ. खगेन्द्रनाथ महतो ने औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की उपस्थिति में उन्होंने भाजपा का दुपट्टा धारण किया।

सदस्यता ग्रहण करने के बाद डॉ. महतो ने कहा कि पड़ोसी राज्य ओडिशा में भाजपा सरकार के विकास कार्यों से प्रेरित होकर उन्होंने यह निर्णय लिया है। उन्होंने जंगलमहल में रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग अब केवल भत्ता आधारित राजनीति से आगे बढ़कर बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था और ‘आयुष्मान भारत’ जैसी केंद्रीय योजनाओं का लाभ चाहते हैं। साथ ही आदिवासियों की जमीन की सुरक्षा और कुर्मी समाज की लंबित मांगों को पूरा करने की उम्मीद भी उनके इस फैसले के पीछे प्रमुख कारण है। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र में कुर्मी भाषा ‘कुर्माली’ को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के वादे का स्वागत किया।

वर्तमान राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए डॉ. महतो ने भ्रष्टाचार और आम लोगों के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे माहौल में उस दल में बने रहना संभव नहीं था।

इस अवसर पर शुभेंदु अधिकारी ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि एक शिक्षित एवं समाजसेवी व्यक्तित्व के जुड़ने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ‘डबल इंजन’ सरकार के जरिए ही पश्चिम बंगाल का समग्र विकास संभव है।

कार्यक्रम में राज्य भाजपा महासचिव शशि अग्निहोत्री, मुख्य प्रवक्ता देवजीत सरकार सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। पार्टी नेताओं का मानना है कि इस शामिल होने से जंगलमहल क्षेत्र में भाजपा की स्थिति और मजबूत होगी।

बकाया भत्ता को लेकर सिउड़ी में वोट कर्मियों ने किया प्रदर्शन

बीरभूम : चुनाव ड्यूटी पर आए कुछ वोट कर्मी बकाया चुनावी भत्ता नहीं मिलने से नाराज होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। बुधवार को सिउड़ी के डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (डीसी) श्री रामकृष्ण शिल्प विद्यापीठ परिसर के भीतर इसको लेकर बवाल की स्थिति बन गई। आरोप है कि चुनावी ड्यूटी करने के लिए जो भत्ता मिलना था, वह अभी तक उनके बैंक खातों में जमा नहीं हुआ है। इस कारण नाराज वोट कर्मियों ने कहा कि यदि उनका बकाया पैसा नहीं दिया गया तो उनके लिए चुनावी जिम्मेदारी निभाना मुश्किल होगा। उन्होंने रिटर्निंग ऑफिसर पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है। इस घटना को लेकर कुछ समय के लिए डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर परिसर में तनाव का माहौल बन गया और वोट कर्मियों ने जुलूस भी निकाला। प्रशासन की ओर से स्थिति को

संभालने की कोशिश की जा रही है। वोट कर्मियों का आरोप है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें शोकॉज नोटिस देने की चेतावनी भी दी है। वोट कर्मियों का कहना था कि राज्य के कई इलाकों में कई कर्मचारियों के खातों में पैसे पहुंच चुके हैं, लेकिन कुछ लोगों के खातों में अभी तक राशि जमा नहीं हुई है। उनका आरोप है कि जो कर्मचारी रिजर्व में हैं, उन्हें काउंटर से भुगतान किया जा रहा है, जबकि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को पैसा नहीं मिल रहा। बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नाराज वोट कर्मियों ने गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि यह उनका हक का पैसा है और लंबे समय से वे चुनावी काम की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन व्यवस्था में भारी अव्यवस्था देखने को मिल रही है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी में देरी पर हाई कोर्ट सख्त, ठोका जुर्माना

कोलकाता, समाज्ञा

कलकत्ता हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के काम में देरी को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य के भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के संयुक्त निदेशक पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की पीठ ने बुधवार को यह आदेश जारी किया। अदालत ने पाया कि केंद्र सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण के लिए भुगतान किए जाने के बावजूद अब तक जमीन बाड़बंदी के लिए हस्तांतरित नहीं की गई है। दरअसल, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के 128 किलोमीटर हिस्से में कंटीले तार की बाड़ लगाने का काम प्रस्तावित था। इसके लिए केंद्र सरकार ने आवश्यक राशि भी दे दी थी और राज्य सरकार ने जमीन का अधिग्रहण भी कर लिया है, लेकिन अब तक यह जमीन संबंधित एजेंसियों को सौंपी नहीं गई। राज्य सरकार की रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए हाई कोर्ट ने संयुक्त निदेशक पर व्यक्तिगत रूप से 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि यह राशि 15 दिनों के भीतर कलकत्ता हाई कोर्ट की लीगल सर्विसेज अथॉरिटी में जमा कराई जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी पूछा कि आखिर अब तक जमीन क्यों नहीं सौंपी गई। अदालत ने याद दिलाया कि 27 जनवरी को विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसमें 128 किलोमीटर जमीन के हस्तांतरण में देरी के कारण बताने को कहा गया था। हालांकि, ताजा सुनवाई में विभाग की ओर से केवल 8 किलोमीटर जमीन से संबंधित रिपोर्ट ही पेश की गई, जिस पर अदालत ने नाराजगी जताई और जुर्माना लगाया। साथ ही, अगली सुनवाई में पूरी और विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

मतदान से पहले चुनाव आयोग का बाइक पर सख्ती में ढील, ऑफिस जाने वालों को राहत

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से ठीक एक दिन पहले चुनाव आयोग ने बाइक चलाने को लेकर लगाए गए कुछ सख्त नियमों में थोड़ी ढील दी है। अब ऑफिस जाने वाले लोग, जिनके पास वैध पहचान पत्र (आईडी कार्ड) है, वे तय समय के दौरान मोटरसाइकिल का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे उन लोगों को राहत मिली है जिन्हें रोजाना काम पर जाना होता है। दरअसल, चुनाव आयोग ने पहले सुरक्षा के मद्देनजर बाइक चलाने पर कई तरह की पाबंदियां लगाई थीं। आयोग को डर था कि चुनाव के दौरान बाइक रैलियों के जरिए माहौल खराब किया जा सकता है और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश हो सकती है। इसी वजह से सख्त नियम लागू किए गए थे। हालांकि, अब नए आदेश में कहा गया है कि ऑफिस जाने वाले लोग अगर अपना आईडी कार्ड दिखाते हैं तो उन्हें छूट मिलेगी।

चुनाव के बीच ईडी ने तृणमूल नेता सुजीत बसु और रथीन घोष को फिर किया तलब

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव के बीच केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के दो उम्मीदवारों और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य सुजीत बसु तथा रथीन घोष को फिर से समन जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं को नगर निकाय नियुक्ति अनियमितता मामले में 24 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा गया है। उल्लेखनीय है कि 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान में सुजीत बसु बिधाननगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं, जबकि रथीन घोष मध्यग्राम सीट से उम्मीदवार हैं। चुनाव प्रचार के चरम दौर में जारी इस समन ने राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, यह पहली बार

नहीं है जब दोनों नेताओं को प्रवर्तन निदेशालय ने तलब किया है। इससे पहले भी उन्हें कई बार बुलाया जा चुका है और वे एजेंसी के समक्ष उपस्थित हो चुके हैं। बाद में, एक अवसर पर सुजीत बसु के स्थान पर उनके पुत्र आवश्यक दस्तावेज लेकर केंद्रीय कार्यालय पहुंचे थे।

बंगाल में 'मां-माटी-मानुष' का अपमान हुआ, जनता वोट से देगी जवाब : नितिन नवीन

कोलकाता, समाज्ञा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को दावा किया कि गुरुवार से ममता की आराजकता वाली सरकार का समापन शुरू होगा। नैहाटी में नितिन नवीन ने कहा कि राज्य की जनता अपनी पहली मुक्ति के लिए वोट करेगी। वे टीएमसी सरकार को हटाने के लिए वोट करेंगे। जिस प्रकार से टीएमसी के गुंडों ने हफ्ता वसूली और रंगदारी की और लोगों को प्रताड़ित किया है, जिस 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ टीएमसी सरकार सत्ता में आई थी, उन्होंने उसका भी अपमान किया है। इसलिए अब इस सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। राज्य की जनता इसकी शुरुआत गुरुवार को होने वाले

पहले चरण की वोटिंग से करेगी। उन्होंने कहा कि टीएमसी के लोग अराजकतावादी हैं। ये संविधान और संविधान में निर्धारित प्रक्रियाओं में विश्वास नहीं रखते। ये अपनी सत्ता और अपने शासन में विश्वास रखते हैं। ये संविधान के कानूनों को नहीं मानते। और यही कारण है कि इन्हें हर तरफ से फटकार पड़ रही है।

आवास परियोजना धोखाधड़ी मामले में अभिनेत्री नुसरत जहां ईडी के समक्ष हुई पेश

कोलकाता, समाज्ञा : अभिनेत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद नुसरत जहां बुधवार को एक आवास परियोजना से जुड़े धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सॉल्टलेक स्थित कार्यालय में पेश हुईं। इस दिन, सुबह करीब 10 बजे वह अपने अभिनेता पति यश दासगुप्ता के साथ सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंचीं लेकिन उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया। ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें आवास धोखाधड़ी मामले की जारी जांच के सिलसिले में तलब किया गया है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में कुछ नई जानकारियां सामने आई हैं, जिसके चलते उनकी पेशी जरूरी थी। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी द्वारा राजारहाट में एक आवास परियोजना से जुड़े धोखाधड़ी के आरोपों की जांच की जा रही है

जहां एक कंपनी ने फ्लैट उपलब्ध कराने के वादे पर खरीदारों से कथित तौर पर पैसे लिए लेकिन उन्हें फ्लैट उपलब्ध नहीं कराए। जांच के दायरे में आई कंपनी में नुसरत जहां पहले निदेशक के रूप में जुड़ी थीं। बता दें कि इससे पहले 2023 में इसी मामले के सिलसिले में एजेंसी ने अभिनेत्री से करीब छह घंटे तक पूछताछ की थी।

ईडी के सामने नहीं हुए पेश कोलकाता पुलिस उपायुक्त शांतनु सिन्हा विश्वास, मांगा समय

कोलकाता, समाज्ञा : रेत तस्करी से जुड़े कथित धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समन के बावजूद कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा विश्वास बुधवार को जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। हालांकि, उनकी ओर से अधिवक्ता प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय पहुंचे और समय मांगा। सूत्रों के अनुसार, शांतनु सिन्हा विश्वास को बुधवार को सॉल्टलेक स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालय परिसर में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। लेकिन वे स्वयं उपस्थित नहीं हुए। उनकी ओर से भेजे गए अधिवक्ता ने बताया कि अन्य कार्यों में व्यस्तता के कारण वे फिलहाल उपस्थित नहीं हो सके और नई तिथि देने का अनुरोध किया गया है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय रेत तस्करी से जुड़े एक मामले में वित्तीय अनियमितता के आरोपों की जांच कर रहा है। इसी मामले में अधिकारियों द्वारा शांतनु सिन्हा विश्वास से पूछताछ की इच्छा जताई गई है।

14 मई को घोषित होगा उच्च माध्यमिक का परिणाम

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल बोर्ड के 12वीं कक्षा के अंतिम परीक्षाओं के परिणाम 14 मई को जारी किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद (डब्ल्यूबीसीएचएसई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूबीसीए-चएसई के अध्यक्ष पार्थ कर्मकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, परीक्षा में शामिल हुए छात्र सुबह 11 बजे से निर्धारित वेबसाइट के माध्यम से अपना परीक्षा परिणाम देख सकेंगे। इसने कहा कि वेबसाइट का विवरण अलग से सूचित किया जाएगा। बता दें कि चौथे और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 से 27 फरवरी तक आयोजित की गईं। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि परीक्षाएं समाप्त होने के लगभग 100 दिनों के भीतर ही परिणाम घोषित किए जा रहे हैं, हालांकि, इस कार्यक्रम पर विधानसभा चुनावों का भी असर पड़ा है।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

शुद्धिपत्र

निविदा संख्या 73261001, दिनांक: 16.04.2026। निविदा केस संख्या 73261001, निविदा खुलने की तिथि: 30.04.2026 के साथ वेबसाइट पर पत्र दिनांकित/प्रकाशित 31.03.2026 को हुआ, जो **"विभिन्न जोनल रेलवे की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के लोकोमोटिव के लिए स्फेरिब्लॉक की आपूर्ति"** के क्रय के लिए है, के संबंध में एक शुद्धिपत्र जारी किया गया है। निविदा प्रकाशन के समय, **एनईआर से कोई मांग प्राप्त नहीं हुई थी।** तत्पश्चात, **एनईआर** से 1394 अदद की मांग प्राप्त हुई है। इसलिए, निविदा की मात्रा उसी अनुसार बढ़ा दी गई है। परिवर्तित मात्रा का विवरण इस तरह है: **पीएल संख्या** 29100203। **पूर्व में मात्रा:** 36926 अदद। **वर्तमान में संशोधित मात्रा:** 38320 अदद।

PR1/329 एएमएम/मुख्यालय-II/चिरेका/चित्तरंजन

हमें यहां देखें: www.facebook.com/clwrailways

पूर्व रेलवे

बोली सं.: जीईएम/2026/बी/7447813, **दिनांक 16.04.2026:** ईडीपीएम, पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा, उत्तर 24-परगना, डाकघर-कांचरापाड़ा, पिन-743145, (पबं) द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं: **विवरण:** खुली निविदा के माध्यम से पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा के विभिन्न विभागों में लगे हुए डेस्कटॉप पीसी, ऑल-इन-वन, लैपटॉप, यूपीएस (1 केवीए तक), लेजर प्रिंटर, मल्टीफंक्शनल लेजर प्रिंटर, मल्टीफंक्शनल इंकजेट प्रिंटर तथा डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर का दो वर्षों की अवधि के लिए व्यापक एएमसी। **अनुमानित बोली मूल्य:** रु. 21,31,670/-। **ईएमडी मूल्य:** रु. 42,630/-। **बोली की अंतिम तारीख एवं समय:** 07.05.2026 को 18.00 बजे। **बोली खुलने की तारीख एवं समय:** 07.05.2026 को 18.30 बजे। (MISC-22/2026-27)

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

[illegible] पूर्व रेलवे, हावड़ा, [illegible] 711101 [illegible] ई-निविदा सं. 01_2026-27, दिनांक 20.04.2026; [illegible] रु. 67,09,395.90; [illegible] रु. 1,34,200। [illegible] 12 महीने। [illegible] 14.05.2026 को 12.00 बजे। [illegible] www.ireps.gov.in [illegible] (HWH-30/2026-27)

www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आईएमडी ने दक्षिण बंगाल में उष्ण लहर की चेतावनी जारी की

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में शनिवार तक उष्ण लहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि हालांकि, इस सप्ताह के दौरान उत्तर बंगाल के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि निचले स्तरों पर शुष्क पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलने तथा मौसमी सौर तापन के कारण 25 अप्रैल तक दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में लू या गर्म और उमस भरी स्थिति रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण बंगाल के पश्चिमी हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है जबकि पूर्वी और तटीय क्षेत्रों में यह दो से तीन डिग्री अधिक

रह सकता है। विभाग ने बताया कि सप्ताह के शेष दिनों में दक्षिण बंगाल में असहज और उमस भरा मौसम बना रह सकता है। इस दौरान तटीय जिलों में सापेक्षिक आर्द्रता 80 से 90 प्रतिशत और आंतरिक क्षेत्रों में 75 से 80 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने कहा कि दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और जलपाईगुड़ी जैसे उप-हिमालयी जिलों में 28 अप्रैल तक गरज-चमक के साथ बारिश होने और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्व रेलवे ऊर्जा संरक्षण उपायों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अग्रसर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे अपने पूर्ण विद्युतीकृत नेटवर्क के माध्यम से यात्री एवं माल परिवहन सेवाएं संचालित कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है। इसके साथ ही रेलवे द्वारा ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय अपनाए गए हैं। पूर्व रेलवे ने सौर ऊर्जा के उपयोग, पावर फैक्टर में सुधार, 3-फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के माध्यम से ऊर्जा पुनरुत्पादन तथा डीजल इंजनों को अनावश्यक रूप से बंद रखने जैसे कदम उठाए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में सौर ऊर्जा उत्पादन 22.15 मिलियन यूनिट रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 21.42 मिलियन यूनिट की तुलना में 3.40 प्रतिशत अधिक है। इससे ऊर्जा बिल में 12.13 करोड़ की बचत हुई, जो पिछले वर्ष के 11.39 करोड़ की तुलना में 6.50 प्रतिशत अधिक है।

बेहतर पावर फैक्टर उपयोग से फरवरी 2026 तक 4.40 करोड़ की संचयी बचत दर्ज की गई, जबकि मार्च 2026 में कर्षण ऊर्जा बिल में 1.36 करोड़ की अतिरिक्त बचत हुई। वहीं, 508 3-फेज लोकोमोटिव के उपयोग से मार्च 2026 में 16.86 करोड़ की बचत दर्ज की गई, जिसमें औसत मासिक बचत 14.43 करोड़ रही। डीजल खपत में कमी के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 3277.26 किलोलीटर हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) की बचत हुई, जिससे 30.56 करोड़ की बचत दर्ज की गई। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि इन उपायों से न केवल ऊर्जा लागत में कमी आई है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने गोल्ड लोन के लिए 501 मौजूदा शाखाओं के सक्रियकरण की घोषणा की

कोलकाता : एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने आज गोल्ड लोन उत्पाद के लिए अपनी 501 मौजूदा शाखाओं के सफल सक्रियकरण की घोषणा की। यह पहल संस्थान-नेतृत्व वाले सुरक्षित ऋण वितरण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से देशभर में ग्राहकों तक तेज़, पारदर्शी और भरोसेमंद गोल्ड लोन सेवाएं पहुँचाई जाएंगी। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के डिप्टी सीईओ, उत्तम तिबरेवाल ने कहा, भारत में सोना लंबे समय से एक विश्वसनीय पारिवारिक संपत्ति रहा है, जो आवश्यकता के क्षणों में वित्तीय आधार का काम करता है। गोल्ड लोन के लिए 501 शाखाओं के सक्रियकरण के माध्यम से हमारा उद्देश्य ग्राहकों को तेज़, पारदर्शी और भरोसेमंद प्रक्रिया के ज़रिये इस संपत्ति के मूल्य को जिम्मेदारी से अनलॉक करने में सहायता करना है।

कोलकाता में तीर्थतुल्य जिनालय निर्माण के लिए आज भव्य शिलान्यास समारोह

कोलकाता : महानगर कोलकाता में दिगम्बर जैन समाज के लिए एक ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक क्षण गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 को साकार होने जा रहा है। इस पावन शुभ दिन 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन जिनालय के भव्य निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन केवल एक निर्माण कार्य की शुरुआत नहीं, बल्कि जैन समाज के वर्षों पुराने एक दिव्य स्वप्न के साकार होने का प्रतीक है। प्रस्तावित जिनालय न केवल पूजा-अर्चना का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों को जैन धर्म के आदर्शों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम भी होगा। दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत 22 अप्रैल को भूमिपूजन एवं वास्तु-विधान जैसे पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ हुई। इसके बाद, 23 अप्रैल को शुभ मुहूर्त में मुख्य शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। शिलान्यास के दौरान मुख्य शिला स्थापना सुभाष बड़जात्या परिवार द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्तियों, ट्रस्टियों, शिलादाता परिवारों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति अपेक्षित है। उल्लेखनीय है कि जिनालय निर्माण हेतु समाज के विभिन्न वर्गों से व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ है तथा अनेक श्रद्धालुओं ने शिलादान के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित की है।

आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जिनमें शिलादाताओं के लिए श्रेणीवार प्रबंध, प्रवेश नियंत्रण, आधिकारिक फोटोग्राफी तथा आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएँ शामिल हैं। दोनों दिनों में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए वात्सल्य भोजन की भी समुचित व्यवस्था रहेगी। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया है। यह समारोह कोलकाता के धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है। यह जानकारी मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन ट्रस्ट, कोलकाता द्वारा दी गई।

श्रद्धेय पुष्करलाल जी के बताए सत्मार्ग से सेवा, परोपकार की प्रेरणा

कोलकाता : श्रद्धेय पुष्करलाल जी केडिया द्वारा स्थापित एवम् संचालित सेवा संस्थाओं के महासमागम में बाल व्यास पण्डित श्रीकान्त शर्मा की अध्यक्षता में निष्काम कर्मयोगी पुष्करलाल जी केडिया की 9वीं पुण्य तिथि के अवसर पर 1 मई को मनीषिका सभागार में उनकी प्रतिमा पर सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सचिव अमित केडिया ने बताया इस अवसर पर मनीषिका में नेत्र चिकित्सा, दंत चिकित्सा, जनरल फिजिशियन, ई सी जी की सुविधा के शुभारम्भ के साथ प्रिय श्रेष्ठ केडिया की स्मृति में मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित है। वर्तमान में मनीषिका में कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, योगा प्रशिक्षण, स्काउट ट्रेनिंग, होम्योपैथिक विभाग, अन्नपूर्णा योजना, वस्त्र वितरण एवम् सेवा शिविर के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों की सेवा की जा रही है। श्रद्धेय पुष्करलाल जी के बताए सत्मार्ग से सेवा,

परोपकार की भावना से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। स्काउट आंदोलन के प्रतिष्ठित सम्मान सिल्वर एलिफेंट, सिल्वर स्टार एवम् अग्र विभूषण सम्मान से अलंकृत श्रद्धेय पुष्करलाल केडिया सुरभि सदन गौशाला के संस्थापक ट्रस्टी के रूप में गोसंरक्षण एवम् अनेक संस्थाओं में पद पर रहते हुए राष्ट्र की नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण तथा प्रतिभा को निखार देने के बहुआयामी प्रयासों में निरन्तर सक्रिय रहे।

हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए चलेगी वन-वे स्पेशल अनारक्षित ट्रेन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच वन-वे अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत, 03057 हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वनवे अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 22 अप्रैल 2026 को शाम 19:00 बजे हावड़ा स्टेशन से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में पूर्व रेलवे के अंतर्गत आने वाले प्रमुख स्टेशनों बंडेल, नवद्वीप धाम, कटवा, अजीमगंज, जंगीपुर रोड, न्यू फरक्का और मालदह टाउन-पर ठहरेगी।

कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस में अतिरिक्त स्लीपर कोच की अस्थायी बढ़ोतरी

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा में सुधार तथा अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लोकप्रिय मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में कोचों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी क्रम में रेलवे ने कोलकाता-जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त स्लीपर श्रेणी कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 13151/13152 कोलकाता-जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा। यह कोच कोलकाता से 23 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रस्थान करने वाली ट्रेनों में तथा जम्मू तवी से 25 अप्रैल 2026 से 2 जुलाई 2026 तक प्रस्थान करने वाली ट्रेनों में लगाया जाएगा। इस अस्थायी बढ़ोतरी के बाद उक्त ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे।

डीएस ग्रुप ने 'कैच प्रीमियम आयोडाइज्ड पिंक रॉक सॉल्ट' के लिए अपना पहला टीवीसी किया लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : कैच सॉल्ट एंड स्पाइसेज, अग्रणी एफएमसीजी समूह और मल्टी बिजनेस कारपोरेशन धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के ब्रांड कैच सॉल्ट एंड स्पाइसेज ने अपने 'कैच प्रीमियम आयोडाइज्ड पिंक रॉक सॉल्ट' के लिए पहला टेलीविजन विज्ञापन (टीवीसी) लॉन्च किया है। यह कैंपेन डेंट्सू क्रिएटिव वेबचटनी द्वारा तैयार किया गया है। कंपनी

इस पहल के माध्यम से नमक श्रेणी में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को उत्पाद के लाभों के प्रति जागरूक करना चाहती है। कैच सॉल्ट एंड स्पाइसेस के जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) अर्नब घटक चौधरी ने कहा, इस अभियान के जरिए हमने नमक जैसे सामान्य उत्पाद को एक भावनात्मक और रोजमर्रा की कहानी से जोड़ने का प्रयास किया है। हमारा उद्देश्य है कि उपभोक्ता बिना किसी जटिल जानकारी के यह समझ सकें कि यह उत्पाद उनके भोजन और स्वास्थ्य के लिए किस तरह उपयोगी है। यह टीवीसी 20 अप्रैल से टेलीविजन, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित किया जा रहा है।

मतदान के लिए पहले अपने गृह जिलों में पहुंचने के लिए एस्प्लेनेड बैंड स्टैंड पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी

वन वे स्पेशल ट्रेन

हावड़ा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और हावड़ा से हडपसर तक

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, **हावड़ा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और हावड़ा से हडपसर** तक निम्नलिखित **वन वे स्पेशल ट्रेनें** निम्नवर्णित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव, चलने की तिथि और गठन के अनुसार चलाई जाएंगी:

01102 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस वन वे स्पेशल ट्रेन

स्टेशन	आ.	प्र.	दिन
हावड़ा	↓ --	23.00	25.04.2026 (शनिवार)
आसनसोल जंक्शन	03.00	03.05	26.04.2026 (रविवार)
गया जंक्शन	08.20	08.25	
इगतपुरी	23.05	23.10	27.04.2026 (सोमवार)
छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस	05.00	--	28.04.2026 (मंगलवार)

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन मार्ग में बैण्डेल जंक्शन, बर्द्धमान जंक्शन, दुर्गापुर, धनबाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम जंक्शन, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, सतना जंक्शन, कटनी जंक्शन, जबलपुर, इटारसी जंक्शन, खंडवा जंक्शन, भुसावल जंक्शन, नासिक रोड, कल्याण जंक्शन, ठाणे और दादर स्टेशनों पर भी रुकेगी। ● **चलने की तिथि और दिन: हावड़ा से:** 01102 दिनांक 25.04.2026 **(शनिवार)** को = 01 ट्रिप। ● **गठन:** शयनयान श्रेणी: 04, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस): 12, एसएलआरडी: 02 = 18 कोच। ● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

01452 हावड़ा-हडपसर वन वे स्पेशल ट्रेन

स्टेशन	आ.	प्र.	दिन
हावड़ा	↓ --	00.15	26.04.2026 (रविवार)
आसनसोल जंक्शन	04.15	04.20	
धनबाद जंक्शन	06.25	06.30	
गया जंक्शन	10.20	10.25	
जबलपुर जंक्शन	03.50	04.00	27.04.2026 (सोमवार)
हडपसर	07.00	--	28.04.2026 (मंगलवार)

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन मार्ग में बैण्डेल जंक्शन, बर्द्धमान जंक्शन, दुर्गापुर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम जंक्शन, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, सतना जंक्शन, कटनी जंक्शन, इटारसी जंक्शन, खंडवा जंक्शन, भुसावल जंक्शन, मनमाड जंक्शन, अंकाई, कोपरगांव, बेलापुर, अहिल्यानगर और दौंड कॉर्ड लाइन स्टेशनों पर भी रुकेगी। ● **चलने की तिथि और दिन: हावड़ा से:** 01452 दिनांक 26.04.2026 **(रविवार)** को = 01 ट्रिप। ● **गठन:** एसी 2-टियर : 01, एसी 3-टियर : 03, शयनयान श्रेणी : 08, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) : 04, एसएलआरडी: 02 = 18 कोच। ● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संभव है स्तन कैंसर से बचाव

रूबी

महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के बाद स्तन कैंसर की ही प्रमुखतः बहुतायत रहती है। आंकड़ों के अनुसार भारत में हर दसवीं महिला की स्तन कैंसर से मृत्यु होती है। उचित खान-पान तथा रहन-सहन के अभाव में महिलाओं में यह कैंसर बढ़ता ही जाता है। अतः इस जानलेवा बीमारी से बचने के लिए जानिए इसके कारण और निदान।

इस बात से कोई भी अनभिज्ञ नहीं है कि वर्तमान युग में कैंसर जैसी घातक बीमारी से हजारों की संख्या में हर महीने लोगों की जानें जाती हैं। महिलाओं में गर्भाशय व स्तन कैंसर की संख्या अधिक देखने को मिलती है जिससे हर 10 महिलाओं में एक की मृत्यु प्रतिदिन होती है। स्तन कैंसर भारतीय महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है। इस प्रकार के कैंसर के विषय में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अनेक कारण बताए हैं।

स्तन व गर्भाशय के कैंसर का प्रमुख कारण हार्मोंस के कारण शरीर में आए बदलावों को बतलाया गया है। किशोरावस्था में जिन महिलाओं में एस्ट्रोजन नामक हारमोन अधिक होता है वही परिपक्व अवस्था में स्तन कैंसर की स्थिति हो सकती है। इन सभी प्रमुख कारणों को जानने के पश्चात हमें लगता है कि कैंसर का पता उसकी आरंभिक अवस्था में लगे तो समय पर उसका उपचार संभव है और पूर्णतया इससे मुक्ति भी मिल सकती है।

अतः पीड़िता को चाहिए कि वह आरंभिक अवस्था में ही चिकित्सक के पास जाए क्योंकि एक बार शरीर में कैंसर के फैल जाने के पश्चात चिकित्सक के लिए समस्यापूर्ण स्थिति बन जाती है। संभव है कि आगे इसका इलाज संभव न हो। केवल पीड़िता को ही नहीं वरन् एक स्वस्थ महिला को भी समय-समय पर अपने स्तनों की जांच अवश्य करनी चाहिए। आप स्वयं यह जान सकती हैं कि आपके स्तन स्वस्थ हैं या नहीं।

कैंसर के इलाज के लिए वर्तमान युग में तीन प्रकार के इलाज उपलब्ध हैं-सर्जरी या शल्य चिकित्सा, कीमोथेरेपी, रेडियो थेरेपी।

यह तो चिकित्सक द्वारा ही रोग का निरीक्षण कर पता लगाना संभव है कि कौन सी विधा द्वारा चिकित्सा दी जाए। यहां कुछ ऐसे तथ्य हैं जिनमें आम महिलाएं अनभिज्ञ हैं।

भोजन के प्रकार पर भी काफी निर्भर है कैंसर की रोकथाम

अगर आप संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेंगी तो जहां विभिन्न प्रकार की बीमारियों के आक्रमण से बची रहेंगी, वहीं दूसरी ओर आपका रूझान वसायुक्त भोजन एवं चर्बीयुक्त आहार की ओर है तो आप निश्चित रूप से न केवल कैंसर वरन् विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों को निमंत्रण दे रही हैं। आप अपने आहार की ओर ध्यान देकर स्तन कैंसर जैसी भयंकर बीमारी की रोकथाम भी कर सकती हैं।

जिन महिलाओं के खानदान में ही स्तन कैंसर की बीमारी रही हो, उन्हें मदिरा सेवन से सदैव दूर रहना चाहिए। अधिक मात्रा में मदिरा सेवन कैंसर को शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने का निमंत्रण देता है।

चर्बीयुक्त मांस में ओमेगा-6 नामक फैटी ऐसिड रहता है। जो महिलाएं अधिक मांस अथवा चर्बीयुक्त मांस का सेवन करती हैं वे अपनी प्राकृतिक सुरक्षा व्यवस्था खो बैठती हैं और कैंसर जैसी भयंकर बीमारी से लड़ने में असमर्थ होती हैं।

ओमेगा-3 नामक फैटी ऐसिड, जो मछलियों में पाया जाता है, वह महिलाओं के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ है। यदि शाकाहारी हैं तो उन्हें मछली के तेल वाली गोली लेनी चाहिए। यह कैंसर 'सेल' की वृद्धि शरीर में कम कर देती है। इसमें कैंसर विरोधी गुण बतलाये गये हैं।

अधिक रेशे वाले खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें क्योंकि ये शरीर में एस्ट्रोजन नामक हारमोन्स की मात्रा कम कर देते हैं।

फूलगोभी व पत्तागोभी में कैंसर विरोधी तत्व पाये जाते हैं अतः इनका सेवन महिलाओं में लाभदायक सिद्ध हुआ है। विटामिन-सी की प्रचुरता वाले पदार्थ और इसके साथ छोले, उड़द की दाल, मूंग की दाल, मक्की, काले चने आदि लें।

सोयाबीन में कैंसर विरोधी गुण देखने को मिलते हैं। चिकित्सकीय राय के अनुसार सोयाबीन का दूध, बड़ियां, आटा, सोया, पनीर अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

जिन महिलाओं में किशोरावस्था में एस्ट्रोजन नामक हारमोन्स की मात्रा शरीर में अधिक देखी जाती है, उन्हें चिकित्सकीय राय के अनुसार उचित दवा लेकर रोका जा सकता है।

अतः सभी बातों को ध्यान में रखकर आप कैंसर जैसी घातक बीमारी को शरीर में प्रवेश होने से पूर्व सावधानियां रख कर इससे पूर्णतः निदान पा सकती हैं।

स्वयं जांच कैसे करें?

स्तन के आकार अर्थात् दोनों के आकार में फर्क महसूस कर रही हों।

गोलाई आपको समान लग रही है या स्तन छोटे बड़े लग रहे हैं। प्राकृतिक अवस्था में भी स्तनों की गोलाई छोटी-बड़ी हो सकती है।

स्तन की त्वचा, स्तनों की ऊपरी त्वचा शरीर के दूसरे स्थान जैसी नहीं है। कहीं सूखी है या लाल हो गयी है।

आप कोई गांठ महसूस कर रही हैं जो भले ही आरंभिक अवस्था में पीड़ादायक नहीं होती हो।

आपके निप्पल से कोई द्रव पदार्थ निकल रहा है। अगर ऐसा है तो किस रंग का है?

आप लेट कर या आईने के समक्ष खड़े हो कर अपने स्तनों की जांच कर सकती हैं। अगर आप कुछ गांठ सी महसूस करती हैं तो यह आवश्यक नहीं कि वह गांठ जिसे अंग्रेजी में ट्यूमर कहते हैं, वही हो।

ट्यूमर दो प्रकार के होते हैं।

पहला -बिनाइन ट्यूमर है जो कैंसर ग्रस्त नहीं होता।

दूसरा-मैलिग्नेंट ट्यूमर-इस प्रकार का ट्यूमर महिलाओं के लिए घातक होता है जिसे यथाशीघ्र ही उपचार करवाना चाहिए। यह धीरे-धीरे समस्त शरीर में फैल जाता है। यह शरीर में फैल जाए तो इसका इलाज मुश्किल हो जाता है। अतः आरंभिक अवस्था में चिकित्सकीय राय लें तथा चिकित्सक से इस विषय पर खुल कर चर्चा करें। (स्वा. द.)

जब थकान सताए तो...

भाषणा बांसल

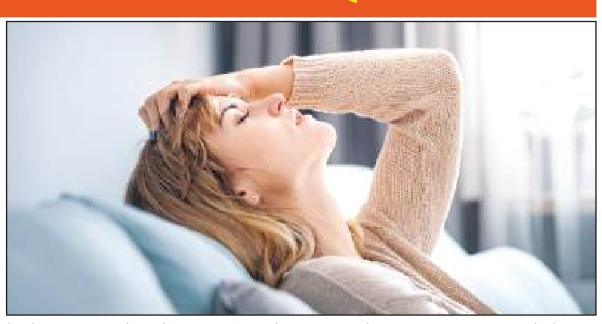

आज के मशीनी युग में प्रत्येक व्यक्ति व्यस्त है। हर वक्त बस काम ही काम। सबकी दिनचर्या बन जाती है। एक काम खत्म करो तो दूसरे की तैयारी में जुट जाओ, यहां तक कि थक हार कर घर लौटने पर भी कभी किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए देर रात तक लैपटॉप पर काम करते रहो या फिर फाइलों में उलझे रहो।

वैसे इस भागदौड़ भरी दिनचर्या में रोजाना ही अत्यधिक थकान महसूस होती है परंतु कई बार इसका असर तब- मन पर कुछ ज्यादा ही नजर आता है जब व्यक्ति स्वयं को निस्तेज-सा महसूस करने लगता है।

ऐसे में क्या करें?

जब आपको ऐसा महसूस हो तो कुछ देर के लिए काम करना बंद कीजिए। अपने केबिन या कमरे को अंदर से बंद कर लें। मोबाइल का स्विच ऑफ कर दें व दस-पंद्रह मिनट के लिए आरामदेह अवस्था में लेट जाएं। यह छोटी-सी नींद की झपकी आपको फिर से ऊर्जावान बना देगी और आप दुबारा से तरोताजा होकर अपने काम में लग जाएंगे।

खुलकर हंसें, ठहाके लगाएं। यदि आपके पास कोई बैठा हो तो जोक सुनाकर उसे भी हंसाएं व खुद भी हंसें। नए शोधों से पता चलता है कि खिल खिला कर हंसने से न सिर्फ आपका उत्साह बढ़ता है बल्कि इससे व्यर्थ की कैलोरी भी नष्ट होती हैं। यदि संभव हो तो 15-20 मिनट के लिए टी.वी. ऑन करें व कोई कॉमेडी फिल्म या सीरियल देखें जो आपको हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दे। आप पाएंगे कि आपकी थकान छू मंतर हो गयी है।

यदि घर पर काम करते वक्त ऊब महसूस हो रही हो तो थोड़ी दर के लिए काम को रोक कर बच्चों के साथ कोई छोटा-मोटा इनडोर गेम खेलें। पत्नी के साथ कुछ हंसी-मजाक करें या फिर पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं तो अपनी पसंदीदा पुस्तक के कुछ पन्ने पढ़ें। यदि बागवानी का शौक है तो घर के गार्डन में कुछ वक्त गुजारें। गार्डन की देखभाल भी हो जाएगी व आपका दिल भी बहल जाएगा।

संगीत बोर होने से बचने का एक सशक्त माध्यम है। यह आपके दिल के तारों को छेड़ देता है व आप रोमानियत से भर उठते है, सो काम की थकान दूर करने के लिए अपना मनपसंद संगीत सुनें।

शॉवर स्नान करने से भी आप स्वयं को पुनः तरोताजा महसूस कर सकते हैं। घर में हों तो बाथटब में स्नान करें। थोड़ा वक्त ज्यादा लें व एक बच्चे की भांति धीरे-धीरे, मस्ती से गुनगुनाते हुए स्नान का आनंद लें। आपकी थकान फौरन दूर हो जाएगी।

यदि आप उस समय समुद्र के आसपास हैं तो समुद्र के किनारे जा कर पानी की उठती-गिरती लहरों को निहारें। यकीन मानिए, दिल में एक नई उमंग पैदा हो जाएगी।

बारिश हो रही हो तो इसका पूरा मजा लें। बारिश की बूंदों में स्वयं को भिगोएं लेकिन यदि आपको बारिश के पानी में भीगने से एलर्जी हो तो ऐसा हरगिज न करें।

अपने किसी प्रिय साथी से फोन पर बात करें। इससे भी आपकी थकान दूर हो सकती है बशर्ते आपकी बातें गंभीर न होकर मन को प्रफुल्लित करने वाली हों।

डांस करने के शौकीन हैं तो संगीत की धुनों पर डांस कीजिए। (स्वा. द.)

आंखों को दें सुरक्षा

सोनी मल्होत्रा

आंखे हमारे व्यक्तित्व का आईना हैं। वैसे तो शरीर के सभी अंग महत्वपूर्ण हैं पर आंखें भगवान की दी हुई वो नियामत हैं जिसके बिना कुछ होते हुए भी कुछ नहीं हैं इसलिए इस अनमोल नियामत की देखभाल बहुत आवश्यक है। आंखों की देखभाल व सुरक्षा के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखें-

❋ अपनी आंखों को प्रतिदिन स्वच्छ जल से 4-5 बार साफ करें। इससे आंखों में धूल, मिट्टी के कण साफ हो जाएंगे और आंखें साफ रहेंगी।

❋ आंखों को बहुत थकाएं नहीं। लगातार पढ़ते समय, टी वी देखते समय कम्प्यूटर पर काम करते समय बीच-बीच में आंखों को विश्राम दें।

❋ प्रायः पोषक तत्वों की कमी व आंखों पर अधिक जोर पड़ने या किसी बीमारी के कारण आंखों के नीचे काले स्याह घेरे पड़ जाते हैं जो आंखों के सौंदर्य को नुकसान पहुंचाते है। इनसे सुरक्षा के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। बादाम या जैतून के तेल को आंखों के चारों तरफ लगाएं। इससे काले घेरे कम होंगे।

❋ आंखों को प्रतिदिन आराम की आवश्यकता होती है और यह आराम अच्छी नींद से मिलता है। इसलिए प्रतिदिन 8-10 घंटे की नींद अवश्य लें।

❋ टी. वी देखते समय या कम्प्यूटर पर कार्य करते समय बीच-बीच में कुछ अंतराल अवश्य दें अर्थात लगातार इन्हें न देखें। इससे आंखों पर जोर पड़ता है। एकटक देखने पर आंखें अधिक श्रम करती हैं इसलिए बीच-बीच में आंख झपकाते रहें।

❋ अगर आप कांटेक्ट लैंस पहनते हैं तो उन्हें साफ करते रहें। किसी दूसरे व्यक्ति के कांटेक्ट लैंस कभी भी न पहनें और न ही किसी दूसरे व्यक्ति का चश्मा पहनें। इससे आंखों में इंफेक्शन हो सकता है। डिस्पोजेबल कांटेक्ट लैंस एक्सपायरी होने पर बदल लें।

❋ कभी भी चलते वाहन बस, कार में बैठकर न पढ़ें।

❋ पर्याप्त रोशनी में ही पढ़ें। पढ़ते समय आंखों और किताब के बीच भी पर्याप्त दूरी बनाकर रखें। पढ़ते समय रोशनी पीछे की ओर से या साइड से पड़नी चाहिए। आंखों पर सीधे रोशनी न पड़ने दें।

❋ सूर्य की अल्ट्रावायलट किरणों से आंखों को बचाएं। ये आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं इसलिए धूप में बाहर जाते समय सनग्लासिस का प्रयोग करें।

❋ स्वीमिंग करते समय स्वीमिंग गागल्स अवश्य पहनें। पानी में मिली क्लोरीन आंखों में जा सकती है।

प्रतिदिन आंखों में गुलाब जल की कुछ बूंदें डालें। (स्वा.द.)

सेंकें धूप, लाभ मिलेगा खूब

डा सीतेश कुमार द्विवेदी

समय के साथ धूप तेज एवं कम हो जाती है। गर्मी की धूप तेज होती है। वर्षाकाल में धूप कम निकलती है, फिर भी तेज होती है। ठंड की धूप प्यारी होती है। ठंड के समय सूर्योदय से लेकर प्रारंभिक तीन घंटे की धूप सर्वोपयुक्त होती है। इससे बहुत लाभ मिलता है। धूप तेज, हल्की या कोमल हो, कभी भी 15-20 मिनट से ज्यादा धूप में नहीं रहना चाहिए। धूप में इतने समय रहने से पर्याप्त लाभ मिल जाता है।

यह विटामिन डी का श्रेष्ठ एवं प्राकृतिक स्रोत है। इससे हड्डियां एवं मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे बीपी नियंत्रित होता है एवं पाचन सुधरता है। जोड़ों का दर्द दूर होता है। धूप में बैठने से शुगर लेवल भी नियंत्रित होता है। स्त्री पुरूष दोनों की प्रजनन क्षमता में वृद्धि होती है। पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या बढ़ती है जबकि स्त्री की गर्भधारण क्षमता बढ़ जाती है। सूर्य धूप से लाभ पाने की चाह रखने वाले धूप में आंखें बंद रखें। शरीर के प्रत्येक अंग पर धूप का सेंक पड़े, इसका प्रयास करें। (स्वा. द.)

आवश्यक है दांतों की देखभाल

अम्बिका

अमूमन लोग दांतों की देखभाल को गंभीरता से नहीं लेते लेकिन दांतों को स्वस्थ रखना महत्त्वपूर्ण है अन्यथा दांतों में कई प्रकार के रोग हो सकते हैं।

हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार यदि दांतों व मसूड़ों में अधिक समय तक रोग बने रहें तो कैंसर की आशंका कई गुना तक बढ़ जाती है। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जिन व्यक्तियों को मसूड़ों के रोग होते हैं उनकी शिराओं के सिकुड़ने की संभावना अधिक रहती है, जिसके कारण उन्हें हार्टअटैक हो सकता है। दांतों की सफाई उचित तरीके से नहीं करने पर दांतों के मध्य कैविटी बनने लगती है जिससे भोजन करने पर दांतों में ठंडा गरम महसूस होते लगता है। दांतों पर जमी प्लेक में स्थित बैक्टीरिया को जब भोजन से स्टार्च व शुगर मिलता है तो एक प्रकार का एसिड बनता है जिससे दांतों की ऊपरी परत नष्ट होने लगती है और केविटी बन जाती है। ऐसा होने पर शीघ्र ही चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

दांतों के आसपास मसूड़ों से रक्त आना तथा मुख से दुर्गंध आना पायरिया रोग का लक्ष्य है। पायरिया के कारण दांतों की जड़ें कमजोर होती जाती हैं और धीरे-धीरे दांतों का हिलना प्रारंभ हो जाता है।

दांतों को स्वस्थ व स्वच्छ रखने के लिए कुछ बातों ध्यान रखना चाहिए

-

▲ दांतों को दिन में दो बार साफ करें।

▲ सख्त ब्रश का प्रयोग न करें।

पान मसाला, तम्बाकू आदि के सेवन से बचें।

▲ चाकलेट, मिठाइयां, बिस्कुट आदि अधिक न खाएं।

▲ अधिक खट्टी, ठंडी या गर्म वस्तुओं से परहेज करें।

▲ भोजन हमेशा अच्छी तरह चबाकर खाएं। (स्व. द.)

अपने चेहरे और बालों के सौंदर्य को निखारिए

पूनम दिनकर

हर नारी की चाहत होती है कि उसके बाल चमकदार, काले, घने व स्वस्थ हों। साथ ही महिलाओं का ध्यान अपनी त्वचा में निखार लाने के प्रति भी काफी होता है। अपनी त्वचा की किस्म को ध्यान में रखकर घरेलू प्रसाधनों से कम खर्च व बिना किसी हानि के त्वचा में निखार लाया जा सकता है। त्वचा व बालों को निखारने के कुछ घरेलू उपाय दिये जा रहे हैं।

◆ अगर बाल बहुत अधिक झड़ते हों तो एक कटोरी खट्टा दही, चार चम्मच मुलतानी मिट्टी का पाउडर, चार चम्मच शिकाकाई का पाउडर, चार चम्मच त्रिफला चूर्ण, आधे नींबू का रस, इन सभी को मिलाकर रातभर के लिए रख दें। सुबह इसे बालों की जड़ों में लगाकर एक घंटे के बाद ठंडे पानी से सिर धो लें। सप्ताह में एक बार इस प्रयोग को करने से बालों का झड़ना बंद हो जाता है तथा बाल स्वस्थ और सुन्दर बनते हैं।

◆ अगर आपकी त्वचा रूखी है तो त्वचा पर निखार लाने के लिए सप्ताह में एक या दो बार मुल्तानी मिट्टी, चन्दन पाउडर, गुलाब जल तथा थोड़ा-सा खीरे का रस व ग्लिसरीन या नारियल का पानी मिलाकर लगाइये। त्वचा कोमल, सुन्दर व गोरी हो उठेगी।

◆ बालों में रूसी की शिकायत होने पर दही में काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर सिर धोएं। इससे सिर की रूसी खत्म हो जाती है तथा सिर के बाल मुलायम, काले, घने एवं लंबे हो जाते हैं।

◆ गुलाबजल में नींबू व खीरे का रस मिलाकर लगाते रहने से मुंहासे दूर होते हैं और त्वचा खिल उठती है।

बालों में चमक लाने के लिए दही में बेसन मिलाकर अच्छी तरह फेंटकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों की जड़ों में अच्छी तरह लगा लें। एक घंटे बाद सिर को अच्छी तरह धो लें। इस प्रयोग से बाल चमकीले व लंबे हो जाते हैं।

तैलीय त्वचा के लिए फेंटे हुए अंडे में एक चम्मच खीरे का रस व गुलाब जल मिलाकर लगाने से त्वचा पर निखार आता है।

◆ बालों को हमेशा ढीला रखकर चोटी या जूड़ा बांधने से बाल झड़ते नहीं हैं, साथ ही उनमें जूँ भी नहीं होती।

◆ रात को दूध में एक बादाम की गिरी भिगोकर रख दें। सुबह इसका छिलका उतारकर अच्छी तरह पीसकर उसमें एक चम्मच नींबू का रस, शहद व बेसन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। सूख जाने के बाद गुनगुने पानी से चेहरे को धोने से आंखों के नीचे काले धब्बे व झुर्रियां दूर होती हैं।

◆ महीने में एक बार मेंहदी में अंडे की जर्दी मिलाकर लगाते रहने से बालों की कंडीशनिंग हो जाती है और बाल स्वस्थ रहते हैं।

◆ चार चम्मच चुकन्दर के रस में एक चम्मच हल्दी व चार बड़े चम्मच टमाटर का रस मिलाकर लगाने से सांवली त्वचा का रंग साफ होता है।

◆ बालों की बाहरी सुन्दरता के लिए आंतरिक पोषण भी आवश्यक है। आन्तरिक पोषण के लिए पौष्टिक आहार के साथ ही विटामिन ई और प्रोटीन बालों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। फलों का रस, सब्जियां, फल, अंकुरित दालों का अधिक सेवन करना चाहिए।

◆ अंडे की सफेदी में एक चम्मच दूध व एक चुटकी कपूर पाउडर मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। इसमें थोड़ी सी ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाते रहने से सांवली त्वचा गोरी हो जाती है।

◆ बालों के सिरे अगर जल्दी दोमुंहे हो जाते हैं तो बालों की थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर ट्रिमिंग करवाते रहने से बालों का दोमुंहा होना बंद हो जाता है।

◆आधा चम्मच जैतून के तेल में आधा चम्मच शहद तथा मुलतानी मिट्टी मिलाकर चेहरे पर लगाएं। सूख जाने पर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे शुष्क त्वचा में चमक आती है।

◆ साबुन या शैम्पू से बाल धोने के बाद साफ पानी में एक चम्मच सिरका डालकर फिर से बालों को धो लें। इससे साबुन या शैम्पू का कुप्रभाव नष्ट हो जाता है और बाल मुलायम और चमकदार हो जाते हैं।

◆आधे चम्मच संतरे के रस में एक चम्मच मुल-तानी मिट्टी मिलाकर चेहरे पर लगाते रहने से तैलीय त्वचा में निखार आता है।

◆ एक चम्मच गाजर का रस तथा एक चम्मच खीरे के रस में चार बादाम पीसकर, फेंटकर चेहरे पर लगाते रहने से चेहरे के दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं।

◆ बंदगोभी की पत्तियों का रस निकालकर खीरे के रस और शहद में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस लेप को लगाने के लगभग बीस मिनट बाद चेहरे को पानी से अच्छी तरह धो लें। इससे चेहरे पर अद्भुत निखार आता है। (स्वा. द.)

सेहत की खबरें

आनंद कुमार अनंत

गर्भाशय विहीन शरीर में यौन आनन्द की कमी नहीं

यूट्रैक्ट स्थित यूनिवर्सिटी मेडिकल सेन्टर के जेन पाल रोवर्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार गर्भाशय निकाल देने के बाद भी महिलायें यौन क्रिया का भरपूर आनंद उठा सकती हैं। महिलाओं में कई बार विभिन्न बीमारियों के कारण गर्भाशय निकाल दिया जाता है जो एक सामान्य प्रक्रिया है लेकिन उनमें यह आशंका बनी रहती है कि गर्भाशय निकाले जाने के बाद वे यौन-आनंद नहीं ले सकेंगी क्योंकि इससे उनके योनि मार्ग और अन्य जननांगों में तंत्रिकायें बाधित हो जाती हैं। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार इस ऑपरेशन के बाद महिलाओं को सेक्स संबंधी कोई परेशानी नहीं होती बल्कि पहले की तुलना में वे इसका अधिक आनंद ले सकती हैं।

पौष्टिकता खो देती हैं माइक्रोवेव में पकी सब्जियाँ

फ्रांस के शोधकर्ताओं ने सब्जियों में पाये जाने वाले एंटी आक्सीडेंट के अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि सब्जियों को भाप में, माइक्रोवेव में, प्रेशर कुकर में या किसी भी प्रकार से पकाने पर उनसे कुछ उपयोगी रसायन निकलते हैं और ये एंडीआक्सीडेंट कोशिकाओं को रसायनों से होने वाले नुक्सान से बचाते हैं। सब्जियों को भाप में पकाने पर एंटीआक्सीडेंट को नुक्सान नहीं होता जबकि माइक्रोवेव में पकने वाली सब्जियों के अत्यधिक तापमान के कारण उनके एंटीआक्सीडेंट पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं। माइक्रोवेव के अतिरिक्त अन्य किसी भी विधि से पकाई जाने वाली सब्जियों के एंटीआक्सीडेंट नष्ट नहीं होते।

बच्चों को विकलांग तक बना सकता है गर्भावस्था में धूम्रपान

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में पाया है कि जो गर्भवती औरत गर्भकाल के धूम्रपान करती है उसके बच्चे को हाथ एवं पांव की पैरों की अंगुलियों के विकृत होने का खतरा बहुत अधिक बना रहता है। गर्भवती महिला जितना अधिक धूम्रपान करती है, होने वाले बच्चे के लिए खतरा उतना ही अधिक बढ़ जाता है।

शोध के दौरान यह बात भी सामने आयी है कि धूम्रपान करने वाली महिला का शिशु दूसरी माताओं के बच्चों की तुलना में कानों से अच्छी तरह नहीं सुन सकता अर्थात धूम्रपान सुनने की क्षमता को भी कम कर डालता है। गर्भवती माताओं को चाहिए कि गर्भावस्था में भूलकर भी धूम्रपान न करें क्योंकि इससे उनका बच्चा विकलांग पैदा हो सकता है।

अधिक आराम तनाव बढ़ाता है

लंदन विश्वविद्यालय के मनोवैज्ञानिकों के अनुसार शरीर और मस्तिष्क को अधिक आराम देने से भी तनाव बढ़ता है। जो लोग सेवा निवृत्ति के बाद अपने घर पर बिना किसी काम किये बैठे रहते हैं, उनका वैवाहिक जीवन भी तनावग्रस्त हो जाता है। पत्नी छोटी-छोटी बातों पर छिड़कनें लगती है तथा बच्चे-बहू एवं पोते-पोतियां भी उन्हें निठला समझकर उनका अनादर करते रहते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को समाज सेवा आदि में अपना समय देना प्रारंभ कर देना चाहिए।

जानिए लंबी और स्वस्थ जिंदगी का राज

नेशनल ज्योग्राफिक पत्रिका के माध्यम से अलग-अलग देशों में लंबी आयु जी रहे लोगों पर एक सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में पत्रिका ने लिखा - अगर आप अपनी जिंदगी में दस स्वस्थ साल और जोड़ना चाहते हैं तो धूम्रपान छोड़ दीजिए, सक्रिय रहिए। परिवार तथा समाज को समय दीजिए और अपने भोजन में फलों, सब्जियों तथा अंकुरित अनाज को स्थान दीजिए। इस पत्रिका ने सौ साल के एक जापानी वृद्ध से लेकर एक सौ एक वर्षीया अमेरिकी महिला तक पर अध्ययन किया और लंबी तथा स्वस्थ जिंदगी के लिए जो सबसे बड़ी बात सामने आयी, वह थी शाकाहार। शाकाहारी बनकर लंबी और स्वस्थ जिंदगी जी जा सकती है।

कैंसर को रोकते हैं सरसों और पत्तागोभी

ब्रिटेन के नारविच स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फूड रिसर्च की पत्रिका आई.एफ.आर. में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार सरसों का साग, पत्तागोभी तथा फूलगोभी को अच्छी तरह से पका कर खाते रहने से कोलोरेक्टल कैंसर के साथ ही अन्य कैंसरों में भी फायदा होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार ब्रासिका कुल की कुछ सब्जियों में एलाइल आइसोथायो साइनेट (ए.आई.टी.सी.) नामक एक ऐसा रसायन होता है जो कैंसर रोधी होता है और कैंसर को दूर करता है। इंटेस्टाइनल हेल्थ एंड फंक्शन ग्रुप के प्रोफेसर इयान जानसन के अनुसार ए.आई.टी.सी. फेफड़े के कैंसर में विशेष रूप से प्रभावी होता है।

बीमारी भगाये गीत

अगर आपसे यह कहा जाय कि आप तेज आवाज में गीत गाकर छोटी-मोटी बीमारी को भगा सकते हैं तो शायद यह आपको कुछ अजीब लगे लेकिन अब डॉक्टरों ने एक परीक्षण द्वारा यह ज्ञात किया है कि मानव की रोगों से लड़ने की क्षमता का उसके स्वास्थ्य से सीधा गहरा संबंध है और उसकी इस क्षमता को बढ़ाने का सहज उपाय है गीत गाना। जर्मनी में एक प्रयोग किया गया जिसमें एक घंटे तक अभ्यास करने वाले एक पेशेवर गायक मंडली के सदस्यों को शामिल किया गया। कार्यक्रम के शुरू होने से एक घंटा पहले और बाद में किये गये परीक्षण से यह साबित हो गया कि प्रतिरोधक तंत्रा में दबाव कम करने के लिये जिम्मेदार इम्यूनोग्लोबिन ए प्रोटीन और हाइड्रोकोट्रीसन गाना गाने के दौरान काफी बढ़ गया। ये दोनों तत्व एंटीबाडी की तरह काम करते हैं। अनुसंधानकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि गाने से न केवल प्रतिरोधक तंत्रा मजबूत होता है बल्कि गाने वाले के मिजाज में भी बदलाव आता है।

हार्ट अटैक से बचाता है सोयाबीन

अमेरिकन सोयाबीन एसोसियेशन के तकनीकी निदेशक डॉ. सुरेश इटापू के अनुसार नियमित रूप से सोयाबीन या सोयाबीन के उत्पादों का सेवन करके हार्टअटैक जैसे हृदयरोग और कैंसर जैसे घातक रोगों की संभावना कम हो जाती है। डॉ. इटापू के अनुसार इसके सेवन का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। अध्ययन से साबित हो चुका है कि सोया प्रोटीन का नियमित सेवन करके रक्त में कोलेस्ट्राल का स्तर कम किया जा सकता है।

नींद को कम कर देता है टी.वी.

लंदन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरेंस के वैज्ञानिकों के अनुसार अधिक टी. वी. देखने से जहां बच्चों में नींद की प्रक्रिया कम हो जाती है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं की सेक्स उत्तेजना बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार 'मेलैटोनिन' हारमोन का उत्पादन आमतौर पर रात के नौ बजे के करीब प्रारंभ होता है। यही हारमोन नींद आने के लिए जिम्मेवार होता है। अध्ययन में पाया गया कि जो बच्चे एक हफ्ते से टी. वी. नहीं देख रहे थे, उनमें इस दौरान नींद को नियंत्रित करने वाले हारमोन में तीस प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी प्रकार स्त्रियों पर अध्ययन करने के बाद पाया गया कि रात को ग्यारह बजे तक टी. वी. देखने वाली महिला प्रायः नित्य ही गर्मजोशी के साथ पति के आलिंगन को पाना चाह रही थी। (स्वा.द.)

व्यायाम करें, स्वस्थ रहें

हर्षित बगई

आज के आधुनिक युग में इंसान के पास वक्त ही नहीं है कि वो अपने शरीर पर ध्यान दें जिसके कारण उसे बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है जैसे कमर दर्द, पीठ दर्द आदि।

उन्हें इस बात का भ्रम होता है कि थोड़ी देर लेटने से व दर्द निवारक दवाइयों से उन्हें आराम मिलेगा परन्तु यह सोच गलत है, दर्द मिटाने का सही तरीका है व्यायाम, आइये जाने कैसे:-

काम के वक्त एक मिनट खड़े होकर अपने हाथों और पैरों को हल्के-हल्के झटके दे और हो सके तो अपने बैठने की स्थिति बदलें।

अगर काम के बीच मोबाइल पर बात करते हैं तो खड़े होकर या थोड़ा चल कर बात करें। इससे आपकी थोड़ी सैर हो जाएगी, साथ ही कमर भी सक्रिय हो जाएगी।

आपको अक्सर पीठ दर्द की शिकायत रहती है तो उसका कारण है ठीक पोस्चर में न बैठना। इसके लिए जरूरी है आप अपनी पीठ को कुर्सी पर इस तरह टिकाएं कि पीठ सीधी रहे।

वजन ज्यादा होने के कारण भी लोगों को पीठ दर्द, स्पाइन डिस्क की तकलीफें हो सकती हैं, इसलिए वजन को घटाने की कोशिश करनी चाहिए। रोजाना व्यायाम करें जिससे मांसपेशियों की जकड़न दूर हो सकें और वजन भी कम हो सके।

अधिक धूम्रपान भी आपके शरीर के लिए घातक हो सकता है। निकोटिन से निकले तत्व स्पाइन डिस्क पर असर डालते हैं और उसे कमजोर करते हैं। रक्त प्रवाह को धीमा करते हैं।

इसलिए रोजाना व्यायाम करें और स्वस्थ रहें। (स्वा.द.)

'चारधाम' भारत की अटूट आस्था, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का दिव्य उत्सव : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को केदारनाथ मंदिर और 'चारधाम' की तीर्थयात्रा को भारत की अटूट आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का दिव्य उत्सव बताया। उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने के अवसर पर मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी तीर्थयात्राएं देश की शाश्वत विरासत और आध्यात्मिक चेतना की झलक प्रस्तुत करती हैं। केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने को 'चारधाम यात्रा' की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। मोदी ने इस अवसर के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''केदारनाथ मंदिर और चारधाम तीर्थयात्रा भारत की अटूट आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है।''

प्रधानमंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए उत्तराखंड पहुंच रहे सभी श्रद्धालुओं के नाम एक पत्र भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी ओर से शुभकामनाएं व्यक्त करने के साथ ही तीर्थयात्रियों की कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना की। चारधाम यात्रा हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थलों – बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा है। श्रद्धालुओं को लिखे अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र भूमि पर पवित्र चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुल गए तथा केदारनाथ की यात्रा बुधवार से शुरू होगी, और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ के कपाट भी श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। मोदी ने कहा, ''बाबा केदारनाथ के दर्शन सहित चारों धामों की यह पवित्र तीर्थयात्रा भारत की शाश्वत सांस्कृतिक चेतना का भव्य उत्सव है। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्राओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति को एक नयी दिशा दी। जगद्गुरु रामानुजाचार्य और जगद्गुरु माधवाचार्य ने भी अपने आध्यात्मिक दर्शन को समृद्ध करने के लिए बद्रीनाथ की यात्रा की।'' मोदी ने कहा कि आज भी हिमालय की गोद में स्थित ये चारों तीर्थस्थल लोगों की शाश्वत आस्था और विश्वास के दिव्य केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि हर साल विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों के लोग वहां पहुंचते हैं, जिससे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और मजबूत होती है, तथा इस वर्ष की यात्रा इसी परंपरा का विस्तार है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विकसित उत्तराखंड की भूमिका विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण है।

'डिजिटल उपवास' रखकर उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता को जिएं श्रद्धालु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को श्रद्धालुओं से चारधाम यात्रा के दौरान 'डिजिटल उपवास' रखकर उत्तराखंड के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का आह्वान करते हुए उनसे पांच संकल्पों का भी पालन करने का आग्रह किया है। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित भगवान शिव के धाम केदारनाथ के कपाट खुलने के मौके पर सोशल मीडिया पर अपने एक शुभकामना संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि केदारनाथ सहित चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। उन्होंने कहा, '' इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं।''

हरिद्वार में अतिक्रमण कर बनायी गयी अवैध मजार ध्वस्त

हरिद्वार : उत्तराखंड में चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत बुधवार को हरिद्वार जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर बनायी गयी एक अवैध मजार को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि गढ़मीरपुर क्षेत्र के सुमन नगर इलाके में सिंचाई विभाग की भूमि पर कब्जा कर यह अवैध मजार बनायी गयी थी। सुबह अवैध मजार के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन के अनुसार, करीब एक माह पहले संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर भूमि और निर्माण से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन तय समयसीमा में कोई संतोषजनक प्रमाण न मिलने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के अनुसार, मजार को ध्वस्त किए जाने से पहले परिसर को खाली करा लिया गया था। उन्होंने बताया कि कार्रवाई से पूर्व संबंधित पक्ष ने स्वयं ही अपने जरूरी सामान हटा लिए, जिससे मौके पर किसी तरह का विवाद या तनाव उत्पन्न नहीं हुआ।

गुजरात के आणंद में 3.4 तीव्रता का भूकंप

आणंद : गुजरात के आणंद जिले में बुधवार को 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप के कारण किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित संस्थान के अनुसार, भूकंप के यह झटके शाम 4.35 बजे महसूस किए गए और इसका केंद्र आणंद से 36 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में स्थित था।

आईपीएल मैचों पर सट्टेबाजी करने वाले गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार, चार करोड़ रुपये बरामद

कानपुर : उत्तर प्रदेश के कानपुर में पुलिस ने आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से करीब चार करोड़ रुपये नकद बरामद किए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि आरोपी अवैध वेबसाइट और मोबाइल ऐप 'बेटहब24 डॉट कॉम' का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वे ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा देने के लिए 'मास्टर आईडी' और 'सब आईडी' नेटवर्क का उपयोग कर रहे थे। यह कार्रवाई शहर में आईपीएल मैचों पर सट्टेबाजी की कई शिकायतें मिलने के बाद की गई। पुलिस ने मंगलवार रात गोविंदपुरी पुल के पास एक गाड़ी को रोका और दो आरोपियों को रंगे हाथों मोबाइल फोन पर सट्टा लगाते हुए गिरफ्तार किया।

राजस्थान में पारा चढ़ा, श्रीगंगानगर 43.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म स्थान

जयपुर : राजस्थान में बुधवार को कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीगंगानगर राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा जहां तापमान 43.7 डिग्री दर्ज किया गया। इसके बाद झुंझुनूं के पिलानी में 42.7 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 42.6 डिग्री, चुरू और कोटा में क्रमश: 42.4 और 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा और अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई है।

हवाई अड्डे पर 3.89 करोड़ रुपये मूल्य के 'हाइड्रोपोनिक' गांजे के साथ यात्री पकड़ा गया

बेंगलुरु : बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आये एक यात्री को 3.89 करोड़ रुपये मूल्य के 'हाइड्रोपोनिक' गांजे के साथ पकड़ा गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत गिरफ्तार किया गया है। हाइड्रोपोनिक गांजा बिना मिट्टी के, पानी और विशेष पोषक तत्वों की मदद से उगाया जाता है। बेंगलुरु सीमा शुल्क ने एक पोस्ट में बताया, ''बैंकॉक से आये एक यात्री को रोका गया और उसके सामान में छिपाकर रखा गया 11.11 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत 3.89 करोड़ रुपये है। अभी तक व्यक्ति की पहचान उजागर नहीं की गई है।

राजस्थान: लेंसकार्ट ने कर्मचारियों को कलावा बांधने और तिलक लगाकर आने से रोका, संगठनों ने जताया विरोध

जयपुर : राजस्थान के उदयपुर में दक्षिणपंथी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को चश्मा कंपनी लेंसकार्ट द्वारा लागू किये गये नियमों का विरोध जताया और इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को कलावा बांधा और उन्हें तिलक भी लगाया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कंपनी ने नियम बनाए कि हिंदू कर्मचारी कलावा बांधकर और तिलक लगाकर शोरूम नहीं आएंगे। वहीं महिला कर्मचारी सिंदूर कम लगाएंगी और बिंदी का प्रयोग नहीं करेंगी।

टीसीएस मामला : अदालत ने गिरफ्तार सॉफ्टवेयर पेशेवर को अंतरिम राहत देने से इनकार किया

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक स्थित एक अदालत ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के कर्मचारी दानिश शेख को कथित यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण से संबंधित एक अन्य मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इस मामले में दर्ज नौ प्राथमिकियों में से एक में 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर पेशेवर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। उसने मुंबई नाका थाने में दर्ज मामले में अंतरिम जमानत मांगी है। बचाव पक्ष ने मुख्य याचिका पर निर्णय होने तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत मांगी थी। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि उसे अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद अदालत ने मंगलवार को शेख को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया और अभियोजन पक्ष को 27 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इस विशेष मामले में, शेख पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर किए गए कृत्य) और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। टीसीएस की स्थानीय इकाई में महिला कर्मचारियों के कथित शोषण, जबरन धर्मांतरण के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न के संबंध में दर्ज कुल नौ मामलों की जांच एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही है। टीसीएस की नासिक इकाई में कार्यरत एक महिला एचआर मैनेजर सहित आठ कर्मचारियों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों ने भी जमानत याचिका दायर की है जिस पर आने वाले दिनों में सुनवाई होगी।

राहुल ने तमिलनाडु, बंगाल में कांग्रेस और सहयोगियों के पक्ष में मतदान की अपील की

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले बुधवार को राज्य के लोगों से अपनी पहचान, भाषा और अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस-द्रमुक गठबंधन को वोट देने का आग्रह किया और कहा कि इन दोनों दलों का सामाजिक न्याय का गौरवपूर्ण इतिहास है और वह इसे जारी रखने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लोगों से कांग्रेस का समर्थन करने का आह्वान किया और कहा कि यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ- सुथरी सरकार चलाई होती और बंगाल में ध्रुवीकरण नहीं करतीं तो भाजपा के लिए रास्ता नहीं खुलता। उन्होंने कहा कि विचारधारा की लड़ाई में सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है।

उत्तराखंड : केदारनाथ धाम के कपाट खुले, मुख्यमंत्री धामी भी हुए शामिल

देहरादून : सर्दियों में छह माह बंद रहने के बाद बुधवार को सुबह पूरे विधि विधान के साथ केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए फिर खोल दिए गए, जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गयी। ग्यारह हजार फुट से अधिक की उंचाई पर रुद्रप्रयाग जिले में स्थित ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग के कपाट विशेष पूजा अर्चना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सुबह आठ बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पत्नी गीता के साथ इस मौके पर उपस्थित थे। मंदिर के कपाट खोले जाने की प्रक्रिया सुबह पांच बजे शुरू हुई। इसके बाद, मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) भीमाशंकर लिंग, पुजारी टी गंगाधर, मुख्यमंत्री धामी, केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल, पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती सहित अन्य

धर्माचार्यों एवं वेदपाठियों ने गर्भगृह में प्रवेश कर विधिवत पूजा-अर्चना की और ठीक आठ बजे कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। सुहावने मौसम में मंदिर प्रांगण में मौजूद हजारों श्रद्धालु कपाट खुलने के अवसर के साक्षी बने। कपाट खुलने के मौके पर सिख रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय धुनों से पूरा वातावरण अलौकिक हो उठा और अपार उत्साह से भरे श्रद्धालु 'बम-बम भोले', 'हर हर महादेव' और 'जय बाबा केदार' के जयकारे लगाते नजर आए। इस मौके पर भगवान शिव के धाम को विभिन्न प्रकार के 51 क्विंटल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था जहां अत्यंत मोहक रूप से 'सांब सदाशिव' लिखा हुआ था।

आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के मापदंड परिभाषित करना कठिन है: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि किसी धार्मिक संप्रदाय की किसी प्रथा को आवश्यक या गैर-आवश्यक घोषित करने के लिए स्पष्ट मापदंड तय करना न्यायिक मंच के लिए बेहद कठिन कार्य है। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक प्रथाओं और महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान की।पीठ ने कहा कि यदि किसी संप्रदाय में कुछ परंपराओं का पालन होता है, तो उन्हें स्वत: अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं माना जा सकता, विशेषकर तब जब वे नैतिकता, सार्वजनिक व्यवस्था और स्वास्थ्य के विरुद्ध हों।

पहलगाम हमला: वायुसेना के कॉर्पोरल तागे हैलियांग को उनकी पहली पुण्यतिथि पर नमन किया

ईटानगर : अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले के तजांग गांव में बुधवार को वायुसेना के कॉर्पोरल तागे हैलियांग को उनकी पहली पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों में कॉर्पोरल हैलियांग भी शामिल थे। एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह कहा गया कि इस अवसर पर, तागे हैलियांग के पिता तागे ताडे ने राके स्मारक पर सैनिक की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा को पारंपरिक सफेद स्कार्फ और गेंदे के फूलों से सजाया गया था, जबकि पास में लगी तीन काली ग्रेनाइट की पट्टियों पर तागांग गांव से भारतीय वायुसेना में सेवा करने तक के उनके सफर का वर्णन किया गया है। सैनिक की स्मृति में कुछ पल का मौन रखा गया। जीरो-हापोली विधायक हागे अप्पा ने भी हैलियांग को श्रद्धांजलि दी। ताडे ने एक भावुक संबोधन में कहा कि उन्हें अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है जिसने स्थानीय युवाओं को प्रेरित किया है।

हिमाचल के एक गांव में पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर और 'पीआईए' लिखा गुब्बारा मिला

शिमला : हिमाचल प्रदेश के चंबा ज़िले के एक गांव के पास झाड़ियों में बुधवार को सफेद और नीले रंग का एक गुब्बारा मिला जिस पर अंग्रेजी में 'पीआईए' लिखा था और पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर छपी थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। नागली ग्राम पंचायत के एक पूर्व प्रधान ने गुब्बारा देखने के बाद खैरी पुलिस थाने को सूचना दी। इसके बाद डलहौजी के पुलिस उपाधीक्षक मयंक शर्मा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने गुब्बारे को मालखाने में सुरक्षित रखवा दिया है और जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ ही दिन पहले इसी इलाके में ऐसा ही एक गुब्बारा मिला था। इस तरह के गुब्बारे राज्य के कई जिलों में समय-समय पर मिलते रहते हैं।

विपक्षी दल ने महिला आरक्षण कानून लागू करने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाया : तेजस्वी

सूर्या पुणे : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन के प्रयासों को नुकसान पहुंचाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र 2029 के आम चुनावों में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने के प्रयासों को विपक्ष ने विफल कर दिया। सूर्या ने कहा, यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने महिला आरक्षण का विरोध किया है। वर्ष 1996 से 2026 तक यह विधेयक कई बार पेश किया गया और विभिन्न कारणों से अटका रहा। इसका बार-बार विरोध करना महिलाओं के लिए प्रगतिशील सुधारों के खिलाफ एक पैटर्न को दर्शाता है। सूर्या ने

कहा कि तत्कालीन कानून मंत्री डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने हिंदू संहिता विधेयक, विशेषकर महिलाओं के अधिकारों से जुड़े प्रावधानों को लेकर मतभेद के चलते प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्या ने शाह बानो मामले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अधिकार देने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी कर दिया था, जिसे उन्होंने गरीब मुस्लिम महिलाओं के साथ अन्याय बताया।

त्रिशूर की पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट में मृतकों की संख्या 14 हुई

त्रिशूर (केरल) : त्रिशूर के मुंडाथिकोड स्थित पटाखा बनाने वाली एक इकाई में हुए विस्फोट में घायल एक और व्यक्ति की मौत के साथ मृतकों की संख्या बुधवार को 14 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि कई शवों के डीएनए परीक्षण के बाद यह संख्या और बढ़ने की आशंका है। त्रासदी की गंभीरता को देखते हुए केरल सरकार ने इस विस्फोट को 'राज्य-विशिष्ट आपदा' घोषित किया और घटना में मारे गए लोगों के आश्रितों के लिए 14-14 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में घटना की जांच करने के लिए केरल उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सी एन रामचंद्रन नायर के नेतृत्व में एक सदस्यीय न्यायिक आयोग की नियुक्ति का भी निर्णय लिया गया। जिला प्रशासन के एक बयान के अनुसार, विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए प्रवीण (45) की अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में मौत हो गई।

उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव विस्फोट मामले में चार आरोपियों को आरोपमुक्त किया

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले में चार लोगों के खिलाफ आतंकवाद सहित सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें आरोपमुक्त करार दिया। इस फैसले के साथ यह सवाल अनुत्तरित रह गया कि उन विस्फोटों के लिए कौन जिम्मेदार था, जिनमें 31 लोगों की मौत हुई थी। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की खंडपीठ ने चारों आरोपियों राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा द्वारा विशेष एनआईए अदालत के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों को मंजूर कर लिया। विशेष अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। इन चारों पर भारतीय दंड संहिता की हत्या और आपराधिक साजिश से संबंधित विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। साथ ही उन पर कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। आठ सितंबर 2006 को नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में चार बम विस्फोट हुए थे। इनमें से तीन धमाके शुक्रवार की नमाज के बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर में हुए थे, जबकि चौथा धमाका मुशावरत चौक में हुआ था। इस घटना में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 312 लोग घायल हुए थे। विस्फोटों की जांच में कई मोड़ और उतार-चढ़ाव देखने को मिले। शुरुआती जांच एजेंसियों ने दावा किया था कि इसकी साजिश मुस्लिम आरोपियों द्वारा रची गई थी, लेकिन बाद में मामले की जांच करने वाले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कहा कि इन विस्फोटों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथी थे।

जनगणना के पहले चरण में 26 लाख से अधिक परिवारों ने स्व-गणना सुविधा का लाभ उठाया: रजिस्ट्रार जनरल

नयी दिल्ली : देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जारी जनगणना अभियान के पहले चरण के दौरान 26 लाख से अधिक परिवारों ने स्व-गणना सुविधा का लाभ उठाया है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरजीआई ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि ये आंकड़े जनगणना 2027 के लिए डिजिटल पहल में बढ़ती भागीदारी दर्शाते हैं। आरजीआई ने कहा, ''ऑनलाइन जानकारी प्रदान करने का विकल्प चुनकर, इन परिवारों ने राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का एक तेज, स्मार्ट और अधिक सुविधाजनक तरीका अपनाया है। चरण एक - गृह सूचीकरण और आवास गणना के लिए स्व-गणना सुविधा वर्तमान में चुनिंदा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में जारी है।''

भारत की उदारता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

कलबुर्गी (कर्नाटक) : उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि भारत आतंकवाद से एकजुट होकर लड़ना जारी रखेगा, लेकिन देश की ''उदारता'' को ''कमजोरी'' नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने ये बातें कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नारी शक्ति का उदय शिक्षा, अनुसंधान, शासन, उद्यमिता, नवाचार, अंतरिक्ष अनुसंधान और सशस्त्र बलों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में समानता, सशक्तिकरण और नेतृत्व की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा को दर्शाता है। सशस्त्र बलों की महिला अधिकारियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गयी प्रेस वार्ता का जिक्र करते हुए उन्होंने 22 अप्रैल को

पहलगाम में हुए 2025 के आतंकी हमले को याद किया, जिसमें 26 पर्यटकों की जान गई थी। उन्होंने कहा, ''वे (आतंकवादी) कितने क्रूर थे? पत्नी के सामने ही पति की हत्या कर रहे थे। लेकिन हमें आतंकवाद से लड़ना होगा। हमें अपने दुश्मनों से लड़ना होगा। हम हमेशा साथ रहना चाहते हैं और सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझना चाहिए, यह हमारी उदारता है।'' उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देशभर के दीक्षांत समारोहों में पदक विजेताओं में महिलाओं की संख्या लगातार अधिक रहती है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने स्नातक छात्रों से समाज और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत की परिकल्पना सभी नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही प्राप्त की जा सकती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आप (स्नातकोत्तर छात्र) समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान देने की जिम्मेदारी निभाते हैं। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का सपना एक साझा राष्ट्रीय मिशन है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 5.73 करोड़ मतदाता 4,023 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे

चेन्नई : तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता 4,023 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इस चुनावी मुकाबले में धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) की प्रमुख पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रमुख पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) आमने-सामने हैं। द्रमुक जहां सत्ता बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत लगा रही है, वहीं अन्नाद्रमुक पांच साल तक विपक्ष में रहने के बाद सत्ता में वापसी के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री और द्रमुक के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने आश्वासन दिया है कि वह तमिलनाडु को दक्षिण एशिया में एक मॉडल राज्य

में बदल देंगे जबकि अन्नाद्रमुक के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से गलत व्यक्ति को न चुनने की अपील की है। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय पहली बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। वह चेन्नई के पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से चुनाव लड़ रहे हैं। विजय ने पलानीस्वामी पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री अपने गृह जिले सलेम के बाहर किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़कर जीत सकते हैं? चुनाव के लिए प्रचार 21 अप्रैल को समाप्त हुआ। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार यानी 23 अप्रैल को होगा जबकि मतगणना चार मई को होगी।

कांग्रेस और सपा का इतिहास ही नारी-विरोध का : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक के विरोध को लेकर बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ''कांग्रेस और सपा का तो इतिहास ही नारी-विरोध का रहा है''। उन्होंने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि संशोधन विधेयक पारित नहीं होने पर जश्न मनाने वालों के रहते महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन खतरे में है। मुख्यमंत्री ने 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसद आरक्षण दिलाने की पहल करते हुए संसद में संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी(सपा), तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम

(द्रमुक) ने इसका विरोध किया और जब यह विधेयक पारित नहीं हो पाया तो इन दलों के सदस्य तालियां बजाते और 'हंसते-नाचते' हुए सदन से बाहर निकले। मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा ने तय किया है कि जो लोग आधी आबादी को मिलने वाले उनके जायज अधिकारों पर प्रहार करते हों, उनमें बाधा उत्पन्न करते हों, उन लोगों को सबक सिखाने की आवश्यकता है क्योंकि उनके रहते आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और उनका स्वावलंबन खतरे में है और इसके लिए जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं।'' योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस को महिलाओं, दलितों और पिछड़ी जातियों की विरोधी बताते हुए कहा, ''कांग्रेस और सपा का इतिहास ही नारी-विरोध का रहा है। कांग्रेस के इतिहास को कौन नहीं जानता। नारी को उसका अधिकार मिले, वंचितों, दलित और पिछड़ी जातियों को उनका हक मिले, इसमें कांग्रेस हमेशा बाधक रही। समाजवादी पार्टी तो घोषित रूप से नारी विरोधी है। उसके लिए तो नारा ही गूंजता था कि 'देख सपाई बिटिया घबराई'।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं आज बिना रोक-टोक हर क्षेत्र में नेतृत्व दे रही हैं, लेकिन यह नेतृत्व और सशक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के लिए जरूरी है कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी भी मिले। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण अपने आप में एक सुधार है और यह समय की आवश्यकता के अनुरूप किए जाने वाले परिवर्तन का एक हिस्सा भी है।

जयपुर प्रशासन ने भीषण गर्मी के मद्देनजर 27 अप्रैल से विद्यालयों का समय बदलने का आदेश दिया

जयपुर: राजस्थान की राजधानी जयपुर में भीषण गर्मी के मद्देनजी जिला प्रशासन ने विद्यालयों के समय में बदलाव करने का फैसला किया है। जिला प्रशासन के मुताबिक 27 अप्रैल से राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगा। यह निर्णय नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक की कक्षाओं पर लागू होगा। इस संबंध में जयपुर के जिला कलेक्टर संदेश नायक ने शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। जिला प्रशासन के अनुसार यह निर्णय भीषण गर्मी के मद्देनजर लिया गया है, ताकि छोटे बच्चों को दोपहर की तेज धूप और लू से बचाया जा सके। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन को आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई विद्यालय या संस्था इन आदेशों की अवहेलना करता है, तो उसके खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर के मुताबिक प्रशासन विद्यालयों में समय परिवर्तन की निगरानी भी करेगा।

गाजियाबाद में इमारत की 29वीं मंजिल से गिरने से महिला की मौत

गाजियाबाद (उप्र): गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम इलाके में बुधवार की सुबह एक आवासीय सोसाइटी की 29वीं मंजिल से संदिग्ध हालात में गिरने से 65 साल की महिला की मौत हो गयी। इंदिरापुरम के सहायक पुलिस आयुक्त अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि अहिंसा खंड में स्थित 'ट्राइन टावर्स' सोसाइटी की 29वीं मंजिल से गिरकर फूलवती नामक महिला की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि फूलवती एक कार पर गिरी थी। श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजन के शुरुआती प्रतिरोध के बाद उन्हें समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भिजवाया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि फूलवती 19 अप्रैल को अपनी बेटी की शादी की सालगिरह मनाने के लिए सोसाइटी आई थीं और तब से वहीं रह रही थीं। श्रीवास्तव ने बताया कि कांच टूटने की तेज आवाज सुनकर सुरक्षा गार्ड तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने फौरन सोसाइटी के निवासियों को इसकी सूचना दी। परिजन के मुताबिक कुछ महीने पहले पति की मौत के बाद से फूलवती मानसिक समस्याओं से जूझ रही थीं।

राजस्थान: ट्रक ने स्कूल बस को मारी टक्कर, एक छात्र की मौत

जयपुर: राजस्थान के बाड़मेर जिले के बायतु थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-25 पर बुधवार सुबह एक ट्रक ने निजी स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एक छात्र की मौत हो गई जबकि 12 अन्य छात्र घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक करीब 50 फीट तक बस को घसीटते हुए ले गया और उसका अगला हिस्सा बस के पीछे जा चिपका। पुलिस के मुताबिक बस में करीब 36 बच्चे सवार थे और हादसे के बाद कई बच्चे उसी में फंस गए, जिन्हें पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार, बस में सवार छात्र एवं भीमरलाई स्टेशन निवासी विरधार-राम की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल दो बच्चों को जोधपुर रेफर किया गया। अन्य 10 घायल छात्रों का बालोतरा के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा हैं। घायलों में कई बच्चों के हाथ-पैर टूट गए हैं।

झारखंड: रियल एस्टेट कारोबारी से 1.2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर: झारखंड के पलामू जिले में एक रियल एस्टेट कारोबारी से 1.2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में कई आपराधिक मामलों में वांछित एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 55 वर्षीय पीड़ित ने 'टाउन' थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके बाद मंगलवार को छापेमारी के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मेदिनीनगर के एसडीप-ीओ राजीव रंजन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हाउसिंग कॉलोनी निवासी जयप्रकाश शुक्ला नाम के आरोपी को नंदकुमार यादव नाम के कारोबारी से फोन पर 1.2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान: देश भर में साइबर ठगी करने वाले गिरोह के 38 लोग गिरफ्तार

जयपुर: डूंगरपुर जिले में पुलिस ने देश भर में 10 करोड़ रुपये से अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इसके 38 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर नकेल कसने के विशेष 'ऑपरेशन म्यूल हंट' के तहत पिछले 15 दिन में ये गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 15 दिन में 'ऑपरेशन म्यूल हंट' के तहत डूंगरपुर जिले के अलग-अलग इलाकों से 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।'' पुलिस के अनुसार, आरोपी देश भर में दर्ज ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में शामिल थे और उन्होंने लोगों से करोड़ों रुपये ठगने की बात कबूल की है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक आरोपियों के खिलाफ कुल 17 मामले दर्ज किए गए हैं और शुरुआती जांच के मुताबिक इनके द्वारा 10 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। यह आगे जांच में और भी बढ़ेगी।

न्यूज अपडेट

पटना हवाई अड्डे पर टाइल्स गिरना भाजपा के भ्रष्टाचार का प्रमाण : तेजस्वी

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बाहरी टाइल्स गिरने की घटना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के ''भ्रष्टाचार और लूट'' का प्रमाण है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह आरोप घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लगाया। उन्होंने दावा किया कि नवनिर्मित यात्री टर्मिनल भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष 29 मई को चुनाव से पहले जल्दबाजी में किया था, लेकिन कुछ ही महीनों में टर्मिनल परिसर की टाइलें उखड़ने लगीं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया, ''भ्रष्ट भाजपा नेताओं और उनके गिरोह द्वारा की गई कथित लूट का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता अपने वफादार ठेकेदारों से घटिया काम कराते हैं और फिर जनता के धन का आपस में बंटवारा कर लेते हैं।'' उन्होंने कहा कि यदि यह टाइल्स किसी यात्री या हवाई अड्डा कर्मी पर गिरती, तो गंभीर क्षति हो सकती थी। इस बीच, हवाई अड्डा प्रशासन ने कहा कि यह टाइल्स आगमन परिसर के एक स्तंभ से गिरी थी और घटना के तुरंत बाद निरीक्षण शुरू कर दिया गया। हवाई अड्डा प्रशासन ने सोशल मीडिया मंच पर जारी संदेश में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि आगमन परिसर में स्थित एक स्तंभ से बाहरी टाइल्स गिरी थी। तत्काल निरीक्षण और आकलन शुरू कर दिया गया है। साथ ही दोबारा ऐसी घटना न हो, इसके लिए पूरे टर्मिनल में एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।''

मौसम विभाग ने झारखंड में लू और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया

रांची: भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के चार जिलों में बृहस्पतिवार के लिए लू का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने राज्य के कई क्षेत्रों में 24 अप्रैल से तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। राज्य में वर्तमान में तापमान 34.6 से 43.4 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। आईएमडी ने कहा कि राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित चार जिलों दुमका, जामताड़ा, धनबाद और बोकारो में बृहस्पतिवार के लिए लू का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा कि 24, 25 और 26 अप्रैल को हल्की से मध्यम बारिश, 30-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं, आंधी-तूफान की संभावना है। शुक्रवार को राज्य के 14 उत्तर-पूर्वी जिलों में बारिश की संभावना है और 25 अप्रैल को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्य क्षेत्र के कुछ जिलों में बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग द्वारा बुधवार दोपहर एक बजे जारी किये गए बुलेटिन के अनुसार, रविवार को पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी रांची के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा, ''अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है। उसके बाद दो दिनों में इसमें दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। लू और हल्की से मध्यम बारिश को लेकर येलो अलर्ट (अद्यतन हो सकता है) जारी किया गया है।''

बिहार :भागलपुर में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत

पटना: बिहार के भागलपुर जिले में सेप्टिक टैंक कर सफाई के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कदवा थाना क्षेत्र में सफाई के लिए सेप्टिक टैंक में उतरे तीन मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आ गए, उन्हें बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और इससे पूरा प्रशासन स्तब्ध है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया।

भाजपा एक 'संगठित गिरोह' है : अखिलेश यादव

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक 'संगठित गिरोह' करार देते हुए बुधवार को कहा कि नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना ही सत्तारूढ़ दल का प्रिय एजेंडा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में लोकसभा और विधानसभा में अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए सुरक्षित सीट पर सपा की ओर से पूर्व में खड़े किये गए प्रत्याशियों और नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा का आचरण निम्न स्तरीय है और वह समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा संगठित गिरोह है। नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना भाजपा का प्रिय एजेंडा है।' यादव ने भाजपा पर महिला आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि देश में महिला आरक्षण कानून 2023 में ही लागू हो चुका है, लेकिन भाजपा के नेता झूठ बोलने से नहीं बाज आ रहे है। उन्होंने कहा, 'देश की जनता भाजपा के झूठ और भ्रामक प्रचार को समझ रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की एकता से घबराई भाजपा जनता के बीच इसी तरह का प्रोपेगेंडा चलाती है। भाजपा भ्रष्टाचार, लूट, महंगाई, बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए झूठ का सहारा लेती है।'

भाजपा की महिला नेताओं ने पप्पू यादव की विवादित टिप्पणी की निंदा की, सार्वजनिक माफी की मांग

पटना: बिहार में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला नेताओं ने बुधवार को निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की कथित विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की और विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाने को कहा। कांग्रेस समर्थक और पूर्णिया से लोकसभा सदस्य पप्पू यादव ने हाल में आरोप लगाया था कि राजनीतिक जीवन में महिलाएं ''पुरुषों के बेडरूम के रास्ते'' आगे बढ़ती हैं। पटना स्थित बिहार भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य की पूर्व खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा, ''हम पप्पू यादव की अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हैं। यह केवल किसी व्यक्ति की सोच नहीं दर्शाती, बल्कि उनके संस्कार और महिलाओं के प्रति उनकी मानसिकता को भी उजागर करती है।' उन्होंने

सांसद से देश की सभी महिलाओं से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की। श्रेयसी सिंह ने कांग्रेस को यादव का ''संरक्षक'' बताते हुए कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा को स्पष्ट करना चाहिए कि वे उनकी भाषा का समर्थन करते हैं या विरोध। उन्होंने कहा कि जब पप्पू यादव की पत्नी राज्यसभा और लोकसभा दोनों की सदस्य रह चुकी हैं, तब वह ऐसी टिप्पणी कैसे कर सकते हैं। श्रेयसी सिंह ने कहा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हर कार्यकर्ता ऐसे लोगों को चुनावी मैदान में और सामान्य जनजीवन में करारा जवाब देने को तैयार है। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि ऐसे नेता महिलाओं को घेरने और डराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'महिलाओं ने संघर्ष के बल पर समाज में अपनी जगह बनाई है। यदि कोई व्यक्ति किसी पेशे विशेष को निशाना बनाकर ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करता है, तो सोचिए महिलाओं और उनके अभिभावकों पर क्या गुजरती होगी। एक पल के लिए मैंने भी सोचा कि मेरे माता-पिता मेरी सुरक्षा को लेकर क्या सोचेंगे।'

राहुल गांधी मानहानि मामला: एमपी-एमएलए अदालत में धारा 311 पर बहस पूरी, आदेश दो मई को

सुलतानपुर (उप्र): लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं रायबरेली से सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में बुधवार को एमपी-एमएलए अदालत में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 311 से संबंधित आवेदन पर बहस हुई। अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रखते हुए दो मई को फैसला सुनाने की तिथि निर्धारित की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय द्वारा दायर धारा 311 के आवेदन पर अदालत में बहस हुई। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद निर्णय के लिए अगली तारीख दो मई तय की। पिछली सुनवाई 17 अप्रैल को हुई थी। इससे पूर्व 28 मार्च की सुनवाई में वादी पक्ष ने राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेने और उसकी फोरेंसिक जांच कराने की मांग की थी। इसके लिए सीआरपीसी की धारा 311 सहपठित धारा 91 के तहत आवेदन

प्रस्तुत किया गया था, जिसमें आवाज के नमूने का मिलान पहले से दाखिल सीडी से, विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फॉरेंसिक लैब) में कराने का अनुरोध किया गया था। इस मांग का राहुल गांधी के अधिवक्ताओं ने विरोध किया था। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्रा द्वारा अक्टूबर 2018 में दर्ज कराया गया था। इस प्रकरण में राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को अदालत में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत प्रदान की थी।

रिफाइनरी परियोजना में राज्य को 26 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रधानमंत्री की वजह से मिली: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि 'एचपीसीएल-राजस्थान ऑयल रिफाइनरी' परियोजना में राज्य सरकार को 26 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से मिली थी। शर्मा के इस बयान पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की। शर्मा ने चूरू में 'शौर्य के साथ संकल्प दिवस' कार्यक्रम के बाद एक जनसभा में कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान को रिफाइनरी परियोजना में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी दी थी। रिफाइनरी का उद्घाटन मंगलवार को होना था लेकिन एक दिन पहले सोमवार को बालोतरा जिले के पच-पदरा स्थित रिफाइनरी के एक हिस्से में आग लगने के कारण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भ्रामक बयान देकर रिफाइनरी परियोजना में हुई देरी और हालिया हादसे से ध्यान भटकाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आग की घटना के दो दिन बाद भी दुर्घटना के कारणों पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। गहलोत ने कहा कि राज्य की हिस्सेदारी 2013 में ही तय हो गई थी, जब परियोजना की नींव रखी गई थी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने भी मुख्यमंत्री पर तथ्यात्मक रूप से गलत व भ्रामक बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आधिकारिक रिकॉर्ड में स्पष्ट है कि 2013 में ही हिस्सेदारी तय हो चुकी थी। जूली ने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि सार्वजनिक बयान देने से पहले तथ्यों की पूरी तरह से जांच कर लें। उन्होंने यह भी कहा कि 2013 से 2018 के बीच, जब राज्य में भाजपा की सरकार थी, परियोजना का काम ठप पड़ा रहा।

बंदरिया ने बच्ची को एक घंटे तक 'संभाला', बाद में सुरक्षित बचायी गयी

मुजफ्फरनगर (उप्र): मुजफ्फरनगर जिले के चरथावल कस्बे में हुई एक दिलचस्प घटना के तहत घर में घुसी एक बंदरिया ने तीन महीने की बच्ची को करीब एक घंटे तक अपने कब्जे में ले रखा और परिजन को उसके पास नहीं जाने दिया। बाद में एक पशु प्रेमी ने बंदरिया का ध्यान बंटाकर बच्ची को बचाया। पुलिस ने बताया कि इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने बुधवार को बताया कि चरथावल कस्बे में एक घर में मंगलवार की शाम को घुसी एक बंदरिया तहसीन नामक महिला की तीन माह की बेटी कुलसुम के पास बैठ गयी। उन्होंने बताया कि बच्ची से बिल्कुल सटकर बैठी बंदरिया से घबराये परिजन ने कुलसुम को वहां से हटाने और बचाने की कोशिश की मगर बंदरिया ने उन्हें पास नहीं आने दिया। अधिकारियों ने बताया कि बंदरिया करीब एक घंटे तक बच्ची के पास रही और इस दौरान वह उसका खासा ख्याल करती दिखी और उसे जरा भी चोट नहीं पहुंचायी। उन्होंने बताया कि आखिरकार एक पशु प्रेमी सनी चोपड़ा की मदद से बंदरिया का ध्यान भटकाकर बच्ची को बिना किसी चोट के सुरक्षित बचाया गया। चोपड़ा ने कहा, 'मैं सावधानी से बंदरिया के पास पहुंचने और बच्ची को सुरक्षित वापस लाने में कामयाब रहा। बच्ची को तुरंत उसके परिवार को सौंप दिया गया।'

बिहार मंत्रिमंडल आईआईटी पटना के लिए 344 करोड़ रुपये और 11 नए टाउनशिप को मंजूरी दी

पटना: बिहार मंत्रिमंडल ने बुधवार को विकास, रोजगार, धार्मिक पर्यटन, महिला सुरक्षा और शहरी विस्तार से जुड़े 22 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक राज्य में 11 नए टाउनशिप ,भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)पटना के लिए 344 करोड़ रुपये, 75 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के आधुनिकीकरण तथा सारण जिले के सोनपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर के विकास सहित कई निर्णय लिये गये। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 75 आईटीआई को आधुनिक कौशल केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस योजना पर कुल 3,615 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसमें राज्य सरकार 1,192 करोड़ रुपये का अंशदान करेगी। उन्होंने

बताया कि राज्य सरकार ने आईआईटी पटना में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 344 करोड़ रुपये के पैकेज की भी मंजूरी दी है। इसमें 305 करोड़ रुपये की लागत से 'रिसर्च पार्क' तथा 39 करोड़ रुपये से 'इनक्यूबेशन सेंटर' के दूसरे चरण का निर्माण किया जाएगा। चौधरी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सोनपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर परिसर का विकास काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर करने का निर्णय लिया और इसपर 680 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि महिला सुरक्षा के मद्देनजर मंत्रिमंडल ने 1,500 महिला पुलिसकर्मियों को स्कूटी तथा 3,200 पुलिसकर्मियों को मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इस पर कुल 66.75 करोड़ रुपये खर्च होंगे। चौधरी के मुताबिक शहरी विकास के तहत राज्य में 11 नए 'ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप' विकसित किये जाएंगे। चयनित क्षेत्रों में भूमि क्रय-विक्रय और निर्माण गतिविधियों पर नियमानुसार नियंत्रण लगाया जाएगा। मंत्रिमंडल ने आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) और पुलिस डेटा सेंटर भवन निर्माण के लिए 172.8 करोड़ रुपये तथा अग्निशमन सेवाओं के लिए 62 मीटर हाइड्रोलिक अग्निशमन उपकरण की खरीद के लिए 18 करोड़ रुपये मंजूर किये। चौधरी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए 50 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने तथा चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के लिए सात एकड़ भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में पर्यटन और संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोनपुर तथा अजगैबीनाथ मंदिर क्षेत्र में 'ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों' (पूरी तरह से नया हवाई अड्डा) के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कराने को मंजूरी दी गई। इस पर 5.06 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मतदान करने पश्चिम बंगाल रवाना हुए लखनऊ के बंगाली, खानपान बना सियासत का मुद्दा

लखनऊ/कोलकाता: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक रेस्तरां में कबाब बनाने वाले शफीकुल और स्थानीय पुजारी तारक नाथ भट्टाचार्य , पश्चिम बंगाल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में अपने-अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए गृह राज्य के लिए रवाना हो गए। इनके अलावा कई अन्य लोग भी मतदान के पूर्वी राज्य रवाना हुए हैं। इस चुनाव में घुसपैठिये, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के अलावा संभवत: यह पहला मौका है जब 'शाकाहारी बनाम मांसाहारी' का मुद्दा जोर पकड़ चुका है। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस जहां एक ओर यह आरोप लगा रही है कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आती है, तो मछली, मांस और अंडे खाने पर प्रतिबंध लगा देगी। पश्चिम बंगाल का मुख्य भोजन मछली और भात (चावल) है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के इस आरोप को खारिज करने के लिए पार्टी के कुछ नेताओं से सार्वजनिक रूप से मछली और मांस का सेवन करवाया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को इस बहस को और हवा देते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''मछली खाना चाहते हैं, तो मैं खुद उनके लिए मछली पकाऊंगी।' 'माछ भात-ए बंगाली'

(मछली-भात ही बंगाली की पहचान है) की कहावत दोहराते हुए भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि बंगाल के घरों में मछली और चावल भोजन का मुख्य हिस्सा हैं। लखनऊ के हरि सभा मंदिर में पुजारी के तौर पर काम करने वाले भट्टाचार्य पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा विधानसभा क्षेत्र में मतदान करने की तैयारी में हैं, जहां बृहस्पतिवार को पहले चरण में मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर की संभवाना जताते हुए भट्टाचार्य ने अपने गृह राज्य में चल रही 'शाकाहारी बनाम मांसाहारी' की बहस पर हैरानी जताई। उन्होंने याद दिलाया कि साल 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भी भाजपा को पश्चिम बंगाल में 'बाहरी' पार्टी के तौर पर पेश किया गया था, यानी एक ऐसी पार्टी, जो बंगाल की राजनीति और संस्कृति को नहीं समझती। भट्टाचार्य ने कहा, 'उस समय यह बात केवल इक्का-दुक्का बयानों तक ही सीमित थी, लेकिन इस बार हमने देखा है कि नेता हाथ में मछली लेकर घूम रहे हैं और सबके सामने मांसाहारी भोजन कर रहे हैं जो कि बहुत ही अजीब बात है।' डेबरा सीट पर भाजपा के राजीव बनर्जी का मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के सुभाषिस ओम से है। लखनऊ में एक मांसाहारी रेस्तरां में खानसामा का काम करने वाले शफीकुल मालदा जिले की चंचल विधानसभा सीट के मतदाता हैं और वह भी खाने को लेकर चल रही इस बहस से हैरान हैं। उन्होंने कहा, 'लखनऊ और उत्तर प्रदेश के दूसरे हिस्सों में कई मांसाहारी रेस्तरां में पश्चिम बंगाल के लोग खानसामा या सहायक का काम करते हैं।

भारत में एफवन रेस होना शानदार होगा: एलेक्स एल्बोन

नयी दिल्ली : भारत में फॉर्मूला वन (एफवन) की वापसी के प्रयासों के बीच विलियम्स के ड्राइवर एलेक्स एल्बोन ने बुधवार को कहा कि इसकी वापसी 'शानदार' होगी और वह इसका हिस्सा बनने के लिए 'उत्साहित' होंगे। इंडियन ग्रांप्री 2011 से 2013 तक आयोजित की गई थी, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी बाधाओं के कारण इसे बंद कर दिया गया था। खेल मंत्री मनसुख मांडविया अब 2027 सत्र से एफवन को भारत में वापस लाने के लिए प्रयासरत हैं। एल्बोन ने 'फैनकोड' द्वारा आयोजित चुनिंदा संवाददाताओं से बातचीत में पीटीआई के प्रश्न के जवाब में कहा, ''भारत में रेस होना शानदार होगा। मैं वहां ड्राइव करने के लिए उत्साहित रहूंगा। मैंने जो सुना है, उसके अनुसार हाल ही में पूरे भारत में एफवन के प्रति काफी रुचि देखी गई है।'' भारत में ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट ने इस रेस के तीन सत्रों की मेजबानी की थी। एल्बोन ने कहा, ''मुझे इस ट्रैक पर गाड़ी चलाने का मौका कभी नहीं मिला। यह एक शानदार सर्किट लगता है और मुझे लगता है कि उस समय ड्राइवरों ने इसका खूब आनंद लिया होगा।

अभिषेक शर्मा शतक को आसान बना देते हैं, पुजारा ने कहा

हैदराबाद : भारत के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए उन्हें एक खास प्रतिभा बताया है। सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज के आईपीएल मैच में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाने के बाद पुजारा ने उनकी तारीफ की। अभिषेक ने तूफानी पारी खेलते हुए 68 गेंद में नाबाद 135 रन बनाए जिससे सनराइजर्स ने दो विकेट पर 242 रन बनाए और फिर 47 रन से जीत दर्ज की। पुजारा ने कहा, ''अभिषेक शर्मा ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक (इस सत्र का पहला) बनाया। वह शतक बनाना बहुत आसान कर देते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''उनके रन सनराइजर्स के लिए बहुत अहम होते हैं क्योंकि अक्सर उन्हीं की वजह से टीम जीतती है। वह एक खास प्रतिभा हैं। जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं तो उनका स्तर हर किसी को साफ दिखाई देता है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा जैसी प्रतिभा और स्तर होता है।''

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के

लिए नई जर्सी पेश की

नयी दिल्ली : भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने प्रिटोरिया में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए बुधवार को भारतीय टीम की नई जर्सी का अनावरण किया। यह श्रृंखला प्रिटोरिया के सिनोविल क्रिकेट क्लब में 25 अप्रैल से दो मई तक खेली जाएगी। जर्सी के अनावरण का यह कार्यक्रम आईडीसीए के साझेदारों, आईडीसीए के बोर्ड के सदस्यों और इस श्रृंखला में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी में हुआ। भारतीय टीम 24 अप्रैल को प्रिटोरिया के लिए रवाना होगी।

भारत सैफ महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप बी में

नयी दिल्ली : भारतीय महिला फुटबॉल टीम को 25 मई से छह जून तक गोवा के मडगाव में होने वाली सैफ महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। नेपाल, श्रीलंका और भूटान ग्रुप ए में हैं। ढाका में बुधवार को सैफ सचिवालय में ड्रॉ डाले गए, जिसके अनुसार प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। पाकिस्तान ने अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है। भारत दूसरी बार सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में इसकी मेजबानी की थी। भारत ने तब अपना चौथा खिताब जीता था। गोवा दूसरी बार सैफ चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा।

जडेजा के हरफनमौला खेल से रॉयल्स ने सुपर जायंट्स को हराया

लखनऊ : रविंद्र जडेजा के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से करारी शिकस्त दी। जडेजा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स की पूरी टीम 18 ओवर में मात्र 119 रन पर सिमट गई। जडेजा ने बल्ले से 29 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए और गेंदबाजी में भी 29 रन देकर एक विकेट हासिल किया।रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शीर्ष क्रम एक बार फिर विफल रहा। यशस्वी जायसवाल (22), रियान पराग (20), शिमरॉन हेटमायर (22) और डोनोवन फरेरा (20) ने उपयोगी पारियां जरूर खेलीं, लेकिन कोई भी बड़ी पारी

नहीं खेल सका। अंत में जडेजा और शुभम दुबे (19 नाबाद) ने 26 गेंदों में 49 रन की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।लखनऊ की ओर से मोहम्मद शमी और मोहसिन खान ने शानदार गेंदबाजी की। शमी ने 30 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि मोहसिन ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 17 रन पर दो विकेट झटके। प्रिंस यादव ने भी दो विकेट लेकर टीम को मजबूती दी।लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने शुरुआती 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। जोफ्रा आर्चर (3 विकेट) और नांद्रे बर्गर (2 विकेट) ने शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। मध्यक्रम में जडेजा, बृजेश शर्मा और रवि बिश्नोई ने भी दबाव बनाए रखा।मिचेल मार्श ने 41 गेंदों में 55 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला। निकोलस पूरन (22) और हिम्मत सिंह (15) ही कुछ हद तक योगदान दे सके। पूरन और मार्श के बीच 43 रन की साझेदारी हुई, लेकिन उसके टूटते ही टीम की उम्मीदें भी खत्म हो गईं।राजस्थान के गेंदबाजों ने पूरे मैच में अनुशासन बनाए रखा और लगातार विकेट निकालते रहे। फील्डिंग में भी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें रियान पराग के अहम कैच शामिल रहे।इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स ने न केवल मैच पर अपना दबदबा कायम किया, बल्कि टीम के गेंदबाजों ने यह साबित कर दिया कि कम स्कोर का भी सफलतापूर्वक बचाव किया जा सकता है।

खेलों को बढ़ावा देने दंतेवाड़ा पहुंचे तेंदुलकर

दंतेवाड़ा : पूर्व महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए जो जमीनी स्तर की खेल पहल का हिस्सा है और इसका मकसद

कभी माओवाद से प्रभावित रहे इस इलाके को एक फलता-फूलता खेल केंद्र बनाना है और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करना है। इस अवसर पर तेंदुलकर ने इस बात पर जोर दिया कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगातार अभ्यास जरूरी है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य हासिल करने का कोई 'शॉर्टकट' नहीं होता। उन्होंने बच्चों को यह भी सलाह दी कि वे सोच-समझकर दोस्त चुनें और अच्छे इंसान बनने की कोशिश करें। वे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के छिंदनार गांव में स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम हाई स्कूल में एक बहु खेल मैदान का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस मैदान को जमीनी स्तर की खेल पहल के तहत विकसित किया गया है जिसका मकसद कभी माओवाद से प्रभावित रहे इस इलाके को एक खेल केंद्र के रूप में बदलना है। यह जिला प्रशासन की 'मैदान कप' पहल के तहत विकसित किए गए 25 मैदानों में से एक है।

निरंतरता बनाए रखने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे मुंबई और चेन्नई

मुंबई : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को होने वाले मुकाबले में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स आमने-सामने होंगी। दोनों ही पूर्व चैंपियन टीमें इस सीजन में अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं और निरंतरता हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी।इस मुकाबले का आकर्षण रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी भी रहेगी। रोहित हैमस्ट्रिंग और धोनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों में से कौन मैदान पर उतर पाएगा। धोनी ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लेकर वापसी के संकेत दिए हैं।चेन्नई की टीम को हाल में झटका तब लगा जब युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इससे टीम को बल्लेबाजी संयोजन पर दोबारा विचार करना पड़ रहा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ का फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है, जबकि सरफराज खान अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे हैं। टीम को संजू सैमसन से बड़ी पारी की उम्मीद होगी।दूसरी ओर मुंबई इंडियंस ने पिछला मैच जीतकर राहत की सांस ली, जिसमें तिलक वर्मा का अहम योगदान रहा। लेकिन टीम के लिए सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या का फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों ही खिलाड़ी अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने पिछले मैच में वापसी के संकेत दिए, जबकि युवा अश्विनी कुमार ने चार विकेट लेकर टीम को मजबूती दी। इसके अलावा इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के जुड़ने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।अंक तालिका में दोनों टीमों के चार-चार अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण मुंबई इंडियंस आगे है।

भारत ने आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व कप दूसरे दिन तीन रजत और एक कांस्य पदक जीता

काहिरा : भारत के जूनियर निशानेबाजों ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप के दूसरे दिन चार और पदक जीते जिनमें तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। पदक तालिका में भारत अभी तीसरे स्थान पर है क्योंकि प्रतियोगिता के दूसरे दिन दांव पर लगे पांच स्वर्ण पदक में से चार कजाखस्तान और व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ियों (एआईएन) ने जीते। रोहित केनयन ने 50 मीटर राइफल प्रोन पुरुषों की जूनियर स्पर्धा में 615.8 के स्कोर के साथ भारत को दिन का पहला रजत पदक दिलाया। वह कजाखस्तान के स्वर्ण पदक विजेता ओलेग नोस्कोव से सिर्फ 0.5 अंक पीछे रहे। इसके बाद सेजल कांबले ने जूनियर महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफायर में 580 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान

हासिल किया और फिर फाइनल में 27 हिट के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। एआईएन की कात्सियारीना इवानोवा ने पांच शॉट की आठ सीरीज वाले फाइनल में 31 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत ने प्रतियोगिता में दूसरी बार किसी स्पर्धा में दो पदक एक साथ जीते जब राज चंद्र ने 580 और अभिनव देशवाल ने 578 का स्कोर करके 25 मीटर पिस्टल पुरुषों की जूनियर स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पहले दिन शिवा नरवाल और चिराग शर्मा ने एक ही स्पर्धा में भारत के लिए पदक जीते थे। कजाखस्तान ने एक बार फिर स्वर्ण पदक जीता जिसमें किरिल त्सुकानोव ने 581 का स्कोर किया।

भारत फीफा महिला विकास कार्यक्रम के लिए चयनित 12 देशों में शामिल

नयी दिल्ली : फुटबॉल के वैश्विक शासी निकाय फीफा द्वारा अपने महिला विकास कार्यक्रम के लिए बुधवार को चयनित 12 देशों में भारत को भी शामिल किया गया। इस सूची में जर्मनी, नीदरलैंड, स्वीडन, स्कॉटलैंड, कनाडा, मैक्सिको, फिनलैंड, घाना, जॉर्डन, लिथुआनिया और पैराग्वे भी शामिल हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के प्रारंभिक आवेदन के बाद फीफा ने भारत को इस कार्यक्रम में शामिल किए जाने की पुष्टि की। एआईएफएफ ने वाणिज्यिक रणनीति और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी थी। एआईएफएफ ने बताया कि यह कार्यक्रम मई से अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम फीफा द्वारा देश भर में महिला फुटबॉल से जुड़े विभिन्न हितधारकों के लिए विशेष रूप से

तैयार किया जाएगा। एआईएफएफ ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''अब एआईएफएफ को एक वाणिज्यिक भागीदार का समर्थन प्राप्त है, जिससे यह कार्यक्रम क्लबों को स्थायी मॉडल बनाने के लिए आवश्यक उपकरण और जानकारी प्रदान करने के साथ ही उन्हें एएफसी (एशियाई फुटबॉल महासंघ) द्वारा शुरू की जाने वाली आगामी महिला क्लब लाइसेंसिंग प्रणाली के लिए भी तैयार करेगा।'' एआईएफएफ के उप महासचिव एम. सत्यनारायण ने कहा, भारत में महिला फुटबॉल के व्यावसायिक पहलू को समग्र रूप से विकसित करने का यह बिल्कुल सही समय है। हमारी तीन महिला टीमों (सीनियर, अंडर-20 और अंडर-17) का एएफसी एशियाई कप के लिए अपने-अपने आयु वर्ग में क्वालीफाई करना हमारी क्षमता को दर्शाता है। इसके साथ ही, अस्मिता अंडर-13 महिला फुटबॉल लीग ने हमें युवा स्तर पर आधार बनाने में मदद की है।

एमबाप्पे और विनीसियस ने रियाल मैड्रिड को जीत का स्वाद चखाया

मैड्रिड : काइलियन एमबाप्पे और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया, जिससे रियाल मैड्रिड ने अलावेस को 2-1 से हराकर चार मैचों के बाद पहली जीत का स्वाद चखा। इस जीत से वह स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला-

लीगा में शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना के करीब पहुंच गया है। सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मिली जीत के बाद रियाल मैड्रिड अब बार्सिलोना से छह अंक पीछे रह गया है। बार्सिलोना के 31 मैच में 79 और रियाल मैड्रिड के 32 मैच में 73 अंक हैं। बायर्न म्यूनिख से हारने के कारण चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद रियाल मैड्रिड का यह पहला मैच था। रियाल मैड्रिड को बायर्न से अपने घरेलू मैदान पर 2-1 से और दूसरे चरण में जर्मनी में 4-3 से हार का सामना करना पड़ा था। उसे लालीगा में पिछले दो मैच में जीत नहीं मिली थी। उसने गिरोना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था जबकि मालोर्का से 2-1 से हार गय था। एमबाप्पे ने 30वें मिनट में गोल किया। वह इस टूर्नामेंट में अब सर्वाधिक 24 गोल कर चुके हैं। यह फरवरी के बाद इस प्रतियोगिता में उनका पहला गोल भी था। विनीसियस ने 50वें मिनट में गोल करके मैड्रिड की बढ़त को और मजबूत कर दिया।

रोहित भाई ने मुझे बिना कुछ सोचे शुरुआती 15 गेंद खेलने की सलाह दी, तिलक ने कहा

मुंबई : तिलक वर्मा ने बुधवार को बताया कि रोहित शर्मा ने उन्हें आईपीएल में शतक लगाकर फॉर्म में लौटने में मदद की जब उन्होंने सलाह दी कि मैच की स्थिति के बारे में अधिक सोचे बिना शुरुआती 15 से 20 गेंद खेलो। तिलक ने नाबाद 101 रन बनाए जिससे मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराकर लगातार चार मैच में हार का सिलसिला तोड़ दिया। तिलक ने 45 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और सात छक्के लगाए। उनकी शुरुआत हालांकि धीमी रही थी और एक समय बाएं हाथ का यह बल्लेबाज 22 गेंद पर 19 रन बनाकर खेल रहा था। तिलक ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर संवादाताओं से कहा, ''मैं खास तौर पर रोहित भाई से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे कहा '15-20 गेंद खेलो'और तुम जानते हो कि तुम क्या कर सकते हो।'' उन्होंने कहा, ''अगर तुम 15 गेंदें खेल लेते हो तो हर कोई जानता है कि उसके बाद तुम क्या करोगे। बस स्थिति या किसी और चीज के बारे में मत सोचो, 15 गेंद खेलो और हम देखेंगे कि नतीजा क्या होता है।'' तिलक ने कहा, '' इससे मुझे आत्मविश्वास मिला और मैंने अपने मन में ठान लिया कि मैं 15 गेंद खेलूंगा और उसके बाद बाकी चीजें देखूंगा। जब मैंने वे 15 गेंद खेल लीं तो अपने आप ही व्यावहारिक रूप से समझ आ गया कि मुझे बड़े शॉट लगाने हैं।'' तिलक ने कहा कि आईपीएल की खराब शुरुआत के बाद उन्होंने खुद पर कोई दबाव नहीं लिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछले मैच से पूर्व 20, 00, 14, 01 और 08 रन बनाए थे।

कमिंस की वापसी के बाद भी किशन ही करें सनराइजर्स की कप्तानी: बांगड़

हैदराबाद : पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा कि पैट कमिंस की चोट से उबरकर वापसी करने के बाद भी ईशान किशन को ही सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करनी चाहिए। कमिंस अपनी पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे और उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र के शुरुआती मैचों से भी बाहर रहना पड़ा था। वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को जयपुर में होने वाले मैच में वापसी कर सकते हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच बांगड़ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ''एक कप्तान के तौर पर ईशान किशन ने दिखाया कि वह अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में रणनीतिक रूप से बहुत कुशल हैं।

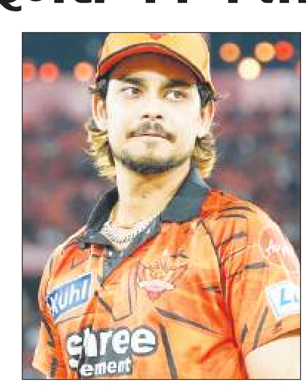

उन्हें पता है कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। इससे स्पष्ट होता है वह खेल की कितनी अच्छी समझ रखते हैं। वह दबाव में नहीं आते, जल्दबाजी नहीं करते और मैदान पर सही फैसले ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने अपने स्पिनरों का इस्तेमाल किया, वह प्रभावशाली था। इसलिए मेरा मानना है कि भले ही पैट कमिंस वापसी कर लें, ईशान किशन को ही सनराइजर्स की कप्तानी करनी चाहिए।'' बांगड़ ने कहा, ''अमूमन देखा गया है कि भारतीय कप्तान होने से टीम को स्थिरता मिलती है। पैट कमिंस जैसे काबिल गेंदबाज की हाल की चोटों को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि वह आईपीएल के बाकी मैचों में कितने फिट रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि किशन को ही कप्तान बनाए रखना सनराइजर्स के सर्वोत्तम हित में होगा। बांगड़ ने कहा, ''ईशान को कप्तान बनाए रखने से खिलाड़ियों को भी अपले प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुझे लगता है कि हैदराबाद के लिए यही सही होगा।''

विदेश की खबरें

ट्रंप ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम बढ़ाया

ईरान ने होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले के बाद दो को अपने कब्जे में लिया

वाशिंगटन/इस्लामाबाद : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के अनुरोध पर ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है ताकि तेहरान के नेतृत्व को युद्ध समाप्त करने के लिए एक एकीकृत प्रस्ताव तैयार करने के वास्ते अधिक समय मिल सके। इस बीच, बुधवार को ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोलीबारी की और उनमें से दो को जब्त कर लिया। ट्रंप की इस नाटकीय घोषणा का पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने स्वागत किया, और यह घोषणा दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से कुछ ही घंटे पहले आई। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'तसनीम' ने बताया कि तेहरान ने युद्धविराम बढ़ाने पर अपनी सहमति की पुष्टि करते हुए कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। दूसरे दौर की वार्ता को लेकर अनिश्चितता के चलते पाकिस्तान ने युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था। अगले दौर की वार्ता की तारीख को लेकर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं थी। बुधवार को, न्यूयॉर्क पोस्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के हवाले से कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता का दूसरा दौर शुक्रवार को ही हो सकता है। अखबार ने ट्रंप के हवाले से कहा कि अगले 36 से 72 घंटों के भीतर ऐसा घटनाक्रम ''संभव'' है। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाक़ाई ने कहा कि तेहरान ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह इस्लामाबाद में पाकिस्तानी मध्यस्थता वाली वार्ता के नए दौर में भाग लेगा या नहीं। बाक़ाई ने बुधवार को बीबीसी से कहा, ''हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर हमें यह लगता है कि इस्लामाबाद जाना हमारे राष्ट्रीय हित में है, तो हम वहां जाएंगे। लेकिन फिलहाल, इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।''

होर्मुज से अपने जहाजों की निकासी के लिए ईरान को नहीं किया गया भुगतान: भारत

नयी दिल्ली : भारत ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने जहाजों को सुरक्षित पार कराने के लिए उसने ईरान को नकद या क्रिप्टोकरेंसी में कोई भुगतान किया है। यह स्पष्टीकरण उस घटना के बाद आया है, जिसमें 18 अप्रैल को इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरानी बलों ने गोलीबारी की थी, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि 'सनमार हेराल्ड' जहाज को सुरक्षित मार्ग देने के लिए ईरान को भुगतान किए जाने के बारे में चलाई जा रही खबरें 'फर्जी' हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ऐसी खबरें फैल रही हैं कि सनमार हेराल्ड जहाज के कप्तान ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गॉर्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना इकाई से जुड़े लोगों को भुगतान किया, जो कि पूरी तरह गलत है। जहाज के मालिक से बात करने पर उन्होंने कोई भुगतान न किए जाने की पुष्टि की।

श्रीलंका में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरने के आरोप में गिरफ्तार 50 विदेशियों में एक भारतीय भी

कोलंबो : वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी श्रीलंका में ठहरने के आरोप में गिरफ्तार किए गए 50 विदेशी लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। बुधवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी मिली। समाचार पोर्टल श्रीलंकामिरर डॉट कॉम के अनुसार, ये गिरफ्तारियां मंगलवार को कोलंबो के पास लोकप्रिय पर्यटन केंद्र नेगम्बो में की गईं। गिरफ्तार किए गए लोगों में 47 चीनी नागरिक, दो मलेशियाई और एक भारतीय शामिल हैं। खबरों में कहा गया है कि अधिकारियों ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में रहने के आरोप में 50 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

चीन ने अपने अंतरिक्ष स्टेशन प्रशिक्षण के लिए दो पाकिस्तानी नागरिकों को चुना

बीजिंग : चीन के अंतरिक्ष मिशन प्रशिक्षण के लिए पहले विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों के रूप में दो पाकिस्तानी नागरिकों का चयन किया गया है। चीन की मानव अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि दो पाकिस्तानी नागरिक- मोहम्मद जीशान अली और खुर्रम दाऊद प्रशिक्षण के लिए 'रिजर्व' अंतरिक्ष यात्रियों के रूप में जल्द ही चीन आएंगे।

भारत ने संरा महासचिव पद की उम्मीदवार बाचेलेत से सुरक्षा परिषद सुधार के लक्ष्यों पर सवाल किए

संयुक्त राष्ट्र : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और 'ग्लोबल साउथ' के विकास लक्ष्यों का मुद्दा उठाते हुए चिली की पूर्व राष्ट्रपति तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार मिशेल बाचेलेत से पूछा कि अगर वह इस वैश्विक संगठन के नेतृत्व के लिए चुनी जाती हैं तो इन मुद्दों पर उनकी क्या योजना होगी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त रह चुकी बाचेलेत संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव पद की दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से एक हैं। वर्तमान संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस 31 दिसंबर को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने लगातार दो पांच वर्षीय कार्यकाल तक दुनिया के शीर्ष राजनयिक के रूप में सेवा दी है। मंगलवार को यहां तीन घंटे चले संवाद सत्र में बाचेलेत से सदस्य देशों और सिविल सोसायटी ने अगले महासचिव पद को लेकर उनकी सोच के बारे में तथा यह पूछा कि वह इस पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार क्यों हैं। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) राजदूत सिबी जॉर्ज ने संवाद के दौरान कहा, ''संयुक्त राष्ट्र का नौवां दशक नेतृत्व और आशा का होना चाहिए। सदस्य देशों के सामने अपनी दृष्टि और कार्ययोजना रखने के आपके प्रयासों की हम सराहना करते हैं।'' भारत ने दो मुद्दे उठाए और उन पर बाचेलेत का दृष्टिकोण जानना चाहा। जॉर्ज ने कहा, ''यह स्पष्ट है कि आज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना एक अलग युग की वास्तविकताओं को दर्शाती है। आपके दृष्टिपत्र में संयुक्त राष्ट्र में जारी सुधारों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की बात कही गई है। कृपया बताएं कि इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए आप कौन से कदम उठाएंगी।''

ईयू ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की

लंदन : यूरोपीय संघ (ईयू) ने पहलगाम में हुए ''जघन्य आतंकी हमले'' की पहली बरसी पर भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। पिछले साल 22 अप्रैल को इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। ईयू ने एक बयान में सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की। इसमें कहा गया, ''पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की बरसी पर यूरोपीय संघ और उसके 27 सदस्य देश, एक वर्ष पूर्व मारे गए निर्दोष पीड़ितों की स्मृति में भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।'' ईयू ने कहा, ''हम उनके परिवारों और भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हम सभी तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा दोहराते हैं, जिसे किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।'' नयी दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने भी सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद के सभी कृत्यों की निंदा की। बयान में कहा गया, ''पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले को एक साल पूरा हो गया है। हम पीड़ितों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, और हमारी संवेदनाएं इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।'' उच्चायोग ने कहा, ''ब्रिटेन सभी तरह के आतंकवाद की निंदा करता है। हम शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हैं।'' पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने पिछले साल इसी दिन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी। मारे गए लोगों में से ज़्यादातर पर्यटक थे।

शेयर बाजार में तीन दिनों की तेजी पर लगा विराम; सेंसेक्स 757 अंक फिसला, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई: पश्चिम एशिया संकट जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी तेजी बुधवार को थम गई। सेंसेक्स में करीब 757 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी 198 अंक टूट गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक अस्थिरता की आशंका से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 756.84 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 78,516.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 831.03 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 24,378.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में 10.85 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी

के मार्च तिमाही के नतीजे निवेशकों को प्रभावित नहीं कर सके और बिकवाली तेज हो गई। इसके अलावा इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी और ट्रेंट में बढ़त दर्ज की गई। लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा, अमेरिका-ईरान वार्ता ठप होने से पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक अस्थिरता की आशंका बढ़ने से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहने से मुद्रास्फीति और मुद्रा स्थिरता पर दबाव बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.26 प्रतिशत बढ़कर 99.72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,918.99 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.76 प्रतिशत चढ़ गया जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.04 प्रतिशत की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी खंड में सर्वाधिक 3.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि फोकस आईटी खंड में 3.54 प्रतिशत, वित्तीय सेवा खंड में 0.64 प्रतिशत और निजी बैंक सूचकांक में 0.64 प्रतिशत की गिरावट रही। ऑनलाइन ट्रेडिंग मंच एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा, पूरे कारोबारी सत्र के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में स्पष्ट रूप से नकारात्मक रुख बना रहा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने से बाजार पर दबाव बना रहा।

रुपया 34 पैसे टूटकर 93.78 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई: रुपये में बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 34 पैसे टूटकर 93.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता से पश्चिम एशिया में संघर्ष कम होने की उम्मीदें कमजोर हुई हैं। इसके साथ कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई जिससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने भी भारतीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.69 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 93.87 के निचले स्तर तक पहुंचा। अंत में घरेलू मुद्रा डॉलर के मुकाबले 93.78 पर रही जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे की गिरावट है। रुपया मंगलवार को 28 पैसे की गिरावट के साथ 93.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

टेस्ला ने भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी 'वाईएल' को उतारा

मुंबई: दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता टेस्ला ने बुधवार को अपना छह सीटों वाला इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल 'वाईएल' भारत में पेश किया जिसकी कीमत 61.99 लाख रुपये है। यह अमेरिकी कंपनी की भारत में दूसरी पेशकश है। कंपनी ने पिछले साल मॉडल 'वाई' के साथ भारतीय बाजार में कदम रखा था। टेस्ला इंडिया के महाप्रबंधक शरद अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप चार्जिंग अवसंरचना को विकसित करेगी और वाईएल मॉडल के जरिए प्रीमियम एसयूवी खंड में पकड़ मजबूत करने का लक्ष्य है। कंपनी चालू तिमाही में सेवा और बॉडी शॉप नेटवर्क का विस्तार करते हुए पश्चिम बंगाल और हैदराबाद, चेन्नई एवं अहमदाबाद शहरों में अपनी उपस्थिति बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, भारत में चार्जिंग नेटवर्क विकसित करना कंपनी की प्राथमिकता है और अब तक पांच सुपरचार्जर स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। आने वाले महीनों में दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद, पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई को सुपरचार्जर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

मलेशिया, शिकागो में मजबूती से अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नयी दिल्ली: मलेशिया और शिकागो एक्सचेंज के मजबूत रहने के बीच देश के बाजार में बुधवार को सभी तेल-तिलहनों के दाम में सुधार दिखा। विदेशों में इस तेजी के करण यहां सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में मजबूती रही। मलेशिया और शिकागो एक्सचेंज में काफी मजबूती का रुख था। शिकागो एक्सचेंज मंगलवार रात भी मजबूत बंद हुआ था। बाजार सूत्रों ने बताया कि पिछले साल अगस्त में आयातित खाद्यतेलों के मुकाबले सरसों तेल 40-45 रुपये किलो मंहगा था जो मौजूदा समय में आयातित खाद्यतेलों से लगभग 15-17 रुपये किलो सस्ता है। सरकार को इस समय सरसों का स्टॉक बनाने पर जोर रखना चाहिये जो आड़े वक्त काम आयेगा। मौजूदा अस्थिर वैश्विक हालात के बीच इस बात की ओर सरकार को विशेष ध्यान रखना होगा कि वह सोयाबीन, मूंगफली और सरसों का स्टॉक जमा रखे। ऐसा करना देश के हित में होगा विशेषकर तब, जब विदेशी बाजारों में आगे जाकर खाद्यतेल कीमतें मजबूत होती हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कार्यकारी निदेशक पद के लिए निजी क्षेत्र से भी आवेदन आमंत्रित

नयी दिल्ली: सरकारी बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों का चयन करने वाली संस्था एफएसआईबी ने चालू वित्त वर्ष के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यकारी निदेशकों (ईडी) की नियुक्ति के लिए निजी क्षेत्र सहित पात्र उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों को शामिल करना तय प्रक्रिया से अलग एक बदलाव है और यह पहली बार है जब वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) चालू वित्त वर्ष के दौरान सृजित होने वाली ईडी की आधा दर्जन से अधिक रिक्तियों के लिए निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों पर भी विचार करेगा। ब्यूरो के पात्रता मानदंडों के अनुसार निजी क्षेत्र के आवेदक के पास कम से कम 18 वर्ष का अनुभव होना चाहिए, जिसमें 12 वर्ष का बैंकिंग अनुभव शामिल हो। इसमें बोर्ड स्तर से ठीक नीचे के उच्चतम स्तर पर तीन वर्ष का अनुभव (मूल पद के आधार पर) होना अनिवार्य है।

युवाओं, किसानों का पलायन रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन जरूरी: गडकरी

नयी दिल्ली: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि महानगरों की ओर पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण तथा आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना जरूरी है। गडकरी ने 'सेव द अर्थ कॉन्क्लेव' के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में किसानों और मजदूरों की आर्थिक स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'रोजगार के अवसरों की कमी के कारण गांवों के युवा, किसान और मजदूर दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। हमें गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने चाहिए।'' सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि युवा और किसान मजबूरी में गांव छोड़ रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में 10,000 किसान आत्महत्याओं का भी उल्लेख किया। गडकरी ने कृषि क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को 'अन्नदाता' से आगे बढ़कर 'ऊर्जादाता' बनना चाहिए। उन्होंने वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ाने की भी वकालत की। मंत्री ने कहा, ''हम 22 लाख करोड़ रुपये के जीवाश्म ईंधन का आयात करते हैं जिससे प्रदूषण भी होता है... इसलिए हमें वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ाने पर काम करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्का की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना से प्रभावित होती है। 'हमारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बाजार मूल्य से अधिक है।'

कच्चा तेल महंगा होने के बावजूद भारत में सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि संभव: एसोचैम

नयी दिल्ली: उद्योग निकाय एसोचैम ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से उपभोग आधारित है और कच्चे तेल की कीमत 90-100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद देश सालाना सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज कर सकता है। निकाय ने कहा कि उच्च ऊर्जा लागत के प्रति भारत का लचीलापन पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है, क्योंकि देश ने तेल के गंभीर झटकों को सहन किया है और इसके बावजूद वृद्धि दर मजबूत बनी रही है। एसोचैम ने अपने विश्लेषण के आधार पर कहा कि भारत ने आर्थिक वृद्धि की गति से समझौता किए बिना उच्च ऊर्जा कीमतों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता दिखाई है। इसमें कहा गया, ''2000-01 से 2025-26 के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत ने कच्चे तेल की मध्यम से उच्च कीमतों के स्तर पर भी अपने कुछ सबसे मजबूत वृद्धि दर वाले वर्ष

दर्ज किए हैं।'' एसोचैम के अनुसार 2022-23 में वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत थी, जबकि तेल की कीमतें (भारतीय बास्केट) 93 डॉलर प्रति बैरल (वार्षिक औसत) पर थीं। वहीं 2023-24 में तेल की कीमतें 82 डॉलर प्रति बैरल रहने पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने कहा, 'भारत की वृद्धि गाथा मुख्य रूप से इसके उपभोग क्षेत्र द्वारा संचालित है। यह कारखानों के विस्तार, अधिक श्रमिकों की नियुक्ति और उच्च आय स्तरों के माध्यम से आपूर्ति पक्ष को मजबूत करती है, जिससे वृद्धि का एक सकारात्मक चक्र बनता है और अर्थव्यवस्था का लचीलापन बढ़ता है।'

भारत का वस्त्र निर्यात 2025-26 में 2.1 प्रतिशत बढ़कर 3.16 लाख करोड़ रुपये

नयी दिल्ली: हस्तशिल्प सहित देश का वस्त्र निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 2.1 प्रतिशत बढ़कर 3.16 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2024-25 में यह 3.09 लाख करोड़ रुपये था। वस्त्र मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह वृद्धि उस समय हुई जब समूचे वित्त वर्ष के अधिकतर समय क्षेत्र को उसके सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने जवाबी शुल्क व्यवस्था दो अप्रैल 2025 को 10 प्रतिशत से लागू की और यह दर निरंतर तेजी से बढ़ती गई। भारत के लिए दरें सात अगस्त 2025 तक 25 प्रतिशत और 28 अगस्त तक 50 प्रतिशत हो गईं जो फरवरी 2026 की शुरुआत तक इसी स्तर पर बनी रहीं। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लागू किया। न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए गए व्यापक शुल्क को खारिज कर दिया था। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रदर्शन भारतीय वस्त्र उत्पादों की स्थिर वैश्विक मांग और प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के दौरान सालाना आधार पर 120 से अधिक गंतव्यों में निर्यात वृद्धि दर्ज की गई जो भौगोलिक विस्तार का संकेत है। प्रमुख बाजारों में संयुक्त अरब अमीरात (22.3 प्रतिशत), ब्रिटेन (7.8 प्रतिशत), जर्मनी (9.9 प्रतिशत), स्पेन (15.5 प्रतिशत), जापान (20.6 प्रतिशत), मिस्र (38.3 प्रतिशत), नाइजीरिया (21.4 प्रतिशत), सेनेगल (54.4 प्रतिशत) और सूडान (205.6 प्रतिशत) में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। प्रमुख खंडों में सिले हुए वस्त्रों (आरएमजी) का सबसे अधिक योगदान रहा जिसका निर्यात 1.35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.39 लाख करोड़ रुपये हो गया, यानी 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सूती धागे, कपड़े, तैयार माल और हथकरघा उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में स्थिर रहा। ये 0.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.02 लाख करोड़ रुपये रहा। मानव निर्मित धागे, कपड़े और तैयार उत्पादों में 3.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई जिसमें निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 41,196 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 के दौरान 42,687.8 करोड़ रुपये हो गया।

मुद्रा संबंधी उपाय अस्थायी, लंबे समय में रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रतिबद्ध: आरबीआई

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने बुधवार को कहा कि रुपये के मोर्चे पर उठाए गए कदम अस्थायी थे और उन्होंने लंबी अवधि में मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रतिबद्धता जताई। वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में कोई निश्चित समय सीमा नहीं बताई कि केंद्रीय बैंक इस साल 30 मार्च और एक अप्रैल को लागू किए गए उपायों को पूरी तरह से कब वापस लेगा। ये उपाय मुद्रा बाजार में अत्यधिक सट्टेबाजी को देखते हुए किए गए थे, जिससे अमेरिकी डॉलर की कृत्रिम कमी पैदा हो रही थी। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में आरबीआई ने रुपया डेरिवेटिव पर एक अप्रैल के उपायों के एक हिस्से को आंशिक रूप से वापस ले लिया था। इसके तहत अधिकृत डीलरों को निवासी या अनिवासी उपयोगकर्ताओं के लिए भारतीय रुपये से जुड़े गैर हस्तांतरणयोग्य वायदा-विकल्प अनुबंधों की पेशकश फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई है। शुद्ध खुली पोजीशन पर 10 करोड़ डॉलर की सीमा कब हटाई जाएगी, इस सवाल पर शंकर ने कहा कि आरबीआई रुपया-डॉलर के लिए एक वैश्विक बाजार बनाने और लंबी अवधि में रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

ईरान की गोलीबारी के शिकार तीन में से एक जहाज का संभावित गंतव्य था गुजरात: रिपोर्ट

नयी दिल्ली: होर्मुज जलडमरूमध्य में बुधवार को ईरानी सैन्यबलों की गोलीबारी में निशाना बनने वाले तीन वाणिज्यिक जहाजों में से एक जहाज संभवतः गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह की ओर जा रहा था। शुरुआती शिपिंग आंकड़े से यह जानकारी मिली है। समुद्री निगरानी कंपनी 'मैरीनट्रैफिक' के मुताबिक, 'एपामिनोंडस' नामक कंटेनर जहाज ने अपने गंतव्य के रूप में मुंदड़ा बंदरगाह का संकेत दिया था। यह जहाज लाइबेरिया के झंडे के तहत संचालित हो रहा है और फिलहाल ओमान की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद बताया गया है। ईरान के विशेष सैन्यबल 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गॉर्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरते समय इन जहाजों पर गोलीबारी की। इस घटना में दो जहाजों को बाद में कब्जे में ले लिया गया और कम-से-कम एक जहाज को नुकसान भी पहुंचा। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

भारतीय बंदरगाह लॉजिस्टिक एवं औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहे हैं: जलमार्ग सचिव

सिंगापुर: बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के सचिव विजय कुमार ने बुधवार को कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के समर्थन से भारत के बंदरगाह माल ढुलाई के प्रवेश द्वार से एकीकृत लॉजिस्टिक एवं औद्योगिक केंद्रों में परिवर्तित हो रहे हैं। 'सिंगापुर मैरीटाइम वीक' (एसएमडब्ल्यू) 2026 के दौरान आयोजित गोलमेज बैठक में करीब 200 निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा, '' भारत स्थिर और निर्णायक तरीके से उस दिशा में आगे बढ़ रहा है जिससे वह सतत विकास, निवेश आकर्षित करने व वैश्विक मूल्य शृंखला में एकीकृत होने की सर्वोत्तम स्थिति में आ सके।'' उन्होंने भारतीय बंदरगाहों की वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी क्षमता दोगुनी हो चुकी है और अगला लक्ष्य विश्वस्तरीय दक्षता हासिल करना है। वित्त वर्ष 2013-14 के बाद से माल ढुलाई क्षमता 1,40 करोड़ टन प्रति वर्ष से बढ़कर 2,77.1 करोड़ टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) हो गई है। 2030 तक इसे 3,50 करोड़ टन प्रति वर्ष और 2047 तक 1000 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुंचाने का लक्ष्य है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने 91.5 करोड़ टन से अधिक माल ढुलाई की जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है और इसमें सालाना सात प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

चांदी 2,700 रुपये फिसली, सोना 300 रुपये टूटा

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के बीच सोने की कीमत 300 रुपये टूटकर 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही, जबकि चांदी 2,700 रुपये फिसलकर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 300 रुपये टूटकर 1,57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'बुधवार को सोने की कीमतों

में गिरावट आई, क्योंकि अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत की योजना विफल हो गयी। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष विराम की अवधि बढ़ा दी है।'' उन्होंने कहा कि प्रगति की कमी ने अनिश्चितता को बढ़ाए रखा, जिससे कच्चे तेल और डॉलर की कीमतों को समर्थन मिला, जबकि कीमती धातुओं के लिए यह एक बाधा साबित हुआ। बाजार भागीदार घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते रहेंगे और कीमतों में उतार-चढ़ाव तब तक सावधानीपूर्वक 'इंतजार करो और देखो' के दृष्टिकोण को दर्शाता रहेगा, जब तक कि अधिक स्पष्ट संकेत सामने नहीं आ जाते। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर चांदी 1.46 प्रतिशत बढ़कर 77.80 डॉलर प्रति औंस हो गई, जबकि सोना 0.48 प्रतिशत बढ़कर 4,742.97 डॉलर प्रति औंस रहा। एलकेपी सिक्योरिटीज में शोध विश्लेषण विभाग के उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, ''सोना तेजी के साथ खुला और सकारात्मक दायरे में रहा। इससे जारी संघर्ष विराम की उम्मीदों से समर्थन मिला।

न्यूज अपडेट

पीएम इंटर्नशिप योजना में अब स्नातक, स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र भी कर सकेंगे आवेदन

नयी दिल्ली: सरकार ने 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना' (पीएमआईएस) के पायलट चरण में अंतिम वर्ष के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को शामिल करने के लिए बुधवार को पात्रता मानदंडों को संशोधित किया। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्रालय के साथ परामर्श के बाद ये संशोधन किए गए हैं। संशोधित नियमों के तहत अब 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र पीएमआईएस पोर्टल के माध्यम से देश की प्रमुख कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को भुगतान भी किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने से पहले ही उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा। हालांकि, योजना के लिए आवेदन करते समय छात्रों को अपने शैक्षणिक संस्थान से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (एनओसी) प्रस्तुत करना होगा। इसके साथ ही उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि इंटर्नशिप उनकी पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी। बयान के मुताबिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुभवपरक शिक्षा, इंटर्नशिप और उद्योग से जुड़ाव पर विशेष जोर दिया गया है, और यह योजना इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने में मददगार होगी। पीएमआईएस योजना के तहत चुने गए प्रत्येक इंटर्न को प्रति माह न्यूनतम 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। फिलहाल प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के पायलट चरण का तीसरा दौर चल रहा है।

गेल का एलएनजी मालवाहक पोत 'एनर्जी फिडेलिटी' अमेरिका से रवाना

ह्यूस्टन: सार्वजनिक क्षेत्र की प्राकृतिक गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड का एलएनजी मालवाहक पोत 'एनर्जी फिडेलिटी' अमेरिका के साबाइन पास टर्मिनल से रवाना हो गया है। यह 1,74,000 घन मीटर (सीबीएम) क्षमता वाला पोत 20 अप्रैल को रवाना हुआ और अब भारत की ओर जा रहा है। गेल ने बयान में कहा कि इस समारोह की अध्यक्षता ह्यूस्टन (टेक्सास) में भारत के महावाणिज्य दूत डी. सी. मंजूनाथ ने की। मंजूनाथ ने कहा, '' यह समारोह भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी के मजबूत और बढ़ते संबंध का प्रतीक है जो विश्वसनीयता, नवाचार एवं दीर्घकालिक सुरक्षा जैसी साझा प्राथमिकताओं पर आधारित है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका रवाना होना भारत के 3टी-ट्रेड (व्यापार), टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) और टूरिज्म (पर्यटन) पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है जो ऊर्जा सुरक्षा के साझा लक्ष्यों एवं आपसी विश्वास पर आधारित गहराते सहयोग को दर्शाता है।

सरकार ने विमानन ईंधन में एथनॉल, कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की मंजूरी दी

नयी दिल्ली: सरकार ने विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन एटीएफ में एथनॉल और कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की अनुमति दे दी है लेकिन इसके लिए अभी कोई लक्ष्य तय नहीं किया गया है। एक सरकारी अधिसूचना से यह जानकारी मिली है। आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत एटीएफ विपणन नियमन आदेश, 2001 में संशोधन के बाद यह कदम उठाया गया है। इससे एटीएफ की परिभाषा का दायरा बड़ा हो गया है जिससे कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की राह आसान हो गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से जारी राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के मुताबिक, एटीएफ की परिभाषा का विस्तार कर उसमें सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रण को शामिल किया गया है। इस कदम का उद्देश्य उत्सर्जन में कमी लाना और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना है। हालांकि, फिलहाल इसके लिए कोई अनिवार्य मिश्रण लक्ष्य तय नहीं किया गया है। पुराने आदेश में संशोधन के तहत एटीएफ को अब ऐसे हाइड्रोकार्बन मिश्रण के रूप में परिभाषित किया गया है, जो आईएस 1571 मानकों के अनुरूप हो या आईएस 17081 मानकों के तहत कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रित हो। इससे नई तरह के ईंधन को शामिल करने का रास्ता साफ हुआ है। वैश्विक स्तर पर ब्रिटेन एवं जापान जैसे देश टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) के मिश्रण को अनिवार्य बना रहे हैं। यह ईंधन अपशिष्ट तेल, कृषि अवशिष्ट, शहरी कचरे और अन्य नवीकरणीय स्रोतों से तैयार किया जाता है। इसे कृत्रिम या मानव-निर्मित हाइड्रोकार्बन भी कहा जाता है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वर्ष 2027 तक एक प्रतिशत, 2028 तक दो प्रतिशत और 2030 तक पांच प्रतिशत एसएएफ के मिश्रण का लक्ष्य रखा है। हालांकि, घरेलू उड़ानों में ईंधन के मिश्रण के लिए अभी कोई लक्ष्य तय नहीं किया गया है।

पश्चिम एशिया संकट: इंडक्शन चूल्हे के महत्वपूर्ण उपकरणों पर सीमा शुल्क कटौती पर विचार

नयी दिल्ली: सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और पश्चिम एशिया संकट के बीच कीमतों में वृद्धि से निपटने के लिए इंडक्शन चूल्हे के महत्वपूर्ण उपकरणों पर सीमा शुल्क में कटौती करने पर विचार कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इन चूल्हे को और अधिक किफायती बनाने के लिए इन पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की सिफारिश भी की है। पश्चिम एशिया संकट ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही को बाधित कर दिया है, जिससे रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके चलते लोग इंडक्शन यानी इलेक्ट्रिक चूल्हे और इसके अनुकूल बर्तन खरीद रहे हैं। इंडक्शन कुकटॉप क्षेत्र में मांग-आपूर्ति की चुनौतियों से निपटने और आपूर्ति एवं कीमतों को स्थिर करने के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने वाणिज्य विभाग और बिजली मंत्रालय के साथ मिलकर हितधारकों के साथ परामर्श किया है। सरकार ने इस क्षेत्र के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें कुछ बिजली उपकरणों पर अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन की समय सीमा को छह महीने बढ़ाकर अक्टूबर 2026 तक करना शामिल है। अनिवार्य ऊर्जा दक्षता समय सीमा को भी आगे बढ़ाया गया है। डीपीआईआईटी की संयुक्त सचिव निधि केसरवानी ने कहा कि पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने मौजूदा संकट के बीच ईंधन और गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई सुधारात्मक और सुरक्षा उपाय किए हैं।

सरकार का गन्ने से जुड़े छह दशक पुराने कानून में बड़े बदलाव का प्रस्ताव

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने 1966 के गन्ना नियंत्रण आदेश को एक व्यापक नए नियामक ढांचे से बदलने का प्रस्ताव किया है। इसमें पहली बार एथनॉल उत्पादन, डिजिटल अनुपालन और कारखानों की मंजूरी के लिए एक औपचारिक व्यवस्था को एक साथ लाया गया है। सरकार ने इस मसौदे पर 20 मई तक लोगों से सुझाव मांगे हैं। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के गन्ना (नियंत्रण) आदेश 2026 के मसौदे में पुराने कानून की बुनियादी संरचना को बरकरार रखा गया है। इसमें उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) के नियम, गन्ने की आवाजाही पर नियंत्रण, 14 दिनों के भीतर भुगतान की समय सीमा और देरी से भुगतान पर 15 प्रतिशत सालाना ब्याज शामिल है। हालांकि इसमें पूरी तरह बदल चुके उद्योग के अनुरूप एक नया ढांचा तैयार किया गया है। वर्ष 1966 के कानून से सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एथनॉल को गन्ना नियामक ढांचे में स्पष्ट रूप से शामिल करना है और मसौदे में चीनी कारखाने की परिभाषा का विस्तार कर इसमें गन्ने के रस, सिरप, चीनी और मोलासेस से एथनॉल उत्पादन को भी शामिल किया गया है। इसके लिए एक ठोस रूपांतरण सूत्र पेश किया गया है, जिसके तहत उत्पादन गणना करते समय 600 लीटर एथनॉल को एक टन चीनी के बराबर माना जाएगा। केवल एथनॉल बनाने वाली इकाइयां, जो अपने परिसर में गन्ना नहीं पेरती हैं, उन्हें प्रदर्शन बैंक गारंटी की आवश्यकता से छूट दी गई है।

वर्ष 11, पूर्णांक 3571 अंक 037 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in